सत्य के साथ खड़े रहकर मोदी और संघ की सरकार को हराएंगे: राहुल गांधी
- 7

संसदीय समिति ने कहा-कच्चे तेल के स्रोतों में विविधता लाना जरूरी
- 10

बांग्लादेश में फिर अशांति निर्वाचन आयोग ने मांगी अतिरिक्त सुरक्षा
- 11

अर्जेंटीना को हराकर नीदरलैंड्स ने जीता हॉकी महिला जूनियर विश्व कप खिताब
- 12

आज का मौसम

23.0⁰ अधिकतम तापमान

11.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.49

सूर्यास्त 05.19

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष एकादशी, 09:20 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 15 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 316, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

पूर्व विधायक ने फ्लाइट में अमेरिकी महिला यात्री की बचाई जान

बेंगलुरु। कर्नाटक की पूर्व विधायक डॉ. अंजलि निंबालकर ने विमान में एक अमरीकी यात्री के अचानक बेहोश हो जाने पर उसे कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) देकर उसकी जान बचाई है। विमान में अमरीकी महिला यात्री की अचानक तबीयत खराब होने लगी जिससे वह बेहोश हो गई और उसकी नब्ज भी बंद हो गई। डा. निंबालकर ने तुरंत सीपीआर दिया और पूरे समय मरीज के पास रहकर उसकी हर जरूरत का ध्यान रखा। विमान के दिल्ली में उतरने पर महिला को एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। पूर्व विधायक अभी गोवा, दमन और दीव, और दादरा नगर हवेली की कांग्रेस सचिव एवं सह प्रभारी है। वह कांग्रेस की वोट चोरी रैली के लिए दिल्ली जा रही थी।

ईडी ने कोडीन युक्त सिरप मामले में कई जगहों पर तलाशी ली

नई दिल्ली। ईडी ने कोडीन युक्त कफ सिरप के गैर-कानूनी व्यापार और इसके दुरुपयोग के सिलसिले में कई जगहों पर तलाशी अभियान चलाया है। ईडी के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय ने रविवार को कहा कि उसने लखनऊ, वाराणसी, जौनपुर, सहारनपुर, रांची और अहमदाबाद में आरोपियों और उनके साथियों के घरों और कार्यालयों समेत 25 जगहों पर तलाशी ली है। ईडी ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट, बीएनएस और दूसरे लागू कानूनों की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज 30 प्राथमिकियों के आधार पर जांच शुरू की।

दूसरे एमएच-60आर हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन को शामिल करेगी नौसेना

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना 17 दिसंबर को अपने दूसरे एमएच-60आर हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन - आईएनएएस 335 (ओस्प्रे) को सेवा में शामिल करेगी, जिससे उसकी विमानन क्षमताओं को मजबूती मिलेगी। उन्नत हथियार और सेंसर इस हेलीकॉप्टर को नौसेना के लिए एक बहुउपयोगी बनाते हैं। नौसेना ने कहा कि गोवा स्थित आईएनएस हंसा पर 17 दिसंबर को आयोजित कार्यक्रम में दूसरे एमएच-60आर हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन - आईएनएएस 335 (ओस्प्रे) - को नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की उपस्थिति में औपचारिक रूप से सेवा में शामिल किया जाएगा।

सिडनी में यहूदी समुदाय के उत्सव में आतंकी हमला, 11 की मौत

बॉन्डी बीच पर हुई गोलीबारी, लोगों ने इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन के रेस्त्रां में छिपकर बचाई जान, एक आतंकी मार गिराया

- पुलिस ने एक हमलावर आतंकी को किया गिरफ्तार

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर रविवार को यहूदी समुदाय के उत्सव के दौरान दो बंदूकधारियों की अंधाधुंध गोलीबारी में 11 लोगों की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने इसे आतंकी हमला करार दिया है।

पुलिस ने एक हमलावर को मार गिराया जबकि एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया। सिडनी के न्यू साउथ वेल्स पुलिस आयुक्त एम. लेनयॉन ने बताया कि इस हमले में दो पुलिस अधिकारियों समेत 29 लोग घायल हुए हैं। घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया है। राज्य प्रमुख क्रिस मिन्स ने कहा, इस हमले का निशाना सिडनी का यहूदी समुदाय था। हमले के दौरान लोगों ने इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन के रेस्त्रां में छिपकर बचाई जान। यहूदी त्योहार हनुक्का की शुरुआत का जश्न मनाने के लिए सैकड़ों लोग बॉन्डी बीच पर 'चानुका बाय द सी' नामक कार्यक्रम के लिए एकत्र हुए थे।

युवक ने हिम्मत दिखा छीन ली हमलावर की बंदूक: ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के मुताबिक एक व्यक्ति बंदूकधारियों में से एक को पकड़कर उससे हथियार छीन लेता है और फिर वही हथियार उस पर तान देता है। मेलबर्न निवासी 32 वर्षीय लाचलान मोरान ने बताया कि वह पास ही में अपने परिवार का इंतजार कर रहे थे, तभी उन्हें गोलियों की आवाज सुनाई दी। उन्होंने कहा, सब लोग अपना सारा सामान छोड़कर भागने लगे, लोग रो रहे थे, और यह सब बहुत भयानक था। पुलिस ने कहा कि उसका अभियान जारी है और आसपास के इलाके में मिली कई संदिग्ध वस्तुओं की जांच विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा की जा रही है, जिसमें एक संदिग्ध की कार में बरामद किया गया आईईडी भी शामिल है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि उनकी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं। उन्होंने कहा, बॉन्डी बीच के दृश्य चौंकाने वाले और दुखद हैं।

सिडनी के बोंडी बीच पर गोलीबारी की में घायल हुए व्यक्ति को स्ट्रेचर पर ले जाते आपातकालीन कर्मी।

मोदी ने आतंकी हमले की निंदा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और दुख की इस घड़ी में वहां के लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत की जनता की ओर से, मैं उन परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। दुख की इस घड़ी में हम ऑस्ट्रेलिया की जनता के साथ एकजुटता से खड़े हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाता है तथा इसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करता है।

पंकज ने संभाली यूपी की कमान

निर्विरोध चुने गए 17वें प्रदेश अध्यक्ष, संगठन पर्व में हुआ औपचारिक एलान

- बूथ से शिखर तक एकजुटता का प्रदर्शन, सरकार-संगठन में तालमेल का संदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने रविवार को निवर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी से भाजपा का झंडा थामते हुए 17वें प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभाल ली। इसके पहले केंद्रीय चुनाव अधिकारी एवं केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने निर्विरोध चुने जाने का औपचारिक एलान किया। चुनाव में सरकार और संगठन में तालमेल का जबरदस्त संदेश दिया गया। सड़कों पर पार्टी के झंडे लहराते हजारों कार्यकर्ताओं के हुजूम से जगह-जगह जाम के हालात दिखे। कार्यक्रम के पश्चात पार्टी मुख्यालय पहुंचकर पंकज चौधरी ने रजिस्टर में अपना हस्ताक्षर कर औपचारिकता पूरी की।

डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में संगठन पर्व समारोह में नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा के बाद का दृश्य बेहद आत्मीय, गौरवपूर्ण और कार्यकर्ताओं के नारेबाजी से उत्साह के चरम पर था। पंकज चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चरण स्पर्श किए और निवर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी से कार्यभार ग्रहण किया। शंख और डमरू की ध्वनि के बीच पूरा सभागार कार्यकर्ताओं के उत्साह से गूंज उठा। वर्ष1980 में भाजपा के गठन के बाद पंकज चौधरी पार्टी के 17वें प्रदेश अध्यक्ष बने हैं। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यवेक्षक विनोद तावड़े, प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह समेत संगठन व सरकार के शीर्ष नेता मौजूद रहे। नेतृत्व परिवर्तन को वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी और संगठन को नए सिरे से धार देने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

डा.राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के सभागार में नव निर्वाचित भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक व केशव मौर्य।।

संगठन और सरकार एक-दूसरे के पूरक : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा में संगठन और सरकार एक-दूसरे के पूरक हैं और दोनों मिलकर उत्तर प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले यूपी की पहचान दंगों, अराजकता और अव्यवस्था से जुड़ी थी, लेकिन आज प्रदेश विकास, विरासत और सुदृढ़ कानून व्यवस्था के लिए जाना जाता है। बेहतर कानून व्यवस्था के कारण निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी इंफ्रास्ट्रक्चर राज्य बन रहा है। राम मंदिर निर्माण और उसके पूर्ण होने की घोषणा को उन्होंने सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान से मतदाता सूची साफ-सुथरी बनेगी और लोकतंत्र मजबूत होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय रहने का आह्वान किया।

मोदी-योगी समेत 120 राष्ट्रीय परिषद सदस्य घोषित

गोयल ने संगठन पर्व के दौरान भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के 120 सदस्यों की भी घोषणा की। राष्ट्रीय परिषद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन की सर्वोच्च इकाई है। परिषद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (वाराणसी), मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर), रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह (लखनऊ), उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य (प्रयागराज), उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक (उन्नाव), भूपेंद्र सिंह चौधरी (संभल), स्मृति ईरानी (सुल्तानपुर), डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय (वाराणसी), सूर्य प्रताप शाही (सलेमपुर), स्वतंत्र देव सिंह (बांदा) और डॉ. रमापति राम त्रिपाठी (गोरखपुर) सहित कई प्रमुख चेहरे शामिल हैं।

नितिन नबीन भाजपा के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

- जेपी नड्डा की जगह लेंगे, इस पद पर आसीन होने वाले सबसे युवा नेता
- बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं नबीन, पांच बार विधायक रह चुके

भाजपा ने रविवार को बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया। पार्टी के संसदीय बोर्ड ने नबीन को इस पद के लिए चुना है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा, भाजपा के संसदीय बोर्ड ने बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को तत्काल प्रभाव से भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है।

कायस्थ समुदाय से संबंध रखने वाले नबीन (45) के मौजूदा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के उत्तराधिकारी बनेंगे। पार्टी नेताओं के अनुसार, वह इस पद पर आसीन होने वाले सबसे युवा नेताओं में से एक हैं। नबीन पांच बार के विधायक हैं। वर्तमान में वह बिहार में पथ निर्माण मंत्री और पटना के बांकीपुर से विधायक हैं। वह पहले भी कई बार मंत्री रहे हैं। नड्डा को जनवरी 2020 में भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और वह अपना पूरा कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। नड्डा को 2024 के लोकसभा चुनावों तक पार्टी का नेतृत्व करने के लिए कार्यकाल विस्तार दिया गया था। वह एक युवा और कर्मठ नेता हैं जिनके पास समृद्ध संगठनात्मक अनुभव है और बिहार में कई बार विधायक एवं मंत्री के रूप में उनका प्रभावशाली रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगन से काम किया है।

भाजपा नेता रविशंकर के साथ नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन।

उनकी ऊर्जा और समर्पण से पार्टी को मिलेगी मजबूती : मोदी

मोदी ने एक्स पर कहा, वह अपने विनम्र स्वभाव और व्यावहारिक कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। मुझे विश्वास है कि उनकी ऊर्जा और समर्पण आने वाले समय में हमारी पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर उन्हें हार्दिक बधाई।

राजधानी में एक्यूआई 460 पार से हाहाकार, डीडीए को फटकार

- गंभीर स्थिति बरकरार रहने के लिए सीएक्यूएम ने जिम्मेदारों की खिंचाई की

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी वायु प्रदूषण की रोकथाम को सख्त पाबंदियां लागू होने के बावजूद रविवार सुबह आठ बजे यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगभग 460 दर्ज किया गया। यह वायु प्रदूषण की बेहद खतरनाक स्थिति का संकेत देता है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार को हवा को और प्रदूषित होने से रोकने के लिए ग्रैप (श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना)-4 लागू कर दी थी।

आयोग ने शनिवार को पहले ग्रैप-3 लागू किया था, लेकिन कुछ ही घंटों बाद वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर दिल्ली शहर और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ग्रैप-4 लगा दिया। वाहनों और धूल प्रदूषण (जिसका ज्यादातर हिस्सा निर्माण कार्य के कारण होता है) को दिल्ली में हवा की गुणवत्ता की बिगड़ती स्थिति के लिए मुख्य कारण माना जा रहा है। 450 से ऊपर का एक्यूआई गंभीर श्रेणी में आता है, जो आम लोगों और खासकर बच्चों, बुजुर्गों और सांस या दिल की बीमारियों वाले लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। सीएक्यूएम ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की उसके अधिकार क्षेत्र में आने वाली सड़कों के रखरखाव में खामियों और निरंतर लापरवाही को लेकर खिंचाई की है। निरीक्षणों में राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में धूल का उच्चस्तर, कचरा जमाव और कचरा जलाने की घटनाएं सामने आई हैं। जांच के निष्कर्ष के अनुसार, 15 मार्गों पर धूल का स्तर अधिक था, जबकि 38 खंडों पर मध्यम स्तर की धूल पाई गई, वहीं 61 खंडों पर धूल की तीव्रता कम थी और 22 खंडों पर धूल बिल्कुल भी नहीं पाई गई।

दिल्ली में सड़क पर छाई धुंध।

दिल्ली-एनसीआर में बाहरी खेलों के आयोजन पर रोक

नई दिल्ली। सीएक्यूएम ने दिल्ली और एनसीआर राज्य सरकारों को सभी बाहरी शारीरिक खेल गतिविधियों को तत्काल निलंबित करने का निर्देश दिया है, साथ ही चेतावनी दी है कि खराब वायु गुणवत्ता के बीच ऐसे आयोजनों का निरंतर संचालन बच्चों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। आयोग ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा कि वह इस बात से चिंतित है कि 19 नवंबर के शीर्ष कोर्ट के आदेश के अनुरूप जारी किए गए निर्देशों के बावजूद कुछ स्कूल और संस्थान अब भी बाहरी खेल गतिविधियों का आयोजन कर रहे हैं। खराब वायु गुणवत्ता के दौरान बाहरी शारीरिक गतिविधियों को जारी रखना उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों और आयोग के निर्देशों की भावना और उद्देश्य के विपरीत है।

राष्ट्रपति ने दो साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के दोषी की दया याचिका की खारिज

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र में 2012 में दो साल की बच्ची के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के दोषी व्यक्ति की दया याचिका खारिज कर दी है। राष्ट्रपति पद पर आसीन होने के बाद मुर्मू द्वारा खारिज की गई यह तीसरी दया याचिका है।

- महाराष्ट्र में 2012 में आरोपी ने की थी घिनौनी वारदात 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाई थी मौत की सजा

सुप्रीम कोर्ट ने तीन अक्टूबर, 2019 को रवि अशोक घुमारे को दी गई मौत की सजा को बरकरार रखते हुए कहा कि उसका अपनी 'कामुक इच्छाओं' पर कोई नियंत्रण नहीं था और उसने अपनी यौन भूख को शांत करने के लिए सभी प्राकृतिक, सामाजिक और कानूनी सीमाओं को तार-तार कर दिया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत (जो अब प्रधान न्यायाधीश हैं) की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने दो अनुपात एक के बहुमत से कहा कि उस व्यक्ति ने एक ऐसे जीवन को निर्दयतापूर्वक समाप्त कर दिया जो अभी खिलना बाकी था और दो वर्षीय बच्ची से अप्राकृतिक अपराध करने का उसका कृत्य एक गंदी और विकृत मानसिकता को दर्शाता है।

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में महिलाओं और एससी एसटी अधिकारियों को तरजीह देने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा-प्रमुख पदों पर नामित करें ताकि पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया जा सके

केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि वे महिला अधिकारियों तथा अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के अधिकारियों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर प्रमुख पदों पर नामित करें, ताकि उन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया जा सके।

सभी राज्य सरकारों के मुख्य सचिवों को भेजे गए एक पत्र में कार्मिक मंत्रालय ने केवल उन्हीं अधिकारियों के नाम भेजने को कहा है, जिन्हें कम से कम दो वर्षों तक, पदोन्नति के आधार पर वापस मूल विभाग में बुलाए जाने की संभावना न हो। केंद्रीय कर्मचारी योजना (सीएसएस) के तहत पदों पर तथा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) और अन्य सरकारी संगठनों में मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) के पदों पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर अधिकारियों की नियुक्ति की जानी है। सीवीओ सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार पर नजर रखने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग की एक विस्तारित इकाई के रूप में कार्य करते हैं। दस दिसंबर को जारी इस पत्र में कहा गया है, महिला तथा एससी और एसटी अधिकारियों के पर्याप्त नाम पेश किए जाएं, ताकि उन्हें उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। पत्र में यह भी कहा गया है कि आवेदक की सतर्कता स्थिति को प्रभावित करने वाली किसी भी जांच/शिकायत/कार्रवाई का विवरण भी भेजा जाए।

विशेष | सभी डीएम को जनगणना पूर्व तैयारियां करके रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश, डिजिटल रूप में संपन्न कराई जाएगी जनगणना, स्वगणना का भी विकल्प

जनगणना से पहले अगले साल शुरू होगी मकानों की गणना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : केंद्र सरकार ने करीब 16 साल बाद 2027 में जनगणना कराना प्रस्तावित किया है। दो चरण में होने वाली जनगणना के पहले चरण में मकानों की गणना कराई जाएगी। मकानों की गणना अगले साल मई-जून माह में शुरू होगी। इसमें एक-एक मोहल्ला, गांव और शहरों के कच्चे-पक्के मकानों की गणना होगी।

जनगणना के दोनों महत्वपूर्ण कार्य शुरू होने से पहले पूर्व परीक्षण के अंतर्गत विभिन्न कार्य कराए जा रहे हैं, जिन्हें 31 दिसंबर तक पूरा करने के निदेशक एवं मुख्य प्रधान जनगणना संगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने निर्देश जारी किए हैं।

बरेली मंडल सहित सभी जनपदों के डीएम को निर्देश दिए गए हैं कि जनगणना-2027 की पूर्व तैयारियां कर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। सभी डीएम को बताया है कि जनगणना वर्ष 2026 एवं 2027 में दो चरणों में होगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (मई-जून 2026) होगी। द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना (फरवरी 2027) में शुरू कराई जाएगी। जनगणना पूरी तरह डिजिटल रूप में सम्पन्न होगी। जिसमें स्व-गणना का भी प्रावधान होगा।

31 दिसंबर के बाद क्षेत्राधिकार परिवर्तन नहीं करा सकेंगे: जनगणना 2027 को शुरू कराने से पहले समस्त प्रशासनिक इकाइयों, जनपद, तहसील, राजस्व ग्राम, नगर निगम, नगर पालिकाओं की सीमाओं को 31 दिसंबर की स्थिति में अंतिम रूप दिया जाना है। 1 जनवरी, 2026 से 31 मार्च, 2027 तक इन सीमाओं में कोई भी परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा। सभी डीएम को निर्देश हैं कि जनगणना-2011 के बाद जिला अंतर्गत तहसील, ब्लाक, ग्राम, नगर एवं वार्ड स्तर पर समस्त क्षेत्राधिकार परिवर्तन को अंतिम रूप देते हुए सभी जानकारी संकलित एवं सत्यापित कर निर्धारित प्रपत्रों में प्रस्तुत करें।

जिला मुख्यालय पर बनेगी जनगणना सेल

जनगणना कार्य समय पर पूरा कराने के लिए जनगणना कार्य निदेशालय से समन्वय और विभिन्न प्रकरणों के त्वरित निस्तारण को सुनिश्चित करने के लिए एडीएम फाइनेंस के अधीन जिला मुख्यालय में जनगणना सेल गठित होगी। इसमें दो ऐसे तकनीकी दक्ष कर्मी तैनात किए जाएंगे, जो जनगणना कार्य करने के लिए कंप्यूटर, मोबाइल के उपयोग में निपुण हों। एसडीएम के अधीन भी जनगणना सेल गठित होगी।

मानचित्रों का पुन: होगा सत्यापन होगा

नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में बिना दोहराव के जनगणना कार्य कराने के लिए ग्राम एवं नगर रजिस्टर त्रुटि-रहित बनाए जाने हैं। ग्राम रजिस्टर में सभी आबाद, गैर आबाद ग्राम एवं नगर रजिस्टर में नगर, उनके वार्ड संबंधित मोहल्लों व कॉलोनियों को शामिल करना है। जिलों से जो रिपोर्ट लखनऊ के जनगणना निदेशालय भेजी गई थी, उसके आधार पर ग्राम व नगर रजिस्टर एवं तहसील मानचित्र सत्यापन के लिए पुन: भेजे गए हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार, 15 दिसंबर 2025

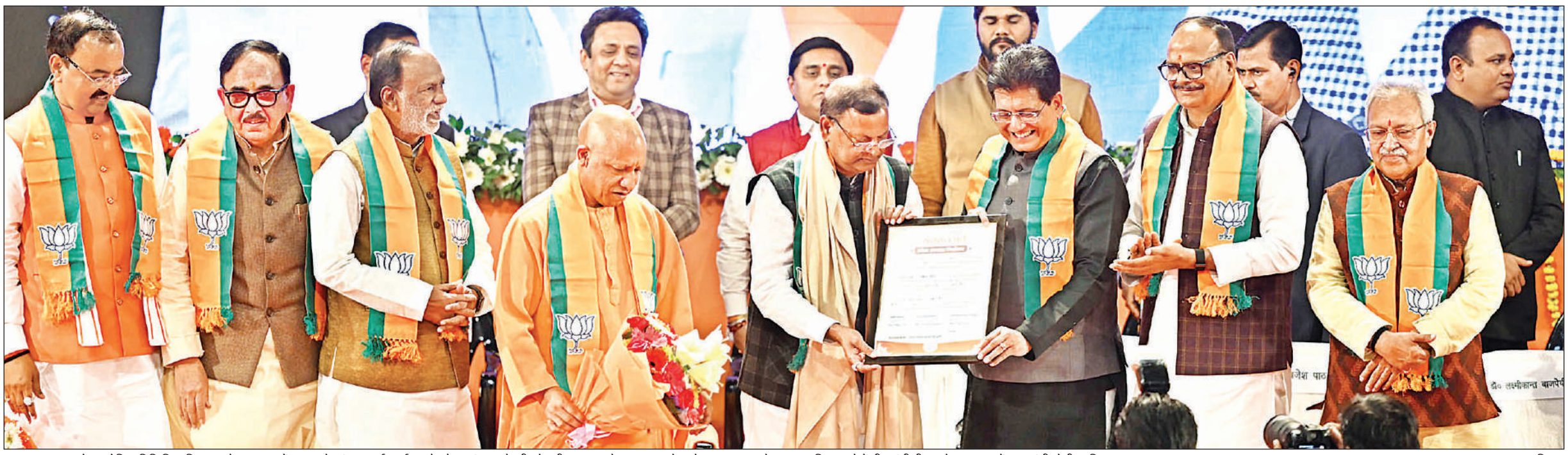

लखनऊ : राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के सभागार में भाजपा के संगठन पर्व कार्यक्रम के दौरान पंकज चौधरी को यूपी का नया प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, साथ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य। अमृत विचार

कार्यकर्ता ही भाजपा की असली ताकत : योगी

प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन समारोह में मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश, कहा- एक महीने सिर्फ बूथ पर काम करें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भाषण कार्यकर्ताओं में जोश, आत्मविश्वास और विजय का भरोसा भरने वाला रहा। योगी ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसका समर्पित कार्यकर्ता है और वही पार्टी की हर जीत की नींव होता है। उन्होंने कहा कि जब कार्यकर्ता जागरूक, संगठित और सक्रिय होता है, तब कोई ताकत भाजपा को रोक नहीं सकती। उन्होंने एसआईआई के मद्देनजर आगाह किया कि कार्यकर्ताओं को गोरखपुर, महाराजगंज या दिल्ली जाने की जरूरत नहीं है, अगले एक महीने तक सिर्फ बूथ पर काम करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार की उपलब्धियों के पीछे संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की दिन-रात की मेहनत है। 2017 के बाद उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदली है। पहले प्रदेश अराजकता और दंगों से पहचाना जाता था, आज यूपी विकास, विरासत और मजबूत कानून व्यवस्था का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून व्यवस्था के कारण निवेशकों का भरोसा बढ़ा और उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी इंफ्रास्ट्रक्चर राज्य बना। योगी ने कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करते हुए कहा कि अगली लड़ाई बूथ पर लड़ी जाएगी। आपको गोरखपुर, महाराजगंज या दिल्ली जाने की जरूरत नहीं है, अगले एक महीने तक सिर्फ बूथ पर काम करना है । उन्होंने जोर देकर कहा कि साफ-सुथरी मतदाता सूची भाजपा की सबसे बड़ी ताकत बनेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत करने वाला अभियान बताते हुए कहा कि हर पात्र मतदाता का नाम सूची में जुड़ना चाहिए और कोई फर्जी नाम न रहने पाए।

मुख्यमंत्री ने राम मंदिर निर्माण, हाईवे, मेट्रो, बिजली आपूर्ति और औद्योगिक निवेश का उल्लेख करते हुए कहा कि ये उपलब्धियां तभी संभव हुईं जब सरकार और संगठन ने मिलकर काम किया। उन्होंने भरोसा जताया कि नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त होगा। अंत में योगी ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि जब कार्यकर्ता पूरे मन से मैदान में उतरता है, तब भाजपा की तीन चौथाई लड़ाई वहीं जीत ली जाती है।

मुख्यमंत्री योगी के पैर छूकर आशीर्वाद लेते नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी।

भाजपा के सांगठनिक चुनावों की प्रक्रिया अन्य दलों के लिए अकल्पनीय : पीयूष गोयल

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने निर्वाचन का ऐलान करते हुए कहा कि इतनी बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा जिस व्यवस्थित, पारदर्शी और लोकतांत्रिक तरीके से अपने चुनाव कराती है, वह अन्य दलों के लिए अकल्पनीय है। 1.62 लाख बूथों पर सदस्यता और सर्वसम्मति से नेतृत्व चयन इसका प्रमाण है। गोयल ने पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में संगठन और अधिक मजबूत होगा और आगामी चुनावों में भाजपा नई सफलता हासिल करेगी।

सेवा ही मेरा संकल्प : पंकज चौधरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **बोले- आदेश नहीं, संवाद करूंगा, रूल नहीं, रोल निभाऊंगा**
- **नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के भाषण पर जमकर गूंजे नारे**

अमृत विचार: भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अपने पहले ही संबोधन से साफ कर दिया कि उनके नेतृत्व की धुरी संगठन का कार्यकर्ता होगा। भव्य निर्वाचन समारोह में जैसे ही उन्होंने माइक संभाला, पूरा सभागार तालियों और नारों से गूंज उठा। आत्मविश्वास से भरे स्वर में पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा की असली ताकत उसका कार्यकर्ता है। आज इस पद पर पहुंचना मेरे लिए सत्ता का नहीं, सेवा का अवसर है। मुझे रूल नहीं करना है, बल्कि रोल अदा करना है। कहा कि कार्यकर्ता ही मेरी ताकत और सेवा ही मेरा संकल्प है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनकी पहली प्राथमिकता कार्यकर्ताओं की बात सुनना और उनकी समस्याओं का समाधान करना होगा। नेतृत्व आदेश देने से नहीं, संवाद और समाधान से मजबूत होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि संगठन में हर आवाज सुनी जाएगी। भाजपा की कार्यसंस्कृति का जिक्र करते हुए पंकज चौधरी ने कहा कि यह पार्टी किसी परिवार या जाति की नहीं, बल्कि परिश्रम और त्याग करने वाले कार्यकर्ताओं की है। यहां बूथ पर झंडा उठाने वाला कार्यकर्ता भी शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी और सबसे अनुशासित राजनीतिक पार्टी है।

पंकज ने अपने राजनीतिक सफर को याद करते हुए कहा कि 1991 में भाजपा ने उन्हें महाराजगंज से पहली बार चुनाव लड़ने का अवसर दिया। तब से लेकर अब तक सात बार सांसद बनने तक का सफर कार्यकर्ताओं के भरोसे और मेहनत का परिणाम है। मैंने न कभी महाराजगंज छोड़ा, न भाजपा को पंकज चौधरी ने। उन्होंने स्वीकार किया कि प्रदेश अध्यक्ष पद उनके जीवन की अब तक की सबसे बड़ी और गंभीर जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वे इस जिम्मेदारी को विनम्रता, परिश्रम और संगठन के सामूहिक प्रयास से निभाएंगे।

प्रदेश अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करते पंकज चौधरी, साथ में पार्टी नेता।

नए प्रदेश अध्यक्ष के सामने ये चुनौतियां

- लंबे समय से लंबित मनोनयनों और उपेक्षा से नाराज कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना।
- 2024 में खिसके पिछड़े वोट, खासकर कुर्मी समाज को फिर से भाजपा के पाले में लाना।
- बूथ स्तर पर संगठन को धार देकर पंचायत और विधानसभा चुनाव की ठोस रणनीति बनाना।
- प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और संगठन के बीच समन्वय बनाकर शिकायतों का समाधान करना।

भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय परिषद सदस्य

1. नरेंद्र मोदी – वाराणसी
2. राजनाथ सिंह – लखनऊ
3. योगी आदित्यनाथ – गोरखपुर
4. केशव प्रसाद मौर्य – प्रयागराज
5. ब्रजेश पाठक – उन्नाव
6. चौधरी भूपेंद्र सिंह – मुरादाबाद
7. स्मृति ईरानी – सुल्तानपुर
8. महेंद्र नाथ पांडेय – वाराणसी
9. सूर्य प्रताप शाही – देवरिया
10. स्वतंत्र देव सिंह – बांदा
11. रमापति राम त्रिपाठी – गोरखपुर
12. सुरेश कुमार खन्ना – शाहजहांपुर
13. दारा सिंह चौहान – आजमगढ़
14. निरंजन ज्योति – फतेहपुर
15. विनोद सोनकर – कौशांबी
16. रामशंकर कठेरिया – इटावा
17. महेंद्र सिंह – प्रतापगढ़
18. हरीश द्विवेदी – बस्ती
19. कौशल किशोर – लखनऊ
20. प्रियंका रावत – बाराबंकी
21. रमापति शास्त्री – गोंडा
22. ब्रजबहादुर – अलीगढ़
23. राघव लखनपाल – सहारनपुर
24. मृगांका सिंह – शामली
25. सुभाष चंद्र शर्मा – मुजफ्फरनगर
26. महेंद्र धनौरीया – बिजनौर
27. यशवंत सिंह – बिजनौर
28. राकेश सिंह – मुरादाबाद
29. सुभाष भटनागर – रामपुर
30. परमेश्वर लाल सैनी – संभल
31. ऋषि पाल नागर – अमरोहा
32. अरुण वशिष्ठ – मेरठ
33. सुदेश चौहान – बागपत
34. लज्जा रानी गर्ग – हापुड़
35. हरीश चंद्र भाटी – गौतमबुद्धनगर
36. सतीश बाल्मीकि – बुलंदशहर
37. आशुतोष वार्ष्णेय – अलीगढ़
38. डीपी गोयल – मथुरा
39. प्रभु दयाल कठेरिया – आगरा
40. अशोक राणा – आगरा
41. आनंद चंद्र अग्रवाल – फिरोजाबाद
42. प्रेम सिंह शाक्य – मैनपुरी
43. त्रिवेंद्र पाल सिंह – एटा
44. हरप्रसाद पटेल – बदायूं
45. धर्मेंद्र कश्यप – बरेली
46. केएम अरोड़ा – बरेली
47. सुरेश गंगवार – पीलीभीत
48. अंजुला सिंह महौर – हाथरस
49. मिथिलेश कठेरिया – शाहजहांपुर
50. रजनी सरीन – फर्रुखाबाद
51. कमलेश कठेरिया – इटावा
52. सुब्रत पाठक – कन्नौज
53. प्रेमलता कटियार – कानपुर
54. नीरज चतुर्वेदी – कानपुर
55. सत्यप्रकाश शंखवार – जालौन
56. संतोष सोनी – झांसी
57. सरस्वती शरण द्विवेदी – हमीरपुर
58. रणवेंद्र प्रताप सिंह – फतेहपुर
59. संतोष गुप्ता – बांदा
60. अजय मिश्रा – लखीमपुर खीरी
61. जुगल किशोर – लखीमपुर खीरी
62. राकेश त्रिपाठी – सीतापुर
63. पूर्णिमा वर्मा – हरदोई
64. राजकिशोर रावत – सीतापुर
65. राम देव पाल – रायबरेली
66. अनिल तिवारी – अयोध्या
67. रामप्रकाश यादव – अंबेडकरनगर
68. मुकुट बिहारी वर्मा – बहराइच
69. अक्षयवर लाल गौंड – बहराइच
70. राकेश प्रताप सिंह – श्रावस्ती
71. इकबाल बहादुर तिवारी – गोंडा
72. दया शंकर यादव – अमेठी
73. एमपी सिंह – सुल्तानपुर
74. पुष्पा देवी – कौशांबी
75. कविता पटेल – प्रयागराज
76. सुरेंद्र प्रताप सिंह – जौनपुर
77. विद्यापति सोनकर – जौनपुर
78. शारदा चौहान – गाजीपुर
79. शिवनाथ यादव – चंदौली
80. गोरखनाथ पांडेय – भदोही
81. दिलीप पटेल – मिर्जापुर
82. राम शुक्ल – सोनभद्र
83. अष्टभुजा शुक्ल – बस्ती
84. दुर्गा राय – संतकबीरनगर
85. जनार्दन गुप्ता – महाराजगंज
86. संत राज यादव – कुशीनगर
87. रविंद्र कुशवाहा – देवरिया
88. काली प्रसाद – गोरखपुर
89. शेषनाथ आचार्य – आजमगढ़
90. अनिरुद्ध मिश्रा – देवरिया
91. हरिनारायण राजभर – मऊ
92. जय प्रताप सिंह – सिद्धार्थनगर
93. नागेंद्र पांडेय – बलिया
94. कमलेश सैनी – बिजनौर
95. संजीव बालियान – मुजफ्फरनगर
96. कांता कदम – मेरठ
97. विमला बाथम – नोएडा
98. ओमप्रकाश गोयल – अमरोहा
99. प्रदीप चौधरी – सहारनपुर
100. राजवीर सिंह – एटा
101. सूर्यप्रकाश पाल – आंवला
102. प्रमोद गुप्ता – आगरा
103. रामनरेश अग्निहोत्री – मैनपुरी
104. रविकांत गर्ग – मथुरा
105. सत्यदेव पचौरी – कानपुर
106. गीता शाक्य – औरैया
107. रश्मि राज – लखीमपुर
108. राजरानी रावत – बाराबंकी
109. पद्मसेन चौधरी – बहराइच
110. लल्लू सिंह – अयोध्या
111. श्रीकृष्ण शास्त्री – हरदोई
112. सुरेश तिवारी – लखनऊ
113. पीके वर्मा – हरदोई
114. संगम लाल गुप्ता – प्रतापगढ़
115. दर्शना सिंह – गाजीपुर
116. कौशलेंद्र पटेल – वाराणसी
117. सीमा द्विवेदी – जौनपुर
118. नीलम सोनकर – लालगंज
119. विनोद पांडेय – गोरखपुर
120. परदेशी रविदास – महाराजगंज

चुनाव में विरोधियों को धूल चटाने का साझा संदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **नेताओं ने साधा संगठन का सुर बूथ से चुनाव तक एकजुटता पर जोर**
- **पंचायत और विधानसभा चुनाव की तैयारी को बताया पार्टी का प्राथमिक एजेंडा**

अमृत विचार: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के अलावा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी मंच से संगठन को दिशा देने वाला संदेश दिया। सभी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि भाजपा की असली ताकत उसका कार्यकर्ता है और आने वाले पंचायत चुनाव व 2027 के विधानसभा चुनाव की नींव बूथ स्तर पर ही पड़ेगी। आह्वान किया कि चुनावों में विरोधियों को हर मोर्चे पर धूल चटानी होगी।

केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक विनोद तावड़े ने कहा कि भाजपा का संगठन पर्व विश्व में अपनी तरह का अनूठा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी पार्टी में सर्वसम्मति से नेतृत्व का चयन कार्यकर्ताओं की परिपक्वता और अनुशासन को दर्शाता है। उन्होंने संगठनात्मक एकता बनाए रखने का संदेश दिया।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पंकज चौधरी का प्रदेश अध्यक्ष बनना संगठनात्मक अनुभव और सामाजिक संतुलन दोनों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता हर परिस्थिति में पार्टी की रीढ़ बनकर खड़ा रहता है। मौर्य ने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव और 2027 का विधानसभा चुनाव संगठन के लिए बड़ी परीक्षा हैं, लेकिन अनुशासित और समर्पित कार्यकर्ता हर चुनौती को अवसर में बदलने की क्षमता रखता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भाजपा केवल सत्ता की राजनीति करने वाली पार्टी नहीं है, बल्कि सेवा और समर्पण की विचारधारा पर चलती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में हुए बड़े बदलाव सरकार और संगठन के बेहतर तालमेल का परिणाम हैं। नए प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और कार्यकर्ताओं को संवाद व सम्मान का वातावरण प्राप्त होगा।

निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने अपने संबोधन में संगठन के सामूहिक प्रयासों को याद किया और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में पार्टी ने जो चुनावी सफलताएं हासिल की हैं, उनका श्रेय बूथ स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं को जाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि नए अध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने संगठन पर्व को भाजपा की लोकतांत्रिक कार्यसंस्कृति का उत्सव बताया। उन्होंने कहा कि बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठन को मजबूत करना पार्टी की प्राथमिकता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की नई टीम पर फोकस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **संगठन महामंत्री के पद पर बदलाव के आसार नहीं**
- **आठ उपाध्यक्ष और तीन महामंत्री बनाकर गढ़ी जाएगी नई टीम**

अमृत विचार: भाजपा उत्तर प्रदेश के नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के चुनाव के बाद अब संगठन की निगाहें प्रदेश कार्यकारिणी की नई टीम पर टिक गई हैं। पार्टी के संविधान के तहत होने वाले इस गठन को लेकर संगठन के भीतर मंथन तेज हो गया है। प्रदेश महामंत्री (संगठन) के पद पर फिलहाल किसी बदलाव के आसार नहीं हैं, जबकि उपाध्यक्ष, महामंत्री और मंत्री पर नए चेहरों को मौका मिलने की प्रबल संभावना है।

पार्टी संविधान की धारा–17 के अंतर्गत श्रेणी–3 में आने वाले प्रदेशों के लिए स्पष्ट प्रावधान है कि प्रदेश कार्यकारिणी में अधिकतम 105 सदस्य हो सकते हैं। इसी श्रेणी के तहत उत्तर प्रदेश में अधिकतम 8 प्रदेश उपाध्यक्ष और 3 प्रदेश महामंत्री बनाए जा सकते हैं। ऐसे में नई टीम का ढांचा लगभग तय माना जा रहा है और अब सवाल सिर्फ नामों को लेकर है। संविधान के अनुसार श्रेणी–3 की कार्यकारिणी में कम से कम 35 महिलाएं और 9 अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के सदस्य होना अनिवार्य है। यही कारण है कि नई टीम के चयन में केवल राजनीतिक अनुभव नहीं, बल्कि सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन को भी विशेष महत्व दिया जाएगा। पश्चिम यूपी, पूर्वांचल, बुंदेलखंड और अवध- चारों क्षेत्रों से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की तैयारी है।

सूत्रों के मुताबिक, संगठन महामंत्री का पद यथावत रखा जाएगा। इसे संगठन की रीढ़ माना जाता है और पंचायत चुनाव तथा 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इस पद पर स्थिरता बनाए रखने के संकेत हैं। केंद्रीय नेतृत्व भी इस पद पर निरंतरता के पक्ष में बताया जा रहा है। संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह पूरे प्रदेश में अपने संगठन कौशल और मेहनत से बूथ से लेकर शीर्ष तक सबसे प्रभावी चेहरे हैं।

नए चेहरों को आगे लाने की तैयारी

8 प्रदेश उपाध्यक्ष और 3 प्रदेश महामंत्री के पदों पर नए चेहरों को आगे लाने की तैयारी है। इसमें युवा, सक्रिय और जमीनी स्तर पर संगठन का अनुभव रखने वाले नेताओं को प्राथमिकता मिलने की चर्चा है। कुछ मौजूदा पदाधिकारियों को बाहर कर या नई जिम्मेदारी देकर संगठन में संतुलन साधा जा सकता है। सरकार के निगम, आयोग, परिषद आदि में भी कईयों को भेजकर पदोन्नति मिलेगी।

नाराजगी दूर करने और 2027 की बिसात

नई टीम के गठन को सिर्फ संगठनात्मक कवायद नहीं, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव की बिसात के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से संगठन में समायोजन का इंतजार कर रहे नेताओं की नाराजगी दूर करने की कोशिश भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा होगी। माना जा रहा है कि कुछ नेताओं को संगठन में और कुछ को बोर्ड-निगम या सरकारी दायित्वों के जरिए संतुष्ट किया जा सकता है।

शंखनाद, नारों और झंडों के बीच उत्सव में तब्दील हुआ संगठन पर्व

लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय परिसर में प्रदेशभर से पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़। अमृत विचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **'नया कप्तान' देखने को उमड़े प्रदेशभर के कार्यकर्ता, संगठन के संदेश ने बढ़ाया उत्साह**

अमृत विचार: डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय का परिसर रविवार की दोपहर किसी राजनीतिक कार्यक्रम का नहीं, बल्कि उत्सव का गवाह बन गया। मुख्य सभागार के भीतर निर्वाचन की औपचारिकता चल रही थी, लेकिन असली तस्वीर बाहर थी। जहां झंडे, ढोल-नगाड़े, शंखनाद और नारों के बीच भाजपा का संगठन पर्व जश्न में बदल चुका था। हर किसी को 'नया कप्तान' देखने की ललक थी। साथ ही, सरकार और सगंठन के संदेश उत्साह बढ़ा रहे थे।

सुबह से ही विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में भाजपा की प्रांतीय टीम कार्यक्रम को लेकर तैयारी तो अंतिम रूप देने में जुटी थी। जबकि प्रदेश भर से कार्यकर्ताओं की टोलियां जुटने लगी थीं। कोई पूर्वांचल से आया था तो कोई पश्चिम यूपी से।

लेकिन जैसे ही केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की कि 17वें प्रदेश अध्यक्ष के रूप में पंकज चौधरी निर्वाचित हैं, कार्यक्रम स्थल जयश्रीराम, वंदे मातरम, भारत माता की जय और भाजपा जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। अंदर से बाहर परिसर और सड़कों पर शंखनाद, नारों और झंडों लहराकर जश्न शुरू हो गया। लखनऊ मंडल की टीमों ने पटाखे भी फोड़े और जमकर थिरके भी। कई कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। कार्यक्रम में भाजपा के सांसद-विधायक-मंत्री से लेकर संगठनात्मक 98 जिलों से जिलाध्यक्ष और हाल ही में चुने गए 1600 से अधिक मंडल अध्यक्ष भी आए थे। कार्यक्रम स्थल के बाहर का दृश्य किसी चुनावी रैली से कम नहीं था। दिलचस्प यह रहा कि कार्यक्रम स्थल के बाहर किसी तरह की अफरातफरी या असंतोष नजर नहीं आया। सुरक्षा व्यवस्था सख्त थी, लेकिन माहौल सहज।

न्यूज ब्रीफ

पेड़ से लटका मिला हाइड्रा मशीन चालक का शव

अमृत विचार, काकोरी : पारा के आगरा एक्सप्रेस-वे जीरो प्वाइंट के मोहान रोड मौंदा मोड़ स्थित नहर के पास रविवार सुबह जोगेंद्र यादव (19) का शव राकेश रावत के प्लाट में आम के पेड़ से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस के मुताबिक मृतक हाइड्रा का चालक था। इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह के मुताबिक मैनपुरी के किशनी स्थित लेहगांव निवासी जोगेंद्र यादव लखनऊ में हाइड्रा चलाने सीखने आया था। वह लखनऊ में अपने फुफेरे भाई अमित यादव के पास रहता था। अमित यादव की यादव क्रेन सर्विस के नाम से एजेंसी है। जहां जोगेंद्र हाइड्रा मशीन चलाना सीख रहा था। अभी खुदकुशी के कारण का पता नहीं चला है। परिजन को सूचना दी गई है। देर रात तक लखनऊ पहुंचने की उम्मीद है। उनके आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

घर से भागा नाबालिग अहमदाबाद में मिला

अमृत विचार, लखनऊ : इंदिरानगर के पटेलनगर में पढ़ाई को लेकर मां ने डांटा तो 11 वर्षीय बेटा नाराज होकर घर से भाग गया। वापस न लौटने पर परिजन ने गाजीपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। सीसीटीवी कैमरे में वह साइकिल से जाता दिखा। तीन दिन बाद पुलिस के नेशनल पोर्टल ऑफ इंडिया से मिली जानकारी पर अहमदाबाद पुलिस ने किशोर को बरामद कर लिया। लेकिन साइकिल नहीं मिली। इंस्पेक्टर राजेश कुमार मौर्या ने बताया कि आशंका है कि किशोर साइकिल कहीं खड़ी करके ट्रेन से निकल गया। उसके लौटने पर पता चलेगा कि वह कैसे वहां पहुंचा? इंस्पेक्टर ने बताया कि किशोर 10 दिसंबर को स्कूल से लौटा था। उसकी मां ने पढ़ाई को लेकर डांट दिया था। इसके बाद उसने साइकिल उठाई और घर से निकल पड़ा। बच्चे की तलाश में पुलिस की तीन टीमें लगाई गई। लापता बच्चे की फोटो और उससे संबंधित जानकारी पुलिस के नेशनल पोर्टल ऑफ इंडिया पर दर्ज की गई। दो टीमें सीसी कैमरों की पड़ताल में लगाई गई। छात्र हुसड़िया चौराहे तक दिखा। इसके बाद कुछ पता नहीं चला। इस बीच पोर्टल से मिली जानकारी के आधार पर अहमदाबाद पुलिस ने से वहां बच्चे को बरामद कर लिया। बच्चे के बरामदगी की जानकारी अहमदाबाद पुलिस ने उसके पिता और थाने को दी। इसके बाद परिवार संग पुलिस की एक टीम शनिवार को रवाना हो गई। पुलिस टीम सोमवार सुबह बच्चे को लेकर आ जाएगी।

मेट्रो स्टेशन पर यात्री के पास मिला तमंचा

अमृत विचार, आलमबाग : सिंगार नगर मेट्रो स्टेशन पर शुक्रवार शाम लगेज स्केनिंग के दौरान एक यात्री के ट्राली बैग में तमंचा मिला। सूचना मेट्रो स्टेशन कंट्रोलर ने पुलिस को दी। मानकनगर पुलिस ने यात्री को गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसओ अजीत सिंह ने बताया कि शनिवार शाम करीब 4:30 बजे सिंगार नगर मेट्रो स्टेशन पर एक यात्री ट्राली बैग लेकर पहुंचा। टिकट लेने के बाद आगे बढ़ा। एक्सबीआईएस स्कैनर पर उसने बैग रखा तो स्कैनिंग में तमंचे जैसे कुछ दिखा। कंट्रोलर संदीप कुमार ने पकड़कर बैग की तलाशी ली तो तमंचा मिला। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक सत्यम कुमार द्विवेदी मौके पर पहुंचे। 315 बोर को तमंचे को कब्जे में लिया। उसके बाद आरोपी को लेकर थाने पहुंचे। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम नितिन जोहरी पुत्र कैलाश जोहरी निवासी जानकीनगर बहराइच रोड जनपद गोंडा बताया। पुलिस ने परिजन को सूचना देने के बाद उपनिरीक्षक की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसओ ने बताया कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है। आरोपी तमंचा कहां से लाया और किस मकसद से लिए था? इसकी जांच की जा रही है।

भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन के बाद लोहिया विधि विवि परिसर में भांगड़ा ढोल बजाते लोग। अमृत विचार

भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन के बाद आतिशबाजी जलाते महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और अन्य।

पंकज के चौधरी बनने पर बजाए ढोल, बांटी मिठाई

महानगर अध्यक्ष की अगुवाई में पदाधिकारियों ने छुड़ाई आतिशबाजी और ढोल पर जमकर नाचे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: केंद्रीय मंत्री एवं सांसद पंकज चौधरी के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों पर जमकर जश्न मनाया। इस दौरान आतिशबाजी भी छुड़ाई गई। महानगर इकाई के पदाधिकारियों ने भी वरिष्ठ नेताओं के साथ जमकर नारेबाजी की। नारेबाजी के साथ पुष्प वर्षा भी की गई।

लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता ने नारेबाजी शुरू कर दी। पटाखे फोड़े गए। आतिशबाजी का क्रम काफी देर तक चलता रहा। उत्साहित कार्यकर्ताओं की नारेबाजी के बीच महानगर अध्यक्ष ने ढोल गले में लटका लिया और बजाने लगे। थाप का सिलसिला आगे बढ़ता रहा तो भाजपा नेता नीरज सिंह ने भी ढोल बजाना शुरू कर दिया। ढोल के साथ मजीरे बजा राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय परिसर में जश्न मनाया गया। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि इसके बाद कार्यकर्ता प्रदेश मुख्यालय पहुंचे और महानगर अध्यक्ष के नेतृत्व में आतिशबाजी छुड़ाई गई। आनंद द्विवेदी और नीरज सिंह ने नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष से भेंट कर पुष्प गुच्छ और अंगवस्त्र पहनाया। दोनों नेताओं ने कहा कि सात बार से सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री पार्टी के अत्यंत अनुभवी नेता पंकज चौधरी के नेतृत्व में भाजपा उत्तर प्रदेश में संगठन को और अधिक सशक्त बनाएगी तथा पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और अभियानों को नई गति प्रदान करेगी।

प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने की घोषणा के बाद पंकज चौधरी को मिठाई खिलाते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह व अन्य।

महानिदेशक ने सीएचसी पीएचसी का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- साफ-सफाई और दवाओं की उपलब्धता पर दिए कड़े निर्देश

अमृत विचार : महानिदेशक परिवार कल्याण डॉ. पवन कुमार अरुण ने रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सरोजनीनगर और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) चंद्रावल का निरीक्षण किया। उन्होंने पोलियो बूथ, न्यूबॉर्न स्टेबलाइजिंग यूनिट (एनबीएसयू), आईपीडी, लेबर रूम सहित विभिन्न इकाइयों की सुविधाओं की जानकारी ली।

सीएचसी में साफ-सफाई पर जोर देते चिकित्सा उपकरणों को क्रियाशील रखने, आवश्यक सूचनाएं चस्पा करने सहित एनबीएसयू में भर्ती की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रसव के अलावा अन्य रोगियों व बच्चों की भर्ती बढ़ाने पर भी बल दिया। इसके बाद पीएचसी चंद्रावल में मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में जाकर स्वास्थ्यकर्मियों से संवाद कर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य योजनाओं से संबंधित प्रचार सामग्री, फ्लेक्स आदि लगाने, एआरवी एवं एंटी-स्नेक वेनम की 24 घंटे पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, इसेंशियल ड्रग लिस्ट को अद्यतन रखने तथा जन औषधि केंद्र के सुचारु संचालन के निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह भी उपस्थित रहे। सीएमओ ने बताया कि सभी पीएचसी पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन हुआ। जिसमें कुल 4,747 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया, जिनमें 1,812 पुरुष, 2,176 महिलाएं और 759 बच्चे शामिल हैं।

घर में घुसकर किशोरी से दुष्कर्म, हत्या की कोशिश

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार : बीकेटी के कठवारा निवासी युवक ने शनिवार रात घर में घुसकर गला दबाकर किशोरी से दुष्कर्म किया। आहट होने पर परिजन ने पकड़कर उसे पीटकर गांव से कुछ घर के पास फेंक दिया। गंभीर रूप से घायल आरोपी को पुलिस ने ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। उसकी हालत नाजुक बताई गई है। किशोरी की चाची की तहरीर पर दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपी के भाई ने किशोरी के परिजन पर घात लगाकर हमला करने का आरोप लगाया है।

- परिजन ने पकड़कर आरोपी को पीटा, गंभीर हालत में ट्रामा में भर्ती

पुलिस के मुताबिक शनिवार रात 1:30 बजे से 2 बजे के बीच अजय सिंह घर में घुसा। बरामदे में सो रही किशोरी से छेड़छाड़ की। उसने विरोध किया तो पीटा और गला दबाकर दुष्कर्म किया। शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी। आहट और किशोरी की चीख सुनकर परिजन की नींद खुली। उन्होंने अजय को पकड़ कर लात घूसों, लाठी-डंडों से पीटा। खून से लथपथ अजय को गलियारे में फेंककर भाग गए। सूचना पर बीकेटी पुलिस और आरोपी के परिजन पहुंच गए। किशोरी के परिजन पर हमले का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। इंस्पेक्टर बीकेटी संजय कुमार सिंह ने उन्हें डपटकर शांत कराया। इसके बाद घायल अजय सिंह को सौ शय्या संयुक्त चिकित्सालय भेजा, जहां से ट्रामा रेफर कर दिया गया। ट्रामा में भर्ती अजय की हालत गंभीर बताई जा रही है।

चाची की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज

किशोरी की चाची ने अजय के खिलाफ बीकेटी थाने में तहरीर दी। इसमें बताया कि किशोरी के माता-पिता बाहर रहते हैं। वह उनके पास रहती है। देर रात अजय ने घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया। एसीपी बीकेटी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि अजय के खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो और एससीएसटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। आरोपी का पुलिस अभिरक्षा में इलाज चल रहा है। किशोरी की चाची ने कहा कि उन पर और परिजन पर लगे हमले के आरोप निराधार हैं। वह भागते समय छत पर चढ़कर कूदा था और बीच गलियारे में खड़े ई-रिक्शे पर गिर गया। इससे घायल हुआ है।

रंजिश के चलते भाई पर घात लगाकर किया हमला

आरोपी के भाई जितेंद्र ने बीकेटी थाने में तहरीर देकर किशोरी के घरवालों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि भाई देर रात बर्थडे पार्टी में गया था। वहां से लौट रहा था। इस बीच गलियारे में घात लगाए बैठे किशोरी के परिजन ने उसे पुरानी रंजिश के चलते घेर लिया और लाठी-डंडों से जमकर पीटा। अधमरा कर फेंककर चले गए। एसीपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है।

पता पूछने के बहाने कार लूटने वाला बदमाश गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : जानकीपुरम स्थित सीडीआरआई गेट नंबर-1 के पास पता पूछने के बहाने युवक पर हमला पर मोबाइल व कार लूटने वाले बदमाश को जानकीपुरम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात में शामिल किशोर को भी पकड़ा गया है। पुलिस ने लूटी गयी कार बरामद कर ली है। 25 नवंबर को जानकीपुरम विस्तार सेक्टर-6 निवासी अधिवक्ता संजीव कुमार निगम ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी। बताया था कि भतीजा हरिरत्न निगम 24 नवंबर को स्विफ्ट कार से जा रहा था। देर शाम करीब सवा आठ बजे सीडीआरआई गेट नंबर-1 के पास हरिरत्न ने लघुशंका के लिए कार रोकी। इसी दौरान पता पूछने के बहाने बदमाशों ने रोका और मारपीट कर कार और मोबाइल लूटकर भाग निकले थे।

15 वर्ष बाद नई फर्मों को मिली दवा आपूर्ति की जिम्मेदारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार,: बलरामपुर अस्पताल में करीब 15 वर्षों बाद नई फर्मों को दवा आपूर्ति की जिम्मेदारी मिली है। नई व्यवस्था के तहत अब दवाएं पहले की तुलना में काफी कम दाम पर उपलब्ध कराई जाएंगी। शहर के बलरामपुर, सिविल और लोकबंधु जैसे प्रमुख सरकारी अस्पतालों में एलपी (लोकल परचेज) के तहत दवाओं की खरीद की जाती है। इसके लिए हर वर्ष या दो वर्ष में जेम पोर्टल पर ई-टेंडर प्रक्रिया अपनाई जाती है। 10 से 15 वर्षों से एक या दो ही फर्में लगातार इन अस्पतालों में टेंडर हासिल कर दवा आपूर्ति कर रही थीं। इन टेंडरों के तहत करोड़ों रुपये की ब्रांडेड और जेनेरिक दवाएं खरीदी जाती हैं, जिन्हें मरीजों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। इस बार नई फर्मों के टेंडर हासिल करने से दवा खरीद की दरों में कमी आई है। बलरामपुर अस्पताल के सीएमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी के अनुसार, पहले ब्रांडेड दवाओं पर 10.5 प्रतिशत और जेनेरिक दवाओं पर 41 प्रतिशत की छूट मिल रही थी, जबकि नई फर्मों के माध्यम से अब ब्रांडेड दवाओं पर 19 प्रतिशत और जेनेरिक दवाओं पर 47 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। अस्पताल प्रशासन का मानना है कि इस बदलाव से केवल सरकारी खर्च में कमी आएगी व मरीजों को सुलभ इलाज सुनिश्चित हो सकेगा।

वारदात बूढ़ी मां ने आरोपी के हाथ से छीना तमंचा, शोर होने पर भागे

संपत्ति विवाद में शिक्षक के सिर पर गड़ासे से हमला

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के हीरालाल नगर में पारिवारिक संपत्ति विवाद को लेकर एक बुजुर्ग महिला ने रिश्तेदारों पर घर में घुसकर तमंचा, गड़ासा और सूजे से हमला करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि आरोपियों ने बेटे के सिर पर गड़ासे व सूजे से वारकर घायल कर दिया। आरोपियों ने तमंचा निकाला, जो परिवार ने छीन लिया। शोर होने पर आरोपी धमकाते हुए भाग निकले। सरोजनीनगर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

74 वर्षीय दीश्व देवी ने बताया कि रविवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे उन्नाव सदर कोतवाली स्थित लोकइया खेड़ा निवासी देवर स्व. रामकुमार का बेटा विनोद कुमार, उसकी पत्नी सीता, बेटी प्रांशू और भाई विनय कुमार उर्फ पिंटू उनके घर पहुंचे। नाश्ता-पानी करने के बाद सरेनी (रायबरेली) स्थित मकान को अपने नाम कराने का दबाव बनाते हुए विवाद शुरू कर दिया। पीड़िता का कहना है कि उस समय सोहरामऊ स्थित सरकारी स्कूल में अध्यापक बड़ा बेटा आलोक कुमार सरकारी कार्यक्रम में ड्यूटी पर था।

आरोप है कि विनोद ने छोटे बेटे गोसाईगंज स्थित सरकारी स्कूल में इंचार्ज अध्यापक आशुतोष कुमार से आलोक को घर बुलाने को कहा। करीब 12:15 बजे आलोक घर पहुंचा, जिसके बाद विवाद और बढ़ गया। बात बढ़ने पर आरोपियों मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान विनय कुमार उर्फ पिंटू ने तमंचा निकालकर आलोक की कनपटी पर सटाते हुए धमकाया। घरवालों ने किसी तरह तमंचा छीन लिया। यह देख सीता ने गड़ासे से आशुतोष के सिर पर वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया, जबकि प्रांशू ने सूजे से आलोक के सिर पर हमला किया। चींखपुकार सुनकर मोहल्ले के लोग पहुंचे तो आरोपी पल्सर बाइक से फरार हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तमंचा, एक जिंदा कारतूस और धारदार हथियार बरामद कर लिया है। इंस्पेक्टर राजदेव राम प्रजापति ने बताया कि पीड़ित वृद्धा ने तहरीर दी है।

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

दीया फंड

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

दावा न की गई संपत्ति के संबंध में आयोजित विशेष शिविरों में जाएं, जिसे देशभर के सभी ज़िलों में अक्तूबर से दिसंबर 2025 के बीच लगाए जाएँगे।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल (https://udgam.rbi.org.in) पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

क्यूआर कोड स्कैन कीजिए

अधिक जानकारी के लिए https://rbikehtahai.rbi.org.in देखिए
प्रतिक्रिया के लिए rbikehtahai@rbi.org.in पर लिखिए
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

न्यूज ब्रीफ

चार दिन रात 11 बजे तक खुली रहेंगी शराब दुकानें

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार के आबकारी विभाग ने उप्र. में नववर्ष से पहले शराब प्रेमियों को राहत देने वाली सूचना जारी की है। सूचना के मुताबिक, 2025 के अंतिम सप्ताह में चार दिन शराब की दुकानें रात दस बजे के बजाय रात 11 बजे बंद होंगी। यह तारीखें 24 और 25 दिसंबर के बाद 30 और 31 दिसंबर होंगी। दरअसल, क्रिसमस को देखते हुए 24 और 25 दिसंबर को दुकानों के बंद होने का समय बढ़ाया गया है। इसी तरह नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 30 और 31 दिसंबर को भी मदिरा की दुकानें रात 11 बजे तक खुलेंगी। माना जा रहा है कि यह फैसला उन दिनों देर रात शराब की मांग होने के मद्देनजर लिया गया है।

दुधवा के लिए विशेष टूर पैकेज

अमृत विचार, लखनऊ : दुधवा नेशनल पार्क की हरियाली, दुर्लभ वन्यजीवों और रोमांचक जंगल सफारी का अनुभव अब पर्यटकों को किफायती दरों पर मिलेगा। उप्र. राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने सैलानियों, परिवारों, विद्यार्थियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक रात और दो दिन के पांच विशेष टूर पैकेज शुरू किए हैं। राजधानी स्थित होटल गोमती से 15 दिसंबर 2025 से ये पैकेज शुरू होंगे। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। पर्यटन मंत्री ने रविवार को जारी बयान में बताया कि विस्तृत जानकारी यूपीएसटीडीसी की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

उत्तराखंड में बर्फबारी से कंपकपाएगा यूपी

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तराखंड में बर्फबारी के चलते उप्र. का भी तापमान और नीचे आएगा, ऐसे में दिन में भी कंपकपी महसूस होगी। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि 21 और 22 दिसंबर को पहाड़ों से बादल हटते ही तापमान तेजी से गिरेगा। वहीं राजधानी लखनऊ में रविवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य स्तर पर रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 10.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से करीब 1 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को भी सुबह और शाम हल्का कोहरा छाए रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान लगभग 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान करीब 11 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

स्मार्ट मीटर के नाम पर खुली लूट : संजय सिंह

अमृत विचार, लखनऊ : आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि प्रदेश की जनता से स्मार्ट मीटर के नाम पर खुली लूट की जा रही है। सरकार का यह आदेश न केवल जनविरोधी है, बल्कि इलेक्ट्रिसिटी एक्ट का खुला उल्लंघन भी है, जिसमें उपभोक्ता की सहमति के बिना किसी घर में स्मार्ट मीटर लगाए जाने पर रोक है। लेकिन आप स्मार्ट मीटर के नाम पर सरकार के इस तुगलकी फरमान का पुरजोर विरोध करती है और सड़क से संसद और जरूरत पड़ी तो न्यायालय तक इस लड़ाई को लड़ेगी। राज्यसभा सांसद रविवार को लखनऊ स्थित पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस संबोधित कर रहे थे।

युवक को पीटा, घर में घुसकर की फायरिंग

अमृत विचार, काकोरी : पारा में दबंगों ने एक युवक को पीटा। उसके बाद घर में घुसकर फायरिंग कर धमकाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बादल खेड़ा निवासी आदित्य मौर्य ने बताया कि शनिवार रात करीब 10:45 बजे जब वह घर लौटा तो पड़ोसी मुकेश अपने कुछ साथियों के साथ घर के बाहर खड़ा मिला। मुकेश ने देखते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने पीटा। फिर घर में घुसकर जान से मारने की धमकी देते हुए फायरिंग कर दी। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। फायरिंग की आरोप गलत है।

विकास सिंह ने बुना था सारा तानाबाना, तलाश तेज

फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी मामले में 55 घंटे की पूछताछ के बाद देर शाम आलोक व अमित को भेजा गया जेल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आरोपियों ने कई राज उगले, कई सवालों पर साधी चुप्पी

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी गिरोह के प्रमुख आरोपी बर्खास्त एसटीएफ सिपाही आलोक प्रताप सिंह और अमित सिंह टाटा ने 55 घंटे की पूछताछ में कई राज उगले। दोनों ने बताया कि कफ सिरप तस्करी का गिरोह बनाने में शुभम के करीबी विकास सिंह नरवे की मुख्य भूमिका रही। उसी ने सारा तानाबाना बुना। सभी को एक-दूसरे से मिलाया। इसके बाद खुद भूमिगत हो गया है। दोनों आरोपियों से एसटीएफ के अधिकारियों ने 55 घंटे की पूछताछ के बाद शाम साढ़े पांच बजे गोसाईंगंज जेल में दाखिल कर दिया। आरोपियों ने तस्करी में खुद शामिल होने की बात कुबूल की है। खुद ही माल मंगवाते थे। उसकी आपूर्ति बांग्लादेश, त्रिपुरा समेत अन्य मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में करते थे। एसटीएफ अब विकास सिंह नरवे की तलाश में दबिश देने के लिए टीम गठित कर रही है।

फेंसेडिल कफ सिरप का प्रयोग नशे के लिए किया जा रहा था। इसकी तस्करी धड़ल्ले से हो रही थी। पूरब से लेकर पश्चिम के बड़े नाम इस काले कारोबार में शामिल थे। इस मामले में गिरफ्तार एसटीएफ का बर्खास्त सिपाही आलोक प्रताप सिंह और अमित सिंह टाटा से गिरोह, काम करने के तरीके, कहां माल की आपूर्ति करते थे, इसकी जानकारी के लिए एसटीएफ ने 55 घंटे की रिमांड पर लिया था। शुक्रवार सुबह 10.30 बजे से अपनी कस्टडी में लेकर एसटीएफ के अधिकारी पूछताछ कर रहे थे। जौनपुर, बनारस समेत अन्य छोटे गांव के लड़कों के नाम पर फर्म बनवा रखी थी, जिसके नाम पर माल मंगवाते थे। जांच में सामने आया कि जिस दुकान के नाम पर सीरप मंगाई गई थी, उस दुकान में उतनी खपत ही नहीं है।

विकास सिंह नरवे

एसटीएफ की पूछताछ में दोनों ने बताया, उनका काम था कि माल को फर्जी फर्म पर मंगवाकर भंडारण करना, फिर उसे लेकर कोलकाता पहुंचाना। इसके आगे की चेन अलग है। वहां से अन्य लोग उसे लेकर बांग्लादेश समेत अन्य देशों में सप्लाई करते थे।

घर के सीसीटीवी कैमरों में रिकार्डिंग डिलीट

- जमीन खरीदने से लेकर कोठी बनवाने तक की रकम का आकलन करने में जुटी ईडी

अमृत विचार, लखनऊ : फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी गिरोह के सदस्य व बर्खास्त एसटीएफ सिपाही आलोक प्रताप सिंह के घर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने 36 घंटे तक रही। इस दौरान कई अहम दस्तावेज बरामद किये। वहीं, जांच में सामने आया कि आलोक के घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की कई दिनों तक की रिकार्डिंग डिलीट की गई है। डिलीट किये गये रिकार्डिंग की रिकवरी के लिए ईडी फोरेंसिक टीम की मदद ले रही है। ताकि यह साफ हो सके कि किन कारणों से इसे डिलीट किया गया है। ईडी इस बात की भी जानकारी हासिल करने में जुटी है कि आलोक के घर में कितनी दवाएं रखी गई थीं। इसे कहां से मंगाया गया और कहां भेजा गया है।

फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी गिरोह के टॉप थ्री में मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल, एसटीएफ का बर्खास्त सिपाही आलोक प्रताप सिंह और अमित सिंह टाटा है। तीनों करीबी दोस्त बताये जा रहे हैं। इन तीनों के अलावा गिरोह के अन्य सदस्यों के आवास पर ईडी की टीम ने शुक्रवार से लेकर शनिवार की देर शाम तक छापेमारी की। इस दौरान 454 फर्मों की जानकारी मिली। इनमें से ज्यादातर फर्म फर्जी दस्तावेज पर खोले गये थे। इससे करीब दो हजार करोड़ रुपये का कारोबार किया गया। ईडी की टीम को सुशांत गोल्फ सिटी के अहिमामऊ स्थित आलोक प्रताप सिंह के आवास से कई अहम दस्तावेज हाथ लगे हैं। इसमें आलोक की फर्म के नाम से फेंसेडिल कफ सिरप की डिमांड व बिक्री के भी रिकार्ड शामिल है। वहीं, इसकी भी जानकारी मिली कि आलोक के घर में भी इसे रखा जाता था। कितने समय में करोड़ों रुपये की कमाई की गई। आलोक के फर्म में जिनको कर्मचारी बताया गया है। उनके बारे में कोई जानकारी दस्तावेज में नहीं है। जो नाम दर्ज हैं, उनकी कुंडली खंगाली जा रही है।

खुलेंगे 35 गो संरक्षण केंद्र, 56 करोड़ जारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में छुट्टा गोवंशों को संरक्षण देने के लिए प्रदेश में 35 नए गो संरक्षण केंद्र खुलेंगे। लखनऊ समेत 12 मंडलों के विभिन्न तहसीलों में 35 संरक्षण केंद्र स्थापित होंगे, इसके लिए राज्य सरकार ने प्रति केंद्र एक करोड़ 60 लाख 12 हजार रुपये के आधार पर कुल 56 करोड़ चार लाख 20 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

पशु पालन विभाग के विशेष सचिव देवेन्द्र कुमार पांडेय ने बजट जारी करते हुए बताया कि गो संरक्षण केंद्र स्थापना योजना अंतर्गत 2025-26 वित्तीय वर्ष में 35 नये गो संरक्षण केंद्र स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने बताया कि स्वीकृत केंद्रों में लखनऊ मंडल में 11, बरेली मंडल में पांच, अयोध्या, झांसी व गोरखपुर मंडल में चार-चार, मेरठ व आगरा में दो- दो, देवीपाटन मंडल में तीन गो संरक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

अवंतीबाई महिला चिकित्सालय परिसर में बच्चे को पोलियो ड्रॉप पिलाते विधानसभा सदस्य मुकेश शर्मा, सीएमओ व अन्य।

7.03 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी 'दो बूंद जिंदगी की'

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा ने तीन माह की बच्ची को दवा पिलाकर की सघन पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत

अमृत विचार : जनपद में सघन पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत रविवार को वीरांगना अवंतीबाई जिला महिला चिकित्सालय में की गई। तीन माह की बच्ची को पोलियो रोधी दवा पिलाकर विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा ने शुरुआत की। उन्होंने कहा कि पोलियो उन्मूलन देश की बड़ी उपलब्धि है, जिसे निरंतर जनसहभागिता से बनाए रखना आवश्यक है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि 22 दिसंबर तक चलने वाले अभियान में शून्य से पांच वर्ष आयु वर्ग के 7.03 लाख बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य है। पहले दिन रविवार को जनपद में 2783 बूथों पर दवा पिलाई गई। 15 से 19 दिसंबर तक 2204 टीमें घर-घर जाकर दवा पिलाएंगी। इसके बाद छूट बच्चों को 22 दिसंबर को मॉप-अप राउंड में कवर किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि ईंट भट्टों, निर्माण स्थलों और घुमंतू परिवारों के बच्चों को भी अभियान में शामिल किया जाएगा। इस अवसर पर महाप्रबंधक, नियमित टीकाकरण डॉ. मनोज शुक्ला, अपर निदेशक, लखनऊ मंडल डॉ. जीपी गुप्ता, अवंतीबाई महिला चिकित्सालय की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ज्योति मल्होत्रा, डॉ. अमिताभ श्रीवास्तव, जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सतीश यादव, चिकित्सक डॉ. सरिता, सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि, नर्सिंग छात्र-छात्राएं तथा लाभार्थी उपस्थित रहे।

घर में घुसकर परिवार पर हमला, कई घायल

अमृत विचार, निगोहां: थाना क्षेत्र के नटौली गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने घर में घुसकर परिवार पर लाठी-डंडों व रॉड से हमला कर दिया। हमले में महिला समेत कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। रामनयन ने बताया कि शनिवार की शाम वह अपने घर पर खाना खा रहा था। उसी दौरान पड़ोस में रहने वाले उमेश, उसका बेटा कल्लू, आशु और सुशील डंडे, रॉड व कुल्हाड़ी लेकर घर में घुस गए। विरोध पर कल्लू ने रॉड से सिर पर वार कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों को भी जमकर पीटा। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

हाईकोर्ट ने फतेहगंज में बन रहे कुनेश्वर बाबा द्वार का कार्य रोका

विधि संवाददाता, लखनऊ

- कहा, फिजूल खर्चों से परहेज करें, तो निधि का कर सकते हैं बेहतर उपयोग

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने गल्ला मंडी, फतेहगंज में नगर निगम द्वारा बनवाए जा रहे, कुनेश्वर बाबा द्वार का काम रोकने का आदेश दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने उक्त द्वार के निर्माण को लिए गए निर्णय को भी निरस्त कर दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा व न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की खंडपीठ ने फतेहगंज गल्ला मंडी के निवासियों ओम शंकर मिश्रा व अन्य की याचिका पर दिया। याचियों की ओर से दलील दी गई थी कि गल्ला मंडी रोड जिस स्थान से शुरू होती है, वहीं उक्त द्वार बनाया जा रहा है। जिसकी वजह से सड़क पहले से भी अधिक संकरी हो जाएगी व ट्रैफिक समस्या जो पहले से बनी हुई है, वह और भी जटिल हो जाएगी। नगर निगम ने भी इस तथ्य को स्वीकार किया है। यह भी जानकारी दी गई कि स्थानीय पार्षद के प्रस्ताव पर कमेटी ने उक्त द्वार के 7.70 लाख रुपये में निर्माण की छह अगस्त को मंजूरी दी थी।

इस पर कोर्ट ने अपने आदेश में टिप्पणी की है कि हम पाते हैं कि यदि पार्षद इस प्रकार के फिजूल खर्चों से परहेज़ करें, तो वार्ड की विकास निधि का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। इसके विपरीत, पार्षद को उपलब्ध निधि का उपयोग अन्य नागरिक सुविधाओं के विकास हेतु करने का प्रयास करना चाहिए। वह नगर निगम से यह भी अनुरोध कर सकता था कि आग लगने जैसी आपात स्थिति की दशा से निपटने के लिए फायर हाइड्रेंट्स स्थापित किए जाएं। चूंकि उक्त द्वार के नींव का काम हो चुका था लिहाजा कोर्ट ने सम्बंधित ठेकेदार को नियमानुसार भुगतान के भी आदेश दिए हैं।

ऑटो से रेकी कर चोरी करने वाले चार शातिर गिरफ्तार

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार: बिजनौर पुलिस ने बंद मकान से चोरी करने वाले चार आरोपियों को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से चार चांदी के सिक्के, 2190 रुपये, चोरी में प्रयुक्त उपकरण और ऑटो बरामद किया है।

इंस्पेक्टर कपिल गौतम ने बताया कि एल्डिको शौर्य कॉलोनी निवासी कमल किशोर त्रिपाठी 17 नवंबर को घर में ताला बंद कर परिवार संग शादी समारोह में शामिल होने बाहर गए थे। 25 नवंबर को वापस लौटे तो चोरी का पता चला था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरु की। रविवार को पुलिस ने अलीनगर खुर्द स्थित अंडरपास के नीचे से चार युवकों को धर दबोचा। आरोपियों ने अपना नाम दुर्गेश धुरु निवासी केसरीखेड़ा कृष्णानगर, दीपांशु सिंह निवासी भोलाखेड़ा, करण राठौर निवासी कृष्णानगर और प्रियांशु कश्यप निवासी सिंधुनगर बताया। आरोपियों ने कबूला कि यह किसान पथ के आसपास बंद मकानों की ऑटो के माध्यम से रेकी कर चोरी करते थे।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम RAJESH KUMAR की जगह RAJESH KUMAR S KANOJIYA रख लिया है आज से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SHIVLAL R/0-POORA BARAUNA NAYAMATPUR, HASANGANJ DIST-UNNAO-229841(U.P)

सूचना

मैने अपना नाम ANEESH RIZVI की जगह ANEESUN NISA RIZVI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-AKHLAQ HUSSAIN RIZVI R/0-292/116 SHAHANSHAH BUILDING, NAKHAS CROSSING TULSIDAS MARG, DIST-LUCKNOW-226004 (U.P.)

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल का अंकपत्र अनुक्रमांक 2282998 तथा इंटर का अंक पत्र अनुक्रमांक 1715796 बीते 12 दिसंबर को घर से आते समय कहीं गिर गया, काफी तलाश के बाद भी नहीं मिला। अगर किसी को मिले तो हमारे पते पर भेजने की कृपा करें। **लल्लन पुत्र किशोरी लाल, निवासी– ग्राम सिरसा, थाना –नवाबगंज, गोंडा, मोबाइल नं.–8169680353**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति रणजीत प्रसाद द्विवेदी पुत्र स्व0 बाबूलाल निवासी पियरियामाफी छीबों राजापुर चित्रकूटकी मृत्यु दिनांक 22/08/2025 को हो गयी है मेरे पति पेशे से अधिवक्ता थे जिनका प्रमाण पत्र खो गया है जिसका सी0ओ0पी0 नम्बर 095673/2018 है तथा अधिवक्ता पंजीयन क्रम संख्या उ0प्र0 4041/1983 है। **तुलसा देवी पत्नी स्व0 रणजीत प्रसाद द्विवेदी**

दत्तक ग्रहण विलेख पर सवाल उठाने की शक्ति प्रशासनिक अधिकारी में नहीं

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने दत्तक पुत्र को अनुकंपा नियुक्ति से वंचित किए जाने के मामले में अहम फैसला सुनाते हुए नगर निगम, लखनऊ के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसमें दत्तक पुत्र के दावे को अस्वीकार कर दिया गया था। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि कोई भी प्रशासनिक अधिकारी पंजीकृत दत्तक ग्रहण विलेख की वैधता पर प्रश्न नहीं उठा सकता।

यह निर्णय न्यायमूर्ति श्री प्रकाश सिंह ने शानू कुमार की ओर से दाखिल सेवा संबंधी याचिका पर सुनाया है। याची ने अपने दत्तक पिता दिवंगत नगर निगम कर्मचारी रमेश की मृत्यु के बाद अनुकंपा नियुक्ति की मांग की थी। नगर निगम ने यह कहते हुए दावा खारिज कर दिया था कि दत्तक ग्रहण के समय याची की आयु 18 वर्ष थी, जो हिंदू दत्तक एवं भरण-पोषण अधिनियम, 1956 के अनुरूप नहीं है। कोर्ट ने कहा कि एक बार दत्तक ग्रहण विलेख पंजीकृत हो जाने के बाद उसकी वैधता पर सुनवाई की शक्ति सिर्फ सक्षम सिविल न्यायालय को है, न की किसी प्रशासनिक प्राधिकारी को। कोर्ट ने नगर निगम के 2 सितंबर 2023 के आदेश को निरस्त करते हुए आदेश दिया है कि याची के अनुकंपा नियुक्ति के दावे पर दो माह के भीतर पुनर्विचार किया जाए।

स्टेज डांसर प्रेमिका को गोली मारने वाला गिरफ्तार

संवाददाता, काकोरी

- घटना में प्रयुक्त पिस्टल, तीन कारतूस, एक खोखा व स्कार्पियो कार बरामद

अमृत विचार: पारा के सदरौना में गुरुवार रात स्टेज डांसर प्रेमिका को गोली मारने वाले आरोपी आकाश कश्यप को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त अवैध पिस्टल, तीन कारतूस, एक खोखा और स्कार्पियो कार बरामद की है। पुलिस ने वारदात के दौरान आरोपी के साथ मौजूद रहे ममेरे भाई शिवम कश्यप को भी गिरफ्तार किया है।

इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह ने बताया कि रविवार को पुलिस ने आरोपी आकाश कश्यप निवासी गौरी सरोजनीनगर और उन्नाव सोहरामऊ निवासी ममेरे भाई निवासी शिवम कश्यप को अयोध्या-गोरखपुर हाईवे से घेराबंदी कर दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी आकाश ने बताया कि करीब डेढ़ साल से उसका स्टेज डांसर से प्रेम प्रसंग चल रहा था। वह उसे स्टेज डांस करने को मना करता था। युवती विरोध करती थी। यही नहीं प्रेमिका ने आकाश का नंबर भी ब्लॉक कर दिया था। इसी तैश में गुरुवार देर रात को नशे में आकाश ने प्रेमिका को उसके फ्लैट में घुसकर पीटा और फिर पिस्टल निकालकर गोली मार दी थी। आरोपी करीब एक साल पहले बिहार से 25 हजार में अवैध पिस्टल खरीद कर लाया था।

प्रकाशनार्थ / निविदा सूचना

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
30वॉ वृत्त (वि0 / यॉ0), लो0नि0वि0,
96 महात्मागॉधी मार्ग, लखनऊ

पत्रांकः–2884 / 36 सी0बी0 30 / 2025 दिनांकः–10.12.2025

निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदाएँ अधोहस्ताक्षरी के ओर से आइटम रेट पर आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 18.12.2025 से 22.12.2025 तक की अपरान्ह 04.00 बजे तक निविदा मूल्य जमा कर निविदा विद्युत अनुरक्षण खण्ड नं0–1 / 2, लो0नि0वि0, लखनऊ के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

मुहरबन्द निविदाएँ दिनांक 22.12.2025 को अपरान्ह 12.00 बजे उक्त कार्यालय में प्राप्त की जायेगीं तथा दिनांक 22.12.2025 को अपरान्ह 03.00 बजे जिलाधिकारी महोदय, लखनऊ के कार्यालय में उपस्थित ठेकेदारो अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगीं। यदि दिनांक 22.12.2025 को अवकाश होता है तो निविदाएँ अगले कार्यदिवस में निर्धारित समय पर खोली जायेगीं। निविदा के साथ 100/– का जनरल स्टैम्प जिस पर रू0 1/– का रेवेन्यू स्टैम्प ठेकेदार द्वारा हस्ताक्षरित किया हुआ लगा हो, जमा करना अनिवार्य होगा। निविदाओं को स्वीकृत तथा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार विभाग के पास सुरक्षित होगा।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य कर सहित	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1–	मुख्य भवन (मण्डप) विधान भवन में वोल्टास मेक सेन्ट्रल ए0सी0 प्लाण्ट के वार्षिक अनुरक्षण का कार्य।	8.99 लाख	0.90 लाख	12 माह	766.00	लोक निर्माण विभाग में विद्युत कार्यों हेतु ए श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार जो वोल्टास कम्पनी द्वारा इस कार्य हेतु अधिकृत हो एवं शासकीय भवनों में इस प्रकृति के कार्य करने का अनुभव प्राप्त हो, ही निविदा के पात्र होगें।
2–	वी0वी0आई0पी0 गेस्ट हाउस (साकेत) में वोल्टास मेक सेन्ट्रल ए0सी0 प्लाण्ट के वार्षिक अनुरक्षण का कार्य।	5.84 लाख	0.59 लाख	12 माह	766.00	लोक निर्माण विभाग में विद्युत कार्यों हेतु ए श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार जो वोल्टास कम्पनी द्वारा इस कार्य हेतु अधिकृत हो एवं शासकीय भवनों में इस प्रकृति के कार्य करने का अनुभव प्राप्त हो, ही निविदा के पात्र होगें।
3–	विधान भवन मुख्य भवन एवं गेट नं0–8 के समीप स्थित फायर हाइड्रेन्ट पम्प रूम तथा एड्रेसेबल फायर एलार्म डिटेक्शन सिस्टम व पब्लिक एड्रेस सिस्टम कन्ट्रोल रूम के कम्प्रेहेन्सिव अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी.) का कार्य। (सामग्री सहित छः माह हेतु)	7.99 लाख	0.80 लाख	06 माह	766.00	लोक निर्माण विभाग में विद्युत कार्यों हेतु ए श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार जिन्हे इसी प्रकार के कार्यो का अनुभव हो, ही निविदा के पात्र होगें।

निविदा की अर्हताएं:–
1. निविदा सम्बन्धी अन्य जानकारी दिनांक 20.12.2025 तक किसी भी कार्य दिवस में विद्युत अनुरक्षण खण्ड नं0–2, लो0नि0वि0, लखनऊ के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्रों के साथ उक्त पात्रताओं का प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य है अन्यथा निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
3. निविदा के साथ राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ0डी0आर0, जो अधिशासी अभियन्ता, विद्युत अनुरक्षण खण्ड नं0–2, लो0नि0वि0, लखनऊ के पक्ष में बंधक हो, लगाना अनिवार्य होगा, अन्यथा निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

UP – 242391 दिनांकः 12/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत अनुरक्षण खण्ड नं0–2
लो0नि0वि0, लखनऊ

अधीक्षण अभियन्ता
30वॉ वृत्त (वि0 / यॉ0)
लो0नि0वि0, लखनऊ

मुलाकात उप्र. पुलिस पॉडकास्ट 'बीऑन्ड द बैच' में वर्ल्डकप विजेता दीप्ति शर्मा ने साझा किए अनुभव

ब्लू जर्सी–खाकी वर्दी दोनों की सम्मान और गरिमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: ब्लू जर्सी-खाकी वर्दी दोनों की अपनी अलग सम्मान और गरिमा है। एक खिलाड़ी के रूप में अनुशासन, समर्पण और नियमों का पालन आवश्यक है। उसी तरह पुलिस अधिकारी के रूप में कर्तव्यनिष्ठा और नियमों का पालन सर्वोपरि है। यह बातें पुलिस सेवा और खेल के बीच संतुलन पर चर्चा करते हुए आईसीसी विमेंस वर्ल्डकप विजेता व डिप्टी एसपी दीप्ति शर्मा ने कहा।

वह उत्तर प्रदेश पुलिस के पॉडकास्ट 'बीऑन्ड द बैच' में

दीप्ति शर्मा

अपना अनुभव साझा कर रही थीं। कार्यक्रम के 17वें एपिसोड की होस्ट कमांडेंट 32वीं वाहिनी पीएसी आईपीएस प्राची सिंह के साथ अपने अनुभव साझा कर रही थीं। उन्होंने विश्वास जताया कि एक खिलाड़ी के रूप में अर्जित अनुशासन और फिटनेस, पुलिस प्रशिक्षण और सेवा में भी सहायक सिद्ध होंगे। इस दौरान

- कहा- आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप की जीत बालिकाओं के लिए अत्यंत प्रेरक

दीप्ति शर्मा ने अपने खेल जीवन, संघर्ष, उपलब्धियों एवं पुलिस सेवा से जुड़ने के अनुभवों को विस्तार से साझा किया। दीप्ति ने आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप में जीत को जीवन का सबसे यादगार और प्रेरणादायक क्षण बताया।

प्रदेश में कुशल खिलाड़ियों के लिए कई योजना : दीप्ति शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार की कुशल खिलाड़ी योजना काफी सराहनीय है। मुख्यमंत्री द्वारा खिलाड़ियों को दिये जा रहे प्रोत्साहन, रोजगार व अन्य सुविधाएं खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती हैं।

मेहनत, अनुशासन और समर्पण ही सफलता की कुंजी : दीप्ति ने कहा कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण ही सफलता की कुंजी है। युवा अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें, कठिन परिश्रम करते रहें ओर कभी हिम्मत न हारें, सफलता अवश्य मिलेगी। दीप्ति ने आगरा में परिवार से लेकर क्रिकेट जगत तक पहुंचने के सफर, ट्रेनिंग का अनुभव, निजी रूटीन, भविष्य की योजनाओं के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई है।

हर नागरिक को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी : पुलकित खरे

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि "सबको हुनर, सबको रोजगार" अंतर्गत प्रत्येक युवा को रोजगारक्षम, प्रत्येक महिला को सशक्त और प्रत्येक नागरिक को आत्मनिर्भर बनाना मिशन का प्रमुख लक्ष्य है। वर्ष 2047 तक उप्र. को विकसित राज्य बनाने के लिए युवाओं को नई पीढ़ी की तकनीकों से जोड़ना अनिवार्य है। मिशन निदेशक रविवार को विकसित उत्तर प्रदेश विजन 2047 के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय विचार मंथन सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। दीर्घकालिक विकास की आधारशिला के रूप में कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और मानव संसाधन सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश को विकसित बनाने के लिए "प्रोजेक्ट प्रवीण" के तहत विद्यार्थियों को पारंपरिक पाठ्यक्रमों के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और ड्रोन टेक्नोलॉजी जैसी उभरती तकनीकों से परिचित कराया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी लापता

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : बदोसरांय थाना क्षेत्र में एक 16 वर्षीया किशोरी लापता हो गई। परिजनों ने बहला फुसलाकर भगाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। तहरीर के अनुसार महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी 16 साल की बेटी शनिवार की भोर 4 बजे से घर से अचानक लापता हो गई। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन किए जाने के बावजूद उसका सुराग नहीं लगा। परिजनों ने यह भी उल्लेख किया है कि घर पर रखे मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से पहले घंटी आई थी, जिसके बाद वह मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। आशंका है कि इसी मोबाइल धारक द्वारा उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले जाया गया है। पुलिस के अनुसार किशोरी की तलाश के प्रयास किए जा रहे हैं।

शैक्षिक भ्रमण को रवाना हुए बच्चे

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को ले जाने वाली बसों को बदोसरांय व सैदनपुर से जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बदोसरांय में जिला पंचायत सदस्य विजय यादव ने जबकि सैदनपुर में भाजपा मंडल महामंत्री अमित रामजी व जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मनोज सोनी ने बस को रवाना किया।

पत्रक वितरित कर बताया संघ का इतिहास

सुबेहा, बाराबंकी, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने पर संघ घर-घर भारत माता के चित्र व संघ का इतिहास बताने वाले पत्रक का वितरण किया जा रहा है। रविवार को ग्राम सभा हरिपालपुर व कमेला में जिला व्यवस्था प्रमुख राज कुमार शर्मा व खण्ड कार्यवाह धर्मेन्द्र मिश्र द्वारा पत्रक वितरित किये गये। इस मौके पर योगेन्द्र मिश्र, आशीष श्रीवास्तव, गया बक्स सिंह पुष्पेन्द्र मिश्र, अजय मिश्र, जंग प्रसाद तिवारी आदि मौजूद रहे।

गांव में सफाई व्यवस्था ध्वस्त होने से आक्रोश

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : विकास खंड बनीकोडर की ढेमा ग्राम पंचायत व उसके मजरे बसायगपुर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। महीनों से नियमित सफाई न होने के कारण गांव की गलियों में कूड़े के ढेर लगे हैं और नालियां बजबजा रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के पुराने सफाईकर्मी का कार्यक्षेत्र बदल दिया गया, जबकि नए सफाईकर्मी की तैनाती नहीं की गई। परिणामस्वरूप पूरा गांव सफाई व्यवस्था से वंचित हो गया और मजबूरन ग्रामीणों को खुद ही नालियों की गंदगी साफ करनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने स्थायी सफाईकर्मी की तैनाती की मांग की है।

मरीजों को दें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

राज्य सरकार की टीम ने की रामनगर सीएचसी व त्रिलोकपुर पीएचसी की जांच

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकी

अमृत विचार : स्वास्थ्य सेवाओं का हाल जानने निकली राज्य सरकार की स्वास्थ्य टीम रविवार को रामनगर सीएचसी व त्रिलोकपुर पीएचसी का निरीक्षण किया। टीम ने मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

टीम ने मरीजों से पूछताछ की तो एंबुलेंस के ईएमटी की लाग बुक भी जांची। इस दौरान टीम के सामने जर्जर आवास व खराब सड़क का मुद्दा भी उठा। अब तक की जांच में टीम ने संतोष जताया है।

सुबह करीब 11 बजे टीम में शामिल डीपीएम उमानाथ एवं डीआईसी उमाशंकर सीएचसी रामनगर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों से उपचार की स्थिति के बारे में जानकारी ली गई। पैथोलॉजी लैब में निरीक्षण करते हुए जांच रजिस्टर देखे गए। एंबुलेंस के ईएमटी से लॉग बुक लेकर उसका भी परीक्षण किया गया। टीम ने पीएचसी त्रिलोकपुर का निरीक्षण कर वहां तैनात डॉ. सुनील से स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली।

सीएचसी में जांच करती राज्य सरकार की टीम। ● अमृत विचार

सीएमओ ने किया निरीक्षण

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : रविवार को अवकाश के बावजूद सीएमओ डॉ. अवधेश यादव ने पीएचसी बदोसरांय, सैदनपुर तथा मेलारायगंज स्थित आयुष्मान मंदिर का निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरुआत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सैदनपुर से हुई, जहां मुख्यमंत्री आरोग्य मेला था। सीएमओ ने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही दवाइयों और उपचार की जानकारी ली।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

बाराबंकी, अमृत विचार : शनिवार रात घर से निकले युवक का शव गांव के बाहर पेड़ से लटका मिला। सतरिख के बरगदिया निवासी जियालाल रावत (35) पुत्र छविनाथ का शव रविवार की सुबह गांव के बाहर पेड़ पर फंदे से लटका मिला। परिजनों के अनुसार जियालाल शनिवार की रात घर से निकला था लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। रविवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के बाहर पेड़ पर रस्सी से जियालाल का शव लटका देखा तो परिजनों को सूचना दी। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अन्तरजनपदीय चोर गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : स्वाट व थाना जहांगीराबाद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अन्तरजनपदीय चोर गिरोह के पांच शातिरों को गिरफ्तार किया गया है। चोरों के कब्जे से तमंचे, कारतूस, सोने-चांदी के जेवरात, पीतल के बर्तन, 29 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई।

गिरफ्तार आरोपियों में मनोज कुमार निवासी अटवा थाना जहांगीराबाद, नीलू निवासी लखनापुर थाना महमूदाबाद सीतापुर, दयाराम व उमेश निवासी अटहरा थाना घुंघेटर तथा रविन्द्र निवासी जाफरपुर थाना महमूदाबाद सीतापुर शामिल हैं। सभी को मुनीमाबाद शराब ठेका के पास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि अभियुक्त एक संगठित अन्तरजनपदीय गिरोह के सदस्य हैं, जो दिन में मोटरसाइकिल से सुनसान व ताला लगे मकानों की रेकी करते थे और रात में चोरी करते थे। गिरोह द्वारा थाना जहांगीराबाद क्षेत्र के फैजुल्लागंज, बल्लापुरवा मजरे अजगना व इल्मासगंज सहित थाना फतेहपुर व मोहम्मदपुर खाला क्षेत्रों में कई चोरी की घटनाएं की गई थीं, जिनके संबंध में पूर्व से अभियोग पंजीकृत हैं। बरामदगी के आधार पर अभियुक्त मनोज कुमार व दयाराम के विरुद्ध थाना जहांगीराबाद में आर्म्स एक्ट के तहत अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए।

भूमि विवाद में मारपीट, 3 घायल

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : थाना जहांगीराबाद क्षेत्र में जमीन पर जबरन कब्जे को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। गांव के ही कुछ लोगों ने लाठी-डंडे व धारदार हथियारों से हमला कर एक ही परिवार के तीन लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

मदारपुर मजरे चचेरुवा के विपिन कुमार के अनुसार बुधवार को विपक्षी उनके घर के पास की जमीन पर जबरन कब्जा कर रहे थे। विरोध पर रामकिशोर, संतोष, सुग्रीव, अमर सिंह सहित उनके परिजन व महिलाएं लाठी, बांका आदि लेकर पहुंचे और जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। हमले में बीच-बचाव करने आए उदय प्रताप, कपिल कुमार, श्याम सिंह समेत कई लोग घायल हो गए। बताया गया कि उदय प्रताप का हाथ टूट गया जबकि श्याम सिंह के सिर में गंभीर चोट आने से वह भी अस्पताल में भर्ती हैं। घटना के बाद ग्रामीणों के एकत्र होने पर आरोपी गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ितों ने डायल 112 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़ित पक्ष ने थाना जहांगीराबाद में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मारपीट की घटनाओं में पांच लोग घायल

बाराबंकी, अमृत विचार : थाना बदोसरांय के अमनियापुर निवासी मनोरमा ने तहरीर देकर बताया कि 13 दिसंबर की शाम उनके पुत्र अमित, हरिओम और पुत्री मानसी बाइक से घर लौट रहे थे। रंजिश को लेकर पहले से घात लगाए बैठे शिवमुरली, दीपक, अंकुर मिश्रा, अनिरुद्ध और गोलू ने उनको लाठी-डंडों व लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा। हमले में दोनों पुत्रों को गंभीर चोटें आईं। दरियाबाद के भुइंदेपुर मजरे सराय शाह आलम निवासी ऋषि कुमार ने पुलिस को बताया कि 12 दिसंबर को सरकारी नाली निर्माण को लेकर लेखपाल व सचिव की मौजूदगी में विवाद हुआ। दबंगों ने लाठी-डंडा व रॉड से हमला कर दिया। जान बचाने के लिए वह एक ग्रामीण के घर में घुस गए, जहां पीछा कर पहुंचे आरोपियों ने वहां मौजूद व्यक्ति को भी पीटा। आरोप है कि सूचना के बावजूद तत्काल कार्रवाई नहीं हुई।

सराफ के पुत्र से जेवर हड़पे

बाराबंकी, अमृत विचार : बंकी में दोस्ती की आड़ में सर्राफा व्यापारी के पुत्र से सोने चांदी के जेवर हड़प लिए गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जबरन सुलह करवा दी। कोई सुनवाई न होने पर कोर्ट की शरण ली गई। तब जाकर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। उत्तर टोला के रहने वाले रवीन्द्र कुमार रस्तोगी ने न्यायालय को बताया कि उनका पुत्र कक्षा 8 का छात्र है। इस दौरान मो. उमर मिर्जा नामक युवक के संपर्क में आया। उमर ने सोने की नथुनी, टीका, कुंडेदार सोने का सिक्का, सोने का लॉकेट कुल लगभग 11.5 ग्राम सोना तथा करीब 1 किलो 250 ग्राम चांदी के जेवर हड़प लिए। जब दुकान में रखे जेवरात कम होने लगे तब इस बात का पता चला।

हादसों में युवक की मौत, 5 घायल

संवाददाता, रामसनेहीघाट, मसौली

रफ्तार की मार

अमृत विचार : अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसकी मां समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों ही मामलों में पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल भिजवाया।

दरियाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत शनिवार को दरियाबाद स्टेशन मार्ग पर मथुरानगर पुलिया के पास आमने-सामने से आ रही बाइक और ई-रिक्शा की भिड़ंत हो गई। हादसे में रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के सुमेरगंज निवासी 20 वर्षीय मोहम्मद राजन अपनी मां नूरजहां के साथ बाइक से दवा लेकर घर लौट रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे सभी घायलों को सीएचसी मथुरानगर पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने मोहम्मद राजन, उनकी मां नूरजहां, ई-रिक्शा चालक बुद्धू और एक अन्य घायल बेबूलाल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मोहम्मद राजन ने दम तोड़ दिया। नूरजहां का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

इस हादसे में बाइक सवार हैदरगढ़ क्षेत्र के कुंभी निवासी मुख्तार अली तथा ई-रिक्शा में सवार सराय दूनेली टिकैतनगर निवासी बुद्धू और रानेपुर निवासी बेबूलाल भी घायल हुए। दूसरी घटना मसौली थाना क्षेत्र की है। बाराबंकी-रामनगर हाईवे पर मसौली चौराहे के पास रविवार सुबह रोडवेज बस ने साइकिल सवार और बाइक चालक को टक्कर मार दी। हादसे में थाना क्षेत्र के ग्राम ज्योरी निवासी 35 वर्षीय मोहम्मद जब्बार पुत्र इरशाद साइकिल से जाते समय गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें सीएचसी बड़ागांव में भर्ती कराया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं बाइक चालक को मामूली चोटें आईं।

भंडारे के साथ श्रीराम कथा का समापन

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : श्री शक्ति धाम महादेव तालाब मंदिर परिसर में आयोजित सात दिवसीय श्रीराम कथा का रविवार को भंडारे के साथ समापन हुआ।

सात दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में कथा व्यास आलोक सरस महाराज ने श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा, सत्य, प्रेम और कर्तव्य पर आधारित प्रसंगों का सरल एवं भावपूर्ण वर्णन किया। आयोजन समिति की ओर से भंडारे की व्यवस्था की गई।

कथा व्यास आलोक सरस ने कहा कि श्रीराम का जीवन आज के समाज के लिए प्रेरणास्रोत है और उनके आदर्शों को अपनाकर जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है।

बैठक में मौजूद रहे पदाधिकारी। ● अमृत विचार

प्रदेशीय सम्मेलन की तैयारी में जुटा शिक्षणेतर संघ

बाराबंकी, अमृत विचार : देश माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ की बैठक रविवार को जिला अध्यक्ष नीरज पांडे की अध्यक्षता में डी.ए.वी. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य 23 दिसंबर को रवींद्रालय, चारबाग लखनऊ में आयोजित होने वाले संघ के प्रदेशीय सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा करना रहा। बैठक में बताया गया कि प्रदेशीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि ब्रजेश पाठक, उपमुख्यमंत्री होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में गुलाब देवी, माध्यमिक शिक्षा मंत्री तथा डॉ. महेंद्र देव, शिक्षा निदेशक रहेंगे। बैठक में संरक्षक व प्रदेशीय मंत्री शिव कैलाश सोनी, जिला मंत्री पवन कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष प्रवीण सिंह, मंडल उपाध्यक्ष संदीप कुमार, मंडलीय संगठन मंत्री अयोध्या श्री श्रवण कुमार, जिला कार्यकारी अध्यक्ष चंद्र किशोर तिवारी, जिला उपाध्यक्ष अलीम, जिला मीडिया प्रभारी अमित कुमार, उप जिला मंत्री अभिषेक सिंह, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार, शिव शंकर आदि थे।

छोटी हनुमानगढ़ी मंदिर के चैनल का ताला तोड़ चोरों ने उड़ाया दानपात्र

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : भिटरिया चौराहा स्थित छोटी हनुमान गढ़ी मंदिर में हुई चोरी की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चोरों ने मंदिर के मुख्य चैनल का ताला तोड़कर नोटों से भरा दानपात्र उठा ले गए। घटना शनिवार की देर रात की बताई जा रही। रविवार की सुबह पूजा के लिए मंदिर पहुंचे पुजारी भैरव प्रसाद तिवारी ने जब मुख्य ताला टूटा देखा तो उनके होश उड़ गए। अंदर जाकर देखने पर दानपात्र गायब मिला। पुलिस ने मौके पर जाकर जांच शुरू की। खाली दानपात्र मंदिर से मात्र करीब 50 मीटर की दूरी पर एक दुकान के पास पड़ा मिला। स्पष्ट है कि चोरों ने मंदिर से कुछ ही दूर बैठकर दानपात्र खोला, नकदी निकाली और फरार हो गए। कोतवाल अंकित त्रिपाठी ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के जरिए पूर्वांचल को साधने की कोशिश

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

● लोस चुनाव में भाजपा को पूर्वांचल में 10, अवध क्षेत्र में मिली थी 6 सीटें

अमृत विचार: भाजपा ने नए प्रदेश अध्यक्ष के जरिए पूर्वांचल को साधने की कोशिश की है। इसी के साथ भाजपा ने साल 2027 के विधानसभा चुनावी तैयारी शुरू कर दी। सांगठनिक फेरबदल को सपा के पीडीए की काट में तुरुप का इक्का कहा जा रहा है। साथ ही पंकज चौधरी की ताजपोशी से कई सियासी संकेत निकाले जा रहे हैं।

पंकज, महराजगंज जिले के रहने वाले हैं। यह पूर्वांचल में आता है। भाजपा बनने के बाद पूर्वांचल से और भी अध्यक्ष हुए लेकिन तब सियासी परिदृश्य अलग था। अयोध्या का मंदिर आंदोलन चरम पर था। मंदिर आंदोलन के फायर ब्रांड नेता विनय कटियार भी साल 2002 में प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए। अब परिस्थितयों के साथ सियासत की दिशा भी बदली है। इसलिए रणनीति बदल रही है।

भाजपा ने साल 2024 के चुनाव परिणाम की पृष्ठभूमि पर 2027 के लिए पटकथा लिखनी शुरू कर दी है। अयोध्या का पावर हाउस अब भी सियासी धुआं उगल रहा है लेकिन लोकसभा चुनाव से साफ हो गया कि जातीय सियासत फिर फन उठा रही है। मंदिर आंदोलन के दौरान मद्धिम पडी लौ फिर तेज हो गई है।

लोकसभा चुनाव में पूर्वांचल के चुनाव परिणाम और जातीय सियासत को साधने के लिए भाजपा ने पंकज चौधरी पर दांव लगाया है। पूर्वांचल के गोरखपुर, महराजगंज, आजमगढ़ से मिर्जापुर तक की कुल 26 सीटों में से भाजपा को केवल 10 सीटें मिली थी, सपा को 14 और अन्य को दो। अवध के अयोध्या से लखनऊ के बीच की 20 सीटों में भाजपा को केवल छह सीटें मिली थी। श्रीराम मंदिर वाली अयोध्या की सीट भी भाजपा हार गई थी। पूर्वांचल से अवध के इस क्षेत्र में कुर्मी बिरादरी के साथ होने से परिणाम बदल सकता है। दोनों क्षेत्रों में कुर्मी वोटरों की संख्या अच्छी खासी है। साल 2022 के विधानसभा चुनाव से ही भाजपा के अंदरखाने में यह चर्चा शुरू हो गई थी कि कुर्मी वोटर धीरे-धीरे भाजपा से खिसक रहा है। इसीलिए भाजपा ने अवध और पूर्वांचल को साधने के लिए साढ़े तीन दशक के अनुभवी नेता पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी। इसे सपा के पीडीए की काट के रूप में भी देखा जा रहा है।

पूर्वांचल के राजनीति की दृष्टि से अब तीन महत्वपूर्ण बिंदु हैं। सियासत के केंद्र में रही अयोध्या के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री भी पूर्वांचल से हो गए। प्रदेश अध्यक्ष महराजगंज जिले से हैं तो प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पड़ोसी जिले गोरखपुर से हैं। वह इस ताजपोशी को गंभीर सियासी संकेत मानते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की निगाह अब भाजपा की अगली सियासी चाल पर है। जिसके जरिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति को साधने को कोशिश होगी। इसके लिए संगठन से सरकार तक में पश्चिम को वरीयता देने के कदम उठाए जाएंगे। इसके लिए बड़े फैसले भी भाजपा ले सकती है। इसका अंदाजा अभी लगा पाना आसान नहीं होगा। लेकिन पंचायत चुनाव के पहले या फिर बाद में संगठन से सरकार तक कुछ बड़ा होने का आंकलन राजनीतिक विश्लेषक कर रहे हैं।

डेयरी संचालक की गोली मारकर हत्या

सीतापुर, अमृत विचार : दुकान से निकले डेयरी संचालक की शनिवार देर रात गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से भागने में सफल रहे। हाईवे स्थित सिधौली के महमूदाबाद चौराहे के नजदीक सिर पर गोली मारकर हुई हत्या के मामले में परिवार के लोगों ने लखनऊ के बीकेटी निवासी युवक सहित तीन लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कराया है।

एएसपी का कहना है कि जांच में पता चला है कि एक आरोपी की पुत्री और मृतक के बीच नजदीकियां थीं, जिसको लेकर पूर्व में विवाद हो चुका है। फिलहाल कुछ संदिग्ध पकड़े गए हैं, जिनसे पूछताछ की जा रही है। सदरपुर निवासी राहुल यादव पुत्र सूर्य प्रकाश यादव सिधौली कस्बा स्थित महमूदाबाद चौराहे पर डेयरी संचालक था। अनुपम यादव के मुताबिक, उसका भाई राहुल यादव रोज की तरह डेयरी बंद कर घर जाने के लिए निकला ही था, चौराहे के नजदीक उसे लखनऊ के बीकेटी निवासी अभिषेक, सदरपुर निवासी महेश और मटरू ने घेर लिया और गोलियां बरसाना शुरू कर दीं। सिर पर गोली लगते ही राहुल सड़क पर गिर पड़ा। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

लालच भक्ति में सबसे बड़ी बाधा

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : श्रीराम कथा के आठवें दिन कथा व्यास अतुल कृष्ण भारद्वाज महाराज ने कहा कि लालच भक्ति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। जब मनुष्य भक्ति से हटकर भौतिक आकर्षणों की ओर प्रवृत्त हो जाता है, तब वह ईश्वर-प्राप्ति से भटक जाता है। कथा के दौरान व्यास ने शबरी प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि शबरी की निष्कलंक भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान श्रीराम ने उसके जूठे बेर प्रेमपूर्वक ग्रहण किए और सामाजिक समरसता का महान संदेश दिया। भगवान की भक्ति में जाति-पाति का कोई भेद नहीं होता, केवल प्रेम और श्रद्धा ही प्रधान होते हैं।

रामलीला में भगवान श्रीराम के स्वरूप की आरती करते भक्त। ● अमृत विचार

रावण-बाणासुर संवाद ने किया रोमांचित

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : ग्राम मेढ़िया में रामलीला प्रांगण में चल रही रामलीला में सीता स्वयंवर व धनुष भंग लीला का दरभंगा बिहार से आये कलाकारों द्वारा मंचन किया गया। सीता स्वयंवर में आये रावण और बाणासुर में वाक युद्ध हुआ। वाकयुद्ध का दर्शकों ने आनन्द उठाया। मंचित लीला के अनुसार सीता के योग्य वर न मिलने पर पिता के रूप में राजा जनक के करूण विलाप ने दर्शकों को अश्रुपूरित कर दिया। गुरू विश्वामित्र का आदेश प्राप्त कर भगवान राम ने जैसे ही शिव धनुष का खण्डन किया तो समूचे दर्शक दीर्घा में जय श्रीराम का उद्घोष गूंजने लगा। भगवान शिवशंकर के धनुष के खण्डन की आवाज़ सुनकर पहुंचे परशुराम के क्रोध को देखकर सभी भयभीत हो गये। लक्ष्मण जी द्वारा परशुराम के क्रोध का सामना किया गया, परशुराम और लक्ष्मण संवाद सुनकर दर्शक रोमांचित हुए।

गोकुल प्रदेश क्रिकेट टीम में चयनित

बाराबंकी, अमृत विचार : हैदरगढ़ के जाफरपुर गांव निवासी गोकुल वर्मा का चयन उत्तर प्रदेश ब्लाइंड क्रिकेट टीम में बतौर ऑलराउंडर हुआ है। नागेश ट्रॉफी ब्लाइंड क्रिकेट टी-20 नेशनल टूर्नामेंट का यह आठवां संस्करण है। । जाफरपुर के निवासी बैजनाथ के पुत्र गोकुल वर्मा वर्तमान में कक्षा नौ में कानपुर ब्लाइंड स्कूल में अध्ययनरत हैं। क्रिकेट में वह एक ऑलराउंडर के रूप में पहचान बना चुके हैं। वह दाएं हाथ के बल्लेबाज तथा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं।

श्री साईं महोत्सव में भजनों से शहर भक्तिमय

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : श्री साईं महोत्सव के तहत बाबा की पावन चरण पादुका के साथ शोभायात्रा जीआईसी ऑडिटोरियम पहुंची। यहां पर दर्शन, पूजन अर्चन के बाद भजन संध्या का आयोजन हुआ। भजन गायक पारस जैन साईं भजनों का ऐसा समां बांधा कि श्रोताओं की तालियां बजती ही रहीं।

महोत्सव का आयोजन श्री शिरडी साईं बाबा सेवा ट्रस्ट द्वारा श्री साईं बाबा संस्थान ट्रस्ट शिरडी के सहयोग व मार्गदर्शन में किया गया। शोभायात्रा देर शाम जीआईसी आडिटोरियम पहुंची। यहां डॉ. विवेक वर्मा की धर्मपत्नी डॉ. मीनाक्षी वर्मा, व्यापारी नेता रविन्न खजांची, सरदार चरनजीत सिंह सहित अन्य लोगों ने आरती कर पुष्पवर्षा की। जीआईसी ऑडिटोरियम में बाबा का दरबार आकर्षक ढंग से सजाया गया, जहां देर रात तक श्रद्धालुओं को चरण पादुका के दर्शन कराए गए। सायं छह बजे धूप आरती के बाद अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त भजन गायक पारस जैन 'शिरडी वाले' ने भावपूर्ण भजन संध्या प्रस्तुत की। "साईं नाम की माला जप ले" और "शिरडी वाले साईं बाबा" जैसे भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते रहे और पूरा सभागार भक्तिरस में डूब गया। रात में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में पूर्व एमएलसी हरगोविंद सिंह, बबलू सिंह, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, राजेश अरोड़ा 'बब्बू' आदि उपस्थित रहे।

महोत्सव में प्रस्तुति देते भजन गायक। ● अमृत विचार

आस्था

जीआईसी ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया कार्यक्रम

एल&टी फायनांस लिमिटेड
(पहले इसे एल&टी फायनांस होल्डिंग्स लिमिटेड कहा जाता था)
पंजीकृत कार्यालय: एल&टी फायनांस लिमिटेड, बृंदावन बिल्डिंग, प्लॉट नं. 177, कलीना, सीएसटी रोड, मर्सडीज़ शोरूम के पास, सांताक्रुज़ (पूर्व), मुंबई 400 098
सीआईएन नं.: L67120MH2008PLC181833
शाखा कार्यालय: उत्तर प्रदेश

L&T Finance

सोना नीलामी की सूचना

एतद्द्वारा सभी संबंधितों की जानकारी हेतु सूचित किया जाता है कि कंपनी की निम्नलिखित शाखाओं में संबंधित कर्ज संख्याओं के अंतर्गत गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों, जिनका मोचन कराया जाना बकाया था और जिन्हें कंपनी द्वारा बार-बार सूचना देने के बावजूद संबंधित ग्राहकों द्वारा अब तक नहीं चुकाया गया है, उनकी नीलामी कंपनी के संबंधित शाखा कार्यालयों में **सोमवार 22 दिसंबर 2025** को निम्नलिखित विवरणों के अनुसार की जाएगी:-

1. सहारनपुर शाखा - एल&टी फायनांस लिमिटेड, 2ए 1095, भीम राव अंबेडकर मार्ग, क्लॉक टॉवर के पास, मुख्य चौक, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश. पिन कोड - 247001. फ़ोन - 9875942895 कर्ज संख्या - 163210000004879, 163210000004880, 163210000006080, 163210000006153, 163210000006106, 163210000004901, 163210000006294, 163210000006118, 163210000006236 (समय सुबह 11:00 बजे).

कृपया ध्यान दें कि यदि किसी कारणवश नीलामी उपरोक्त दिनांक पर पूरी नहीं हो पाती है, तो यह बिना किसी पूर्व सूचना के **29 दिसंबर 2025** को उसी स्थान और समय पर आयोजित की जाएगी.

ध्यान दें: संबंधित ग्राहक नीलामी के दिनांक से पहले आभूषणों को मुक्त करवा सकते हैं.

ध्यान दें: एल&टी फायनांस प्रायवेट लिमिटेड के पास अपने विवेकाधीन, किसी भी कर्ज खाते के अंतर्गत किसी भी आभूषण को बिना किसी पूर्व सूचना के नीलामी सूची से हटाने का अधिकार है.

ध्यान दें: बोलीकर्ताओं से निवेदन है कि वे पहचान पत्र, पैन कार्ड और पंजीकृत डीलरों के मामले में टिन नंबर प्रस्तुत करें. सफल बोलीकर्ता से पूरी नीलामी की राशि तुरंत आरटीजीएस/किसी अन्य अनुमत माध्यम से कंपनी को हस्तांतरित करने का निवेदन किया जाता है.

हस्ता./-
प्राधिकृत अधिकारी
एल&टी फायनांस लिमिटेड के लिए

उपरोक्त सूचना के बारे में किसी भी स्पष्टीकरण के लिए, कृपया 1800 268 0000 पर या संबंधित शाखा से संपर्क करें.

दिनांक: 15.12.2025
स्थान: उत्तर प्रदेश

अमृत विचार

लखनऊ , सोमवार,15 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

यज्ञशाला निर्माण के लिए हुआ भूमि पूजन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। उसका बाजार कस्बा के सुभाष नगर वार्ड में स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में रविवार को यज्ञशाला निर्माण के लिए भूमि-पूजन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से सम्पन्न हुआ। विद्वान पंडित दिवाकर मिश्र, पुजेश पाण्डेय, अंकित शुक्ल, प्रिंस उपाध्याय ने यज्ञ शाला के लिए विधि विधान से भूमि पूजन ,हवन-पूजन किया। कार्यक्रम को लेकर सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ गई। महिलाओं ने मंगल गीत गाए। कस्बावासियों में यज्ञशाला निर्माण को लेकर काफी उत्साह देखा गया। आयोजन को सफल बनाने में आचार्य संतोष शुक्ल, रवि जायसवाल, दिनेश मोदनवाल, हेमन्त अग्रहरी, सत्य प्रकाश वर्मा, अरविंद शर्मा आदि का सहयोग रहा।

श्रद्धांजलि दी गई

संतकबीरनगर। मनरेगा तकनीकी सहायक एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की जनपद इकाई संतकबीरनगर द्वारा रविवार को खलीलाबाद ब्लॉक सभागार में शोक सभा आयोजित की गई। यह सभा जिलाध्यक्ष इंजीनियर सत्येन्द्र कुमार मिश्र एवं तकनीकी सहायक इंजीनियर अजय कुमार राय के आकस्मिक निधन पर रखी गई। अध्यक्षता जिला महामंत्री इंजीनियर बलवंत कुमार यादव ने की। उपस्थित पदाधिकारियों व कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की।

तीन गोवंश बरामद अभियुक्त गिरफ्तार

कुशीनगर : रविवार को थाना तुर्कपट्टी पुलिस द्वारा एक पिकअप वाहन पर क्रूरता पूर्वक लाद कर वध हेतु ले जायी जा रही 03 राशि गोवंश के साथ एक अभियुक्त आलम अंसारी पुत्र करमुद्दीन अंसारी पता मठिया विश्वम्भर माधोपुर थाना कसया जनपद कुशीनगर को पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने पशु क्रूरता अधिनियम सहित अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में लगी रही।

फैसले का आधार रहे दस्तावेजों और अवशेष को सुप्रीम कोर्ट से लाएगा ट्रस्ट

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट राम जन्मभूमि के ऐतिहासिक साक्ष्यों और दस्तावेजों को सुप्रीम कोर्ट से वापस लाने की तैयारी कर रहा है। सभी साक्ष्यों को राम मंदिर परिसर में ही संरक्षित किया जाएगा। इस बात की जानकारी निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने दी है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट एक अहम कदम उठाने जा रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा की गई खुदाई में जो भी प्रमाण, अवशेष और दस्तावेज़ प्राप्त हुए थे। वे सभी फिलहाल सुप्रीम कोर्ट के संरक्षित हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने न्यायालय को औपचारिक पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि सभी दस्तावेज वापस सौंप दिए जाएं। क्योंकि अब इस फैसले को चुनौती देने वाला कोई नहीं है। ट्रस्ट इसकी सुरक्षा करेगा।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अंतर्गत सरयू तट पर निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय श्रीराम कथा संग्रहालय में मंदिर निर्माण की खोदाई में निकले ऐतिहासिक धरोहर और अवशेषों को संरक्षित किया जाएगा। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि इन ऐतिहासिक धरोहर को श्रद्धालु और शोधकर्ता देख और समझ सकेंगे। भव्य गैलरियां बनाई जा रही हैं, जिनमें रामायण काल से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके लिए आईआईटी चेन्नई के साथ एमओयू किया जा रहा है। इन गैलरियों में हनुमान जी की मूर्ति को भी आधुनिक तकनीकी माध्यमों से आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

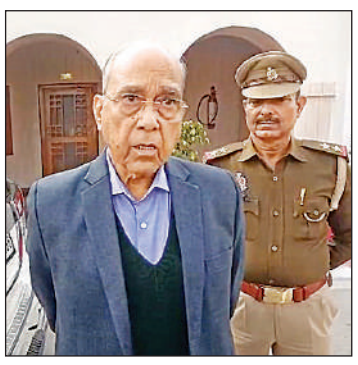

मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र एवं राम जन्मभूमि परिसर से प्राप्त मंदिर के प्राचीन अवशेष। अमृत विचार

प्राचीन रामायणों को जुटाने के लिए बनेगी समिति

राम मंदिर के द्वितीय तल का कार्य संपन्न होने साथ प्राचीन रामायण की प्रतियों को एकत्रित करने का कार्य प्रारंभ कर दिया है। निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया देश-विदेश में उपलब्ध प्राचीन रामायणों का भी संग्रह किया जाएगा। इसके लिए एक समिति गठित की जाएगी, जो यह तय करेगी कि किन प्राचीन रामायणों को रामलला के गर्भगृह में रखा जाए। कहा कि वाल्मीकि रामायण की सबसे प्राचीन प्रति वाराणसी स्थित संस्कृत विश्वविद्यालय में सुरक्षित है, जिसे गर्भगृह में रखने के लिए उनसे संपर्क किया जा रहा है।

रामलला पार्क में दिखेगी श्रीराम की जीवन गाथा

कार्यालय, अमृत विचार : रामनगरी की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक गरिमा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए रामलला पार्क का निर्माण शुरू हो गया है। यह पार्क भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र को जीवंत रूप से प्रदर्शित करेगा। अमृत 2 .0 योजना के तहत 14 कोसी परिक्रमा मार्ग पर साकेत सदन के पीछे स्थित लगभग 5 एकड़ भूमि पर फैले इस पार्क का निर्माण नगर विकास विभाग द्वारा कराया जा रहा है। कुल 17 .22 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस पार्क से अयोध्या को एक नया आकर्षण मिलेगा, जो धार्मिक पर्यटकों के लिए विशेष महत्व रखेगा। रामलला पार्क न केवल एक मनोरंजन स्थल होगा, बल्कि यह श्रीराम की जीवन गाथा को चार जोनों में विभाजित कर दर्शकों के सामने प्रस्तुत करेगा। कार्यदायी संस्था सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक देवव्रत पवार ने बताया कि पार्क में प्रवेश द्वार से लेकर पार्किंग तक सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसमें वाच टावर, टिकट काउंटर, स्क्रीन वॉल और शौचालय जैसी व्यवस्थाएं भी शामिल हैं। पार्क को चार मुख्य जोनों में बांटा गया है। जोन प्रथम में भगवान श्रीराम के जन्म का दृश्य, जोन द्वितीय में उनकी बाल अवस्था के दृश्य, जोन तृतीय में गुरुकुल जीवन और जोन चतुर्थ में ताड़का वध की कथा को मूर्त रूप दिया जाएगा। इन दृश्यों को स्टैच्यू और अन्य कलात्मक तरीकों से सजाया जाएगा, जो आगंतुकों को रामायण की इन महत्वपूर्ण घटनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव कराएंगे।

अतिक्रमण पर चलाया बुलडोजर

पांच दिन के अभियान में मुखलिसपुर तिराहा से बैंक तिराहा तक कार्रवाई

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। खलीलाबाद शहर में जाम और सड़कों की पटरियों पर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ रविवार को भी नगर पालिका और प्रशासन का बुलडोजर गरजा। जिलाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश पर चल रहे पांच दिवसीय विशेष अभियान के तहत मुखलिसपुर तिराहा से गोला बाजार होते हुए बैंक तिराहा तक अवैध दुकानों और अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान प्र क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल रहा।

दरअसल, मेंहदावल बाईपास से बैंक तिराहा तक अकसर जाम की स्थिति बनी रहती है। नगर पालिका परिषद द्वारा पूर्व में कई बार नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। रविवार को नगर पालिका खलीलाबाद के अधिशासी अधिकारी अवधेश भारती, एसडीएम खलीलाबाद अरुण कुमार और सीओ सदर अमित कुमार की मौजूदगी में बुलडोजर कार्रवाई की गई। साथ ही नगर पालिका ने 10 दुकानदारों से कुल 7,500 का जुर्माना भी वसूला। कार्रवाई के दौरान ठेला और पटरी दुकानदार सामान समेटते भागते नजर आए। एसडीएम ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि शहर को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। अभियान के दौरान कोतवाल पंकज कुमार पांडेय सहित पुलिस व नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान मौजूद पुलिस व प्रशासन के अधिकारी। अमृत विचार

टूरिस्ट बस की टक्कर से बोलेरो के परखच्चे उड़े, चार लोगों की मौत

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। घने कोहरे के बीच रविवार को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार बस ने बोलेरो में टक्कर मार दी। हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सरकारी अस्पताल पहुंचाने के साथ ही शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हादसे की सूचना पाते ही एडीएम और सीओ मौके पर पहुंचे हैं। हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत से कोहराम मचा है। सभी लोग महोबा निवासी होकर अस्थि विसर्जन को प्रयागराज जा रहे थे।

मौदहा कोतवाली क्षेत्र के इचौली गांव के पास बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे में किमी-71 पर हादसा हुआ। जिसमें बस की टक्कर से बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। महोबा जिले के खन्ना थानाक्षेत्र के ग्योड़ी गांव निवासी सिद्धगोपाल (65) पुत्र मैयादीन, रामसहोदर (40) पुत्र छोटेलाल, घनश्याम (55) पुत्र छोटेलाल, सोनू (35) पुत्र प्यारेलाल समेत अन्य लोग घनश्याम की मां की अस्थियां विसर्जन के लिए बोलेरो में सवार होकर प्रयागराज जा रहे थे। जैसे ही बोलेरो मौदहा क्षेत्र के इचौली गांव के पास बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किमी-71 पर पहुंची तभी तेज रफ्तार टूरिस्ट बस ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में सिद्धगोपाल, रामसहोदर और घनश्याम की मौके पर मौत हो गई, जबकि सोनू, राधेश्याम पुत्र छोटेलाल, आशाराम पुत्र अच्छेलाल को गंभीर हालत में बांदा मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। यहां सोनू की भी मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि हादसे में चार लोगों की मौत हुई है। सभी एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। वहीं घायलों में राधेश्याम की हालत नाजुक होने पर कानपुर रेफर किया गया है।

एक्सप्रेस-वे पर क्षतिग्रस्त वाहन।

नाली निर्माण अधर में, हो रहा जलभराव

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद के बांसी क्षेत्र बांसी अन्तर्गत ग्राम पंचायत रमवापुर दूबे में प्रस्तावित 50 मीटर नाली निर्माण कार्य प्रशासनिक उदासीनता के चलते लम्बे समय से अधर में लटका हुआ है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण गांव के बीचों-बीच जलभराव की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीण अजय कुमार ने बताया कि नाली निर्माण को लेकर उन्होंने उपजिलाधिकारी, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारियों को कई बार लिखित शिकायत दी। इतना ही नहीं वे मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में दो बार स्वयं उपस्थित होकर भी प्रार्थना पत्र दे चुके हैं। इस पर तहसील प्रशासन द्वारा सम्बन्धित ब्लॉक व थाना प्रशासन को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिये गये थे। थाना प्रशासन द्वारा निरीक्षण कर टीम गठित करने व रिपोर्ट लगाने की कार्यवाही की गई, जबकि ब्लॉक कार्यालय द्वारा बजट उपलब्ध न होने का हवाला देकर कार्य को टाल दिया गया। हैरानी की बात यह है कि नाली निर्माण के लिए पाइप गिरवाये जा चुके हैं और उनका भुगतान दिसम्बर माह में कर दिया गया, इसके बावजूद आज तक निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है। स्थिति यह है कि गांव के एक व्यक्ति द्वारा जलनिकासी के स्थान पर राबिश (मलबा) डाल दिया गया है, जिससे रास्ते पर तालाब जैसी स्थिति बन गई है। इससे न केवल ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो रहा है, बल्कि बीमारियां भी फैल रही हैं।

ऑपरेशन कवच के तहत हुई सीमा सुरक्षा बैठक

सिद्धार्थनगर अमृत विचार। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र ककरहवा बॉर्डर पर रविवार को सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से ऑपरेशन कवच के तहत थाना मोहाना पुलिस द्वारा एसएसबी एवं इंडो-नेपाल सीमावर्ती ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, संदिग्ध व्यक्ति या तस्करी से जुड़ी जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस या एसएसबी को सूचना देने की अपील की गई। कहा कि सीमा सुरक्षा में ग्रामीणों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

सड़क पर उपरिगामी पुल का निर्माण पूरा

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे पर संरक्षित रेल परिचालन एवं सड़क यातायात को सुगम बनाने के लिये रेल समपारों को सुनियोजित तरीके से समाप्त किया जा रहा है। इसके लिए योजनाबद्ध रूप में समपारों के स्थान पर सड़क उपागमी पुल एवं सड़क अधोगामी पुल का निर्माण किया जा रहा है। जिससे संरक्षित रेल परिचालन के साथ-साथ सड़क यातायात भी निर्बाध एवं बेहतर हो रहा है। वाराणसी-औड़िहार खण्ड पर वाराणसी सिटी-सारनाथ रेलवे स्टेशनों के बीच समपार संख्या 23-ए पर राज्य एवं केन्द्र सरकार की सहभागिता से सड़क उपरिगामी पुल का निर्माण पूरा हो गया है। इस सड़क उपरिगामी पुल को सड़क यातायात के लिए खोल दिया गया है, जिससे वाराणसी के नगर वासियों को बहुत सहूलियत हो रही है। समपार संख्या 23-ए का उपयोग वाराणसी से गाजीपुर, बलिया, गोरखपुर, सोनौली, कुशीनगर आदि नगरों को आने-जाने हेतु सड़क वाहनों द्वारा उपयोग किया जाता है।

बनकर तैयार उपरिगामी पुल।

सीमेंट व खाद दुकानों का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर , अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन ने मिश्रा बिल्डिंग मैटेरियल, काज़ी रूधौली एवं शुक्ला सीमेंट खाद विक्रेता काज़ी रूधौली का निरीक्षण किया। डीएम ने खाद के स्टॉक और वितरण राजिस्टर को देखा। ओवर रेटिंग की शिकायत मिलने और वितरण रजिस्टर में किसानों का गलत मोबाइल नंबर लिखा मिला। डीएम ने मिश्रा बिल्डिंग मैटेरियल, काज़ी रूधौली एवं शुक्ला सीमेंट खाद विक्रेता काज़ी रूधौली का लाईसेंस निरस्त करते हुए दुकान को सील करने का निर्देश दिया गया।

मिजोरम को पहली बार रेल से कारें मिलीं

नई दिल्ली , अमृत विचार। सैरांग रेलवे स्टेशन पर पहली बार सीधे ऑटोमोबाइल रैक आया, जिसमें गुवाहाटी के पास चांगसारी से 119 मारुति कारें थीं। यह ऐतिहासिक कदम आइजोल में गाड़ियों की उपलब्धता बढ़ाएगा, लंबे सड़क परिवहन पर निर्भरता कम करेगा, और मिजोरम के ऑटोमोबाइल सेक्टर, जिसमें डीलर्स, सर्विस प्रोवाइडर्स और ग्राहक शामिल हैं, उन्हें फायदा पहुंचाएगा, जो राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह उपलब्धि इंडियन रेलवे की कनेक्टिविटी बढ़ाने, क्षेत्रीय विकास को सपोर्ट करने और पूरे देश में समावेशी विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दर्शाती है। बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन मिजोरम के लिए बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस रेल लाइन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 सितंबर 2025 को किया था।

2,04,656 बच्चों ने पी पोलिया की दवा

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: जनपद में पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को सीएमओ डॉ चंद्रप्रकाश द्वारा राजकीय महिला चिकित्सालय में बच्चों क़ो पोलियो की खुराक पिलाकर की। उन्होंने बताया कि 0-5 वर्ष तक क़े सभी बच्चों क़ो जनपद क़े हर ग्राम एवं मोहल्ला मे लगे बूथ पर बच्चों को बुलवा कर पोलियो कि खुराक अधिक से अधिक पिलाने क़े लिए अपील की। अभियान में लगे सभी कर्मीयों क़ो निर्देशित किया कि बच्चो क़ो अधिक से अधिक संख्या बूथों पर पोलियो खुराक पिलाने क़े लिए प्रेरित करें। जनपद में कुल 1554 पोलियों बूथों पर 204656 बच्चों को पोलियो की खुराक दी गयी। जनपद में पूरे अभियान के दौरान 596359 बच्चों को पोलियों खुराक पिलाने का लक्ष्य है। जिसमें बूथ वाले दिन का लक्ष्य 235828 बच्चों को पोलियो खुराक देने का था जिसके सापेक्ष उपलब्धि लगभग 86 प्रतिशत रही।

सीएमओ ने आधा दर्जन से ज्यादा बूथों का औचक निरीक्षण किया गया जिसमें तुर्कपट्टी एवं नेबुआ नौरंगिया के बूथ प्रमुख रहे जहाँ सभी कर्मचारी अपने ड्यूटी पर उपस्थित मिले। उन्होंने सभी को निर्देशित किया कि अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होनी चाहिये और आप सभी प्रयास करे कि अधिक से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा सके।इस मौके पर जिला प्रतिराक्षण अधिकारी डॉ मुकेश यादव, शाहबाज़ मिन्हाज, गुरु प्रसाद, सत्य प्रकाश व विनोद शाह आदि मौजूद रहे।

अभियान के तहत बूथ पर बच्चे को पोलियो की दवा पिलाते सीएमओ।

हिंदू सम्मेलन के आयोजन की तैयारी तेज

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। संघ शताब्दी वर्ष के अंतर्गत तृतीय चरण में आयोजित होने वाले विशाल हिंदू सम्मेलन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसी कड़ी में डुमरियागंज नगर के अग्रसेन नगर बस्ती राजकीय कन्या इंटर कॉलेज परिसर में 23 दिसंबर (मंगलवार) को सुबह 1 बजे होने वाले हिंदू सम्मेलन के लिए आज भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ।हिंदू सम्मेलन समिति बांसी के जिला अध्यक्ष अमरनाथ सिंह ने विधि-विधान से भूमि पूजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग उपस्थित रहे। अमरनाथ सिंह ने कहा कि समस्त हिंदू समुदाय को एक मंच पर लाना और संगठित करना ही इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है।

प्रेम प्रसंग में मारपीट को छिपाने के लिए व्यापारी ने गढ़ी थी लूट की झूठी कहानी

संवाददाता, संतकबीरनगर

- पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के मंझरिया पशु बाजार के पास व्यापारी से 20 हजार की लूट का रविवार को पुलिस ने खुलासा किया। पुलिस ने घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। जबकि, घटना में शामिल बाइक भी बरामद कर लिया। पुलिस की पड़ताल में सामने आया कि व्यापारी से लूट नहीं हुई थी बल्कि प्रेम प्रसंग में हुई मारपीट की घटना छिपाने के लिए उसने लूटपाट की झूठी कहानी गढ़ी थी। रविवार को पुलिस लाइंस सभागार में घटना का खुलासा करते हुए एएसपी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि बेलवनिया वार्ड नंबर 05, खलीलाबाद निवासी साधू शरण मौर्य ने 9 दिसंबर को कोतवाली पुलिस को सूचना दी थी कि वह सहजनवां स्थित अपनी कॉस्मेटिक दुकान बंदकर घर लौट रहा था। मंझरिया पशु बाजार के पास दो बाइकों पर सवार चार युवकों ने डंडे से पीटकर 20 हजार लूट लिए। सूचना पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। एएसपी ने बताया कि रविवार को पुलिस ने डीघा बाईपास के पास से आरोपी शिवम चौधरी और जयहिंद निवासीगण पिपराकला, कोतवाली खलीलाबाद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार साधू शरण मौर्य की सहजनवां में कास्मेटिक की दुकान पर कार्यरत युवती से आरोपी शिवम की एक वर्ष पूर्व एक शादी समारोह के दौरान सहजनवां में ही पहचान हुई थी और दोनों के बीच बातचीत होती थी। बाद में युवती से बातचीत बंद होने को लेकर आरोपी नाराज था। इसी रंजिश के चलते शिवम चौधरी ने अपने साथी जयहिंद व दो अन्य के साथ मिलकर साधू शरण मौर्य के साथ मारपीट की थी। पुलिस द्वारा आमना-सामना कराए जाने और युवती से पूछताछ के बाद यह स्पष्ट हो गया कि लूट की सूचना पूरी तरह झूठी थी। जबकि, मामला केवल युवती से जुड़े विवाद और मारपीट तक सीमित था।

खुशी

पंकज चौधरी के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने पर जिला कार्यालय पर जश्न

भाजपा कार्यकर्ताओं में दिखा नया जोश-उमंग

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी को भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष घोषित होने के उपरांत सिद्धार्थनगर भाजपा जिला कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान के निर्देशन पर पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पटाखा जलाकर और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं में नया जोश उमंग देखने को मिला। जिला मिडिया प्रभारी भाजपा निशांत पाण्डेय ने बताया कि उक्त अवसर पर जिला महामंत्री विपिन सिंह,जिला उपाध्यक्ष तेजू विश्वकर्मा, जिला मंत्री अजय उपाध्याय, फतेबहादुर सिंह, अरविंद उपाध्याय, भाजपा नेता संतोष शुक्ला, फूलचंद जायसवाल, संतोष पासवान, देवेन्द्र मिश्र, श्यामसुंदर मित्तल, गंगा मिश्र, मंडल अध्यक्ष सोनू गुप्ता, महेंद्र लोधी, राकेश आर्य, राजेश दूबे, अनुराग गगन आदि लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा पंकज चौधरी को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने पर सांसद जगदम्बिका पाल, पूर्व मंत्री व विधायक जयप्रताप सिंह, विधायक श्यामधनी राही, विधायक विनय वर्मा, पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी, जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान, भाजपा नेता श्याम जायसवाल, जिलाध्यक्ष डा0 पवन मिश्रा, चेयरमैन प्रतिनिधि शोहरतगढ़ रवि अग्रवाल, चेयरमैन बढ़नी सुनील अग्रहरि, सन्तोष पासवान, जिलाध्यक्ष अपना दल (एस) श्याम सुन्दर चौधरी, नेता अनिल चौधरी, भरत चौधरी, रंजीत चौधरी, राहुल चौधरी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

भाजपा जिला कार्यालय पर खुशी जाहिर करते कार्यकर्ता। अमृत विचार

भाजपा कार्यालय पर एक -दूसरे को मिठाई खिलाते पार्टी के पदाधिकारी।

भाजपा जिला मुख्यालय पर मनाया गया जश्न

संतकबीरनगर, अमृत विचार। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर जिले में कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। भाजपा जिला मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इज़हार किया और बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के संबोधन का टीवी पर सुना और उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया। प्रदेश अध्यक्ष बनने की खबर मिलते ही कार्यकर्ताओं में जोश भर गया। उनका कहना है कि पंकज चौधरी के नेतृत्व में संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी तथा भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव में और अधिक सशक्त होकर सामने आएगी।

रामजानकी मंदिर से करोड़ों की अष्टधातु की मूर्तियां ले गए चोर

संवाददाता डलमऊ, रायबरेली

अमृत विचार। गांव में बने राम जानकी मंदिर के गेट का ताला तोड़कर करोड़ों रुपये की अष्टधातु की मूर्तियां चोरी हो गईं। सुबह साफ-सफाई करने पहुंचे मंदिर के पुजारी ने जब मुख्य गेट का टूटा ताला और अष्टधातु की मूर्तियां गायब देखीं तो उनके होश उड़ गये। अष्टधातु की करोड़ों रुपये की मूर्तियां चोरी होने से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। जैसे-जैसे खबर फैलती गई लोगों का मजमा लगता रहा। क्षेत्र में एक के बाद एक हो रही चोरी की घटनाओं ने पुलिस गश्त की पोल खोल दी। कस्बे के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी चोरी की घटनाएं लगातार हो रही हैं। शनिवार की रात मंदिर में हुई वारदात के बाद से लोगों में पुलिस के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

डलमऊ कोतवाली क्षेत्र के रामपुर बरारा गांव में लगभग 200 वर्ष पुराना राम जानकी मंदिर है। इस मंदिर के पुजारी राजाराम वाजपेई हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि मंदिर में 30 से 35 किलो की अष्टधातु की राम लक्ष्मण और माता सीता की मूर्तियां लगी हुई थीं जिनकी कीमत लगभग 10 से 15 करोड रुपये आंकी जा रही है। पुजारी ने बताया कि जब वह सुबह मंदिर की सफाई करने पहुंचे तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था और मंदिर के अंदर की मूर्तियां गायब थीं।

नेशनल ब्रीफ

बीकानेर: वन्यजीव संबंधी वस्तु मिलने पर विदेशी दंपती हिरासत में

जयपुर। बीकानेर के नाल हवाई अड्डे पर फ्रांस के एक दंपती को उनके पास संदिग्ध वन्यजीव वस्तु बरामद होने के बाद हिरासत में लिया गया। कहा जा रहा है कि इस वस्तु में हिरण की हड्डियां लगी हैं। दंपती फ्रांस के रहने वाले हैं। अधिकारियों के मुताबिक वे बीकानेर के नाल हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले थे, तभी सुरक्षा जांच के दौरान संदिग्ध वस्तु का पता चला। सूचना पर वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और दोनों को हिरासत में लेकर संदिग्ध वस्तु को जब्त कर लिया। बीकानेर के डीएफओ वेंकटेश ने बताया कि संदिग्ध वस्तु की जांच राजूवास की पशु चिकित्सा प्रयोगशाला में की गई और शुरुआती जांच में इस बात की संभावना सामने आई है कि वस्तु में किसी जानवर के अंग लगे हैं।

नगालैंड: दीमापुर की कॉलोनी में आग से सैकड़ों लोग हुए बेघर

दीमापुर। नगालैंड के दीमापुर की एक कॉलोनी में भीषण आग लगने से बड़ी संख्या में मकान जलकर खाक हो गए और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बर्मा शिविर क्षेत्र के पूर्वी ब्लॉक में लगी आग की घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। कॉलोनी परिषद ने बताया कि आग सुबह करीब 6:30 बजे लगी और देखते ही देखते आसपास के इलाके में फैल गई। दमकलकर्मियों के समय पर पहुंचने से आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि नौ दमकल गाड़ियों ने दो घंटे बाद आग पर काबू पा लिया। पीड़ितों में अधिकतर गैरनगा समुदाय के हैं, जिनका सारा सामान जलकर राख हो गया।

अभिनेत्री ने कहा- मेरे मौलिक अधिकारों की रक्षा नहीं हुई

तिरुवनंतपुरम। सामूहिक दुष्कर्म पीड़ित केरल की अभिनेत्री ने कहा कि निचली अदालत का फैसला उनके लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि इन वर्षों में उन्हें एहसास हुआ कि देश में हर नागरिक के साथ विधि के समक्ष समान व्यवहार नहीं किया जाता। एक भावुक सोशल मीडिया पोस्ट में पीड़िता ने आरोप लगाया कि केस के दौरान उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा नहीं की गई। उन्होंने यह भी कहा कि फैसले से स्पष्ट होता है कि मानवीय विवेक न्यायिक निर्णयों को कैसे प्रभावित कर सकता है। पीड़िता ने यह भी स्वीकार किया कि हर अदालत एक तरह से काम नहीं करती है।

ऑटिज्म पीड़ितों संबंधी दिशा-निर्देश तैयार करने पर सुनवाई आज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ऑटिज्म और अन्य बौद्धिक विकारों से पीड़ित व्यक्तियों की देखभाल, पुनर्वास एवं सुरक्षा को व्यापक दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विशेषज्ञ समिति के गठन के अनुरोध वाली याचिका पर 15 दिसंबर को सुनवाई करेगा। याचिका में केंद्र और अन्य को हर जिले में ऑटिज्म एवं अन्य बौद्धिक विकारों से पीड़ितों के लिए जनसंख्या-आधारित आवासीय सुविधाएं स्थापित करने, विनियमन और निगरानी के लिए व्यापक एवं बाध्यकारी मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है।

ममता बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र से हटाने के लिए आयोग ने चिह्नित किए 21% मतदाता

पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के तहत नामांकन पूरा होने के बाद हटाने के लिए चिह्नित मतदाताओं का जारी किया विवरण

कोलकाता, एजेंसी

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के तहत नामांकन पूरा होने के मात्र 24 घंटे बाद मतदाता सूची से हटाए जाने वाले मतदाताओं का विधानसभावार विस्तृत विवरण जारी किया। आंकड़ों के अनुसार, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर में मतदाताओं का पांचवां हिस्सा यानी 21 प्रतिशत मतदाता हटाए जाने के लिए चिह्नित किए गए हैं। इसके अलावा, उत्तरी कोलकाता का चौरंगी निर्वाचन क्षेत्र पश्चिम बंगाल का ऐसा क्षेत्र हैं जहां राज्य में सर्वाधिक मतदाताओं को सूची से हटाया जाएगा।

आंकड़ों के के अनुसार भवानीपुर में कुल 2,06,295 पंजीकृत मतदाता थे। इनमें से 44,787 मतदाताओं (21.71 प्रतिशत) को हटाए जाने के लिए चिह्नित किया गया है। मुख्यमंत्री के क्षेत्र में हटाए जाने वाले मतदाताओं में सबसे ज्यादा 19,471 मतदाता अनट्रेसेबल (जिनका पता नहीं लगा) श्रेणी में है, इसके बाद 10,897 मृत्यु और 12,547 स्थानांतरित मतदाता हैं। दोहरे नामांकन के कारण 1,097 और अन्य कारणों से 775 मतदाता हटाए गए। चुनाव अधिकारियों ने कहा कि ये आंकड़े घर-घर जाकर किए गए विस्तृत सत्यापन अभियान का परिणाम हैं।

दक्षिणी कोलकाता में 23% से ज्यादा नाम हटाने को चिह्नित

दक्षिण कोलकाता के बैलीगंज में 2,55,190 मतदाताओं में से 65,171 (25.54 प्रतिशत) हटाए जाने के लिए चिह्नित किए गए हैं। कोलकाता पोर्ट में 63,730 (26.18 प्रतिशत) नाम हटाए गए, राशबिहारी में 42,519 (21 प्रतिशत) और भवानीपुर में 44,787 मतदाता चिन्हित किए गए हैं। दक्षिण कोलकाता में कुल 9,07,456 मतदाता हैं, जिनमें से 2,16,207 (23.83 प्रतिशत) चिह्नित हैं।

चौरंगी में 35.46 और जोरासांकों में हटेंगे 36.85 प्रतिशत नाम

उत्तरी कोलकाता के चौरंगी (विधानसभा क्षेत्र संख्या 162) में राज्य में सबसे अधिक नाम हटाए गए हैं। 2,10,246 मतदाताओं में से 74,553 नाम (35.46 प्रतिशत) हटाए जाने के लिए चिह्नित हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि यह पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा क्षेत्रों में सबसे अधिक संख्या है। उन्होंने कहा, शहरी गतिशीलता, किराएदारों की आबादी और पुराने पते चौरंगी जैसे क्षेत्रों में अनट्रेसेबल संख्या को बढ़ाते हैं। चौरंगी के बाद जोरासांको है। जोरासांको में 1,97,839 मतदाताओं में से 72,900 (36.85 प्रतिशत) नाम हटाए जाने के लिए सूचीबद्ध हैं।

आयोग ने कहा- ये आंकड़े प्रारंभिक चरण के

चुनाव अधिकारियों ने कहा कि ये आंकड़े प्रारंभिक चरण का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक अधिकारी ने कहा, मसौदा मतदाता सूची जल्द ही प्रकाशित की जाएगी, जिसके बाद मतदाताओं को दावे और आपत्तियां दर्ज करने का पूरा अवसर मिलेगा।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, एसआईआर का उद्देश्य मृत, स्थाई रूप से स्थानांतरित या नामों के दोहराव को हटाकर मतदाता सूची को साफ करना है। भवानीपुर का आंकड़ा राजनीतिक दृष्टि से इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह निर्वाचन क्षेत्र ''हाई-प्रोफ़ाइल'' है। ममता बनर्जी ने 2021 के भवानीपुर उपचुनाव में 58,000 मतों के अंतर से जीत हासिल की थी। अब 44,000 से अधिक नामों के हटाए जाने वाली सूची में शामिल होने के कारण इस पुनरीक्षण पर राजनीतिक निगरानी बढ़ गई है।

महिला जनप्रतिनिधियों के अधिकारों पर पतियों का कब्जा क्यों, 32 राज्यों ने नहीं दिया जवाब

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इन सभी राज्यों के शीर्ष अधिकारियों को जारी किया सशर्त समन

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने 24 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के पंचायती राज एवं स्थानीय शहरी निकाय विभागों के शीर्ष अधिकारियों को सशर्त समन जारी किया है। इन अधिकारियों को एनएचआरसी की ओर से प्रॉक्सी गवर्नेंस यानी महिला जनप्रतिनिधियों के अधिकारों पर उनके पतियों या पुरुष रिश्तेदारों के कब्जे की प्रथा के संबंध में नोटिस जारी कर कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) पेश करने का आदेश दिया गया था, मगर इस नोटिस का उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

दरअसल, इस मामले में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य सुशील वर्मा की ओर से एक शिकायत दायर की गई थी, जिस पर एनएचआरसी की एक पीठ ने सदस्य प्रियांक कानूनगो की अध्यक्षता में 12 दिसंबर को विचार किया था। अधिकारियों के मुताबिक शिकायत की जांच में आयोग ने पाया कि संवैधानिक सुरक्षा उपायों और अदालती फैसलों के बावजूद निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि अक्सर नाममात्र की मुखिया रह जाती हैं और उन्हें हासिल प्रशासनिक शक्तियों और निर्णय लेने के अधिकारों का इस्तेमाल उनके पति या पुरुष रिश्तेदार करते हैं। इस प्रथा को आमतौर पर 'सरपंच पति' या 'प्रधान पति' के रूप में जाना जाता है। शिकायत में इस बात को भी रेखांकित किया गया है कि निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के रिश्तेदारों को अनौपचारिक रूप से सांसदों और विधायकों के संपर्क व्यक्तियों या प्रतिनिधियों के रूप में नियुक्ति कर दिया जाता है जो संवैधानिक रूप से अनिवार्य स्थानीय स्वशासन संस्थानों के कामकाज में अनुचित हस्तक्षेप करते हैं।

कार्यवाही के दौरान इस बात का जिक्र किया गया कि नौ सितंबर को कानूनगो की अध्यक्षता वाली पीठ ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम-1993 की धारा-12 के तहत मामले का संज्ञान लिया था और सभी राज्यों एवं केंद्र-शासित प्रदेशों को कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) पेश करने का निर्देश दिया था। इसमें कहा गया कि केवल आंध्र प्रदेश, बिहार, ओडिशा और उत्तराखंड की सरकारों तथा उत्तर प्रदेश के कुछ शहरों के प्रशासन से ही प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं, जबकि 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने कोई जवाब नहीं दिया। कार्यवाही के दौरान कहा गया कि मामले की गंभीरता और लगातार गैर-अनुपालन को देखते हुए, आयोग ने अब मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम-1993 की धारा-13 के तहत 32 राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के पंचायती राज तथा स्थानीय शहरी निकाय विभागों के प्रधान सचिवों को सशर्त समन जारी करने का निर्देश दिया है।

● आंध्र प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और ओडिशा ने ही दिया जवाब

कानून और संविधान का घोर उल्लंघन, फिर भी परवाह नहीं

आयोग ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने एक रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान इस असंवैधानिक और गैरकानूनी प्रथा (सरपंच पति) की स्पष्ट रूप से निंदा की थी। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह का 'प्रतिनिधि शासन' 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों की भावना को कमजोर करता है, भारतीय संविधान के अनुच्छेद-243डी के तहत महिलाओं के आरक्षण के उद्देश्य को विफल करता है और अनुच्छेद 14, 15(3) व 21 के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। एनएचआरसी ने यह भी पाया कि ऐसा कृत्य भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत आपराधिक कदाचार की श्रेणी में आ सकता है, जिसमें लोक सेवकों का प्रतिरूपण, आपराधिक विश्वासघात और सार्वजनिक कार्यों को गैरकानूनी रूप से करना जैसे अपराध शामिल हैं।

अब 22 दिसंबर तक सौंपनी होगी रिपोर्ट, कार्रवाई न की तो आयोग जारी करेगा वारंट

अधिकारियों ने बताया कि संबंधित अधिकारियों को 30 दिसंबर को पूर्वाह्न 11 बजे आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने और मामले में की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि अगर अपेक्षित रिपोर्ट 22 दिसंबर तक मिल जाती है तो व्यक्तिगत पेशी की जरूरत नहीं होगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वैध कारण बताए बिना अनुपालन न करने पर सिविल प्रक्रिया संहिता-1908 के आदेश-16 के नियम 10 और 12 के तहत कार्रवाई की जाएगी, जिसमें वारंट जारी करना भी शामिल है। अधिकारियों के मुताबिक आयोग ने दोहराया कि महिलाओं के लिए आरक्षण का मकसद उनका वास्तविक सशक्तीकरण, गरिमा और नेतृत्व सुनिश्चित करना है, न कि प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व की सुविधा देना। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की 'प्रॉक्सी गवर्नेंस' सीधे तौर पर लोकतंत्र और कानून के शासन पर प्रहार करता है।

हिरासत में भेजा गया मेसी के कार्यक्रम का मुख्य आयोजक

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता की एक अदालत ने अर्जेंटीना के महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी के कार्यक्रम के दौरान मची अफरातफरी के सिलसिले में कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सतादु दत्ता को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में शनिवार को आयोजित मेसी के फुटबॉल कार्यक्रम के दौरान फैली अराजकता के बाद मुख्य आयोजक दत्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। भारी अफरातफरी के बीच मेसी को मैदान छोड़कर समय से पहले लौटना पड़ा।

बिधाननगर पुलिस ने स्टेडियम में मची अफरातफरी का स्वतः संज्ञान लेते हुए कुप्रबंधन के आरोप में दत्ता को कोलकाता हवाई अड्डे से ही गिरफ्तार कर लिया जहां वह मेसी और उनके साथ मौजूद अन्य लोगों को हैदराबाद जाते समय विदा करने गए थे। अधिकारी ने बताया कि दत्ता की ओर से पेश हुए वकील ने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल को फंसाया जा रहा है। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए सरकारी वकील ने कहा कि इस कार्यक्रम के आयोजक भीड़ की आवाजाही के लिए जिम्मेदार थे और आयोजनकर्ताओं की टीम के सदस्य मैदान में इस तरह घूम रहे थे कि दीर्घा में बैठे दर्शक अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान को नहीं देख पा रहे थे। उन्होंने कहा कि मेस्सी के सख्त घेरे में रहने से कई दर्शक निराश हुए, जिसके कारण तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं।

● पुलिस ने हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर किया था अदालत में पेश

जांच समिति ने लिया स्टेडियम का जायजा

कोलकाता। जांच समिति के सदस्यों ने रविवार को घटना स्थल का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया। समिति में शामिल मुख्य सचिव मनोज पंत ने बताया कि 15 दिनों के बाद रिपोर्ट प्रस्तुत की जा सकती है। तीन सदस्यीय टीम ने स्टेडियम के निरीक्षण के दौरान टूटी प्लास्टिक कुर्सियों, मुड़े धातु के अवरोधक और कूड़े से भरी गैलरी का जायजा लिया। यह स्टेडियम भारत के सबसे बड़े फुटबॉल मैदानों में एक है। कलकत्ता हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज न्यायमूर्ति आशीष कुमार रे के नेतृत्व में समिति के सदस्यों ने उस स्थान से निरीक्षण शुरू किया, जहां से मेसी ने विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में प्रवेश किया था।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया को मिली पहली महिला अध्यक्ष

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार संगीता बरुआ पिशरोटी प्रेस क्लब ऑफ इंडिया (पीसीआई) के चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर क्लब की पहली महिला अध्यक्ष बन गईं। पिशरोटी की टीम के सभी उम्मीदवारों ने पदाधिकारी और प्रबंध समिति के पदों पर जीत हासिल की। उनकी टीम ने 13 दिसंबर को हुए चुनावों के एक दिन बाद हुई मतगणना में 21-0 से चुनाव अपने नाम किया।

पिशरोटी को जहां 1,019 वोट मिले, वहीं उनके प्रतिद्वंदी अतुल मिश्रा और अरुण शर्मा को क्रमशः 129 और 89 वोट मिल पाए। महासचिव पद पर उतरे अफजल इमाम ने 948 वोट हासिल करके आसान जीत हासिल की, उनके खिलाफ खड़े ज्ञान प्रकाश को 290 वोट मिले। जतिन गांधी उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार के रूप में 1,029 वोटों के साथ विजयी हुए। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी प्रह्लाद सिंह राजपूत को 900 से ज्यादा वोटों के अंतर से मात दी। अदिति राजपूत (कोषाध्यक्ष) और पीआर सुनील (संयुक्त सचिव) निर्विरोध चुने गए। क्लब के मुख्य चुनाव आयुक्त एमएमसी शर्मा और उनकी टीम ने शाम को यहां क्लब के लॉन में पत्रकारों की भरी सभा में परिणाम घोषित किया।

● संगीता बरुआ पिशरोटी की टीम ने 21-0 से जीता चुनाव

कश्मीर में बर्फबारी, तापमान हिमांक बिंदु से ऊपर पहुंचा

श्रीनगर। कश्मीर के ऊंचे इलाकों में कई स्थानों पर रात भर बर्फबारी के बाद दिसंबर में पहली बार रात का तापमान हिमांक बिंदु से ऊपर दर्ज किया गया। जम्मू कश्मीर के गांदरबल जिले में श्रीनगर-द्रास मार्ग पर स्थित जोजिला दर्रा, मिनामार्ग और बालटाल में बर्फबारी हुई है। बांदीपुरा जिले की गुरेज घाटी में स्थित तुलैल में भी हिमपात की सूचना मिली है। इस दिसंबर में पहली बार, जम्मू श्रीनगर में न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो शुक्रवार रात के तापमान (शून्य से 2.9 डिग्री नीचे) की तुलना में लगभग पांच डिग्री अधिक है।

सत्य के साथ खड़े रहकर मोदी और संघ की सरकार को हराएंगे: राहुल

दिल्ली में वोट चोर-गद्दी छोड़ रैली में बोले पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और निर्वाचन आयोग पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सत्य के साथ खड़े होकर प्रधानमंत्री मोदी और 'आरएसएस की सरकार' को देश की सत्ता से हटाएगी। राहुल ने रामलीला मैदान में कांग्रेस की 'वोट चोर, गद्दी छोड़' रैली को संबोधित करते हुए यह आरोप भी दोहराया कि निर्वाचन आयोग भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा है।

राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान का हवाला देते हुए कहा, भागवत ने कहा कि विश्व सत्य को नहीं शक्ति को देखता है, जिसके पास शक्ति है उसे माना जाता है। राहुल ने कहा, यह विचारधारा आरएसएस की है। हमारी, हिंदुस्तान, हिंदू धर्म और दुनिया के सभी धर्मों की विचारधारा कहती है कि सत्य सबसे जरूरी हैं। उन्होंने कहा, सत्य और असत्य के बीच लड़ाई है। हम सत्य के साथ खड़े होकर हिंदुस्तान से मोदी, शाह और आरएसएस सरकार को हटाएंगे। राहुल ने कहा, संसद में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान आप सबने देखा होगा कि अमित शाह का हाथ कांप रहा था। शाह तभी तक बहादुर हैं, जब तक हाथ में सत्ता है। जिस दिन सत्ता गई, उस दिन इनकी बहादुरी भी निकल जाएगी। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी का आत्मविश्वास ख़त्म हो गया है। राहुल ने निर्वाचन आयुक्त का हवाला देते हुए चेतावनी भरे लहजे में कहा, कांग्रेस पार्टी आपसे कह रही है कि आप हिंदुस्तान के निर्वाचन आयुक्त हो, नरेंद्र मोदी के नहीं हो। हम कानून बदलेंगे और आपके खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

दिल्ली में आयोजित रैली के दौरान लोगों का अभिवादन करते राहुल गांधी।

कांग्रेस घुसपैठियों को बचाना चाहती है : भाजपा

भाजपा ने 'वोट चोरी' के मुद्दे पर रैली से पहले रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस यह रैली इसलिए कर रही है ताकि घुसपैठियों को मतदाता सूची से हटाने से बचाया जा सके। भाजपा ने दावा किया कि कांग्रेस लोगों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करने की कोशिश में सफल नहीं होगी, क्योंकि पूरी दुनिया जानती है कि भारत का लोकतंत्र बहुत मजबूत है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस यह रैली ऐसे समय में कर रही है, जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान चुनाव सुधारों पर हुई बहस में विपक्ष के गढ़े हुए आरोपों का बिंदुवार खंडन करके उन्हें बेनकाब कर दिया है।

जम्मू : 13 वर्षीय लड़की की संदिग्ध मौत की सीबीआई जांच का आदेश

जम्मू। पुलिस जांच से संतुष्ट न होने पर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने पिछले साल अगस्त में यहां फंदे पर लटकी पाई गई 13 वर्षीय लड़की की मौत की सीबीआई से जांच कराने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि उसे नहीं लगता कि नाबालिग की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जिला पुलिस की ओर से गंभीरता से प्रयास किया जा रहा है।

मृतका के पिता भलवाल तहसील के एक गांव के निवासी हैं। उन्होंने आशंका जताई कि उनकी बेटी के साथ बलात्कार हुआ और हत्या कर दी गई। उन्होंने पुलिस की ओर से लड़की की मौत का कारण पता लगाने में विफलता के मद्देनजर जांच को जम्मू अपराध शाखा को सौंपने का अनुरोध किया। लड़की 15 अगस्त, 2024 को फंदे पर लटकी हुई मिली थी।

राजस्थान: विधायक निधि के बदले कमीशन की जांच शुरू

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कुछ विधायकों की ओर से विधायक निधि जारी करने के बदले कमीशन लेने के आरोपों की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री के मुताबिक जांच का नतीजा आने तक तीन विधायकों के विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि (एमएलए एलएडी) खातों से लेनदेन पर रोक लगा दी गई है।

यह कार्रवाई एक मीडिया रिपोर्ट के बाद की गई जिसमें खींवसर से भाजपा विधायक रेवंतराम डांगा, हिंडौन से कांग्रेस विधायक अनीता जाटव और बयाना से निर्दलीय विधायक रितु बनावत पर विधायक निधि से रकम मंजूर करने के बदले कमीशन लेने का आरोप लगाया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक निधि में भ्रष्टाचार की खबर बहुत गंभीर और चिंताजनक है।

दुर्घटना में मौत मामले में 1.38 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने दिसंबर 2022 में गुरुग्राम के द्वारका एक्सप्रेसवे पर एक कार की टक्कर से जान गंवाने वाले 32 वर्षीय इंजीनियर के परिवार को मुआवजे के रूप में 1.38 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया है।

पीठासीन अधिकारी सुदीप राज सैनी मृतक कौशल मिश्रा की पत्नी द्वारा दायर मुआवजे की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। निजी कंपनी में वरिष्ठ अभियंता मिश्रा 11 दिसंबर, 2022 को द्वारका एक्सप्रेसवे से मोटरसाइकिल पर घर लौट रहे थे, तभी अमन कुशवाहा ने लापरवाही से कार चलाते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। घायल मिश्रा की 10 दिन बाद अस्पताल में मृत्यु हो गई। न्यायाधिकरण ने बीमा कंपनी की इस दलील को खारिज कर दिया कि हादसा मिश्रा की लापरवाही से हादसा हुआ।

सिफारिश संसदीय समिति ने 'हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स को बताया शानदार, मान्यता लंबित होने पर चिंता जताई

वांगचुक के इंस्टीट्यूट का काम अनुकरणीय, यूजीसी मान्यता मिले

नई दिल्ली, एजेंसी

एक संसदीय समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि लद्दाख के शिक्षाविद एवं कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा स्थापित 'हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स' (एचआईएएल) अनुकरणीय कार्य कर रहा है और इसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता दी जानी चाहिए। इस सप्ताह की शुरुआत में संसद में पेश की गई रिपोर्ट में समिति ने यूजीसी की ओर से एचआईएएल की लंबित मान्यता पर चिंता भी व्यक्त की।

कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली समिति ने यह भी सिफारिश की कि शिक्षा मंत्रालय एचआईएएल मॉडल का गहन अध्ययन करे और विचार करे कि इसे शिक्षा नवाचार केंद्रों या अन्य हस्तक्षेपों के माध्यम से और जगह कैसे अपनाया जा सकता है। शिक्षा, महिला, युवा और खेल संबंधी स्थाई समिति की रिपोर्ट में कहा गया है, लद्दाख की अपनी अध्ययन यात्रा के दौरान समिति हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स, लद्दाख (एचआईएएल) में मौजूद शैक्षणिक, अनुसंधान और उद्यमिता के माहौल से प्रभावित हुई, विशेष रूप से स्थानीय सामाजिक-सांस्कृतिक और पारिस्थितिक संदर्भों में निहित अनुभव आधारित शिक्षा और पठन-पाठन के तरीके को लागू करने में इसकी सफलता से समिति प्रभावित दिखी।

उसने कहा कि समिति को यह जानकर चिंता हुई कि यूजीसी ने एचआईएएल को अब तक मान्यता नहीं दी है और यह मामला कई वर्षों से लंबित है। समिति ने पाया कि एचआईएएल ने स्थानीय समुदाय पर जबरदस्त प्रभाव डाला है और अपने बर्फ के स्तूपों और अन्य सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की है।

एनईपी के कार्यान्वयन में भी एचआईएएल आदर्श

समिति ने कहा है कि एचआईएएल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन में आदर्श है, जो इस तरह के अनुभव व परियोजना-आधारित शिक्षण और भारतीय ज्ञान प्रणालियों के एकीकरण का आह्वान करता है। समिति ने कहा कि यूजीसी को एचआईएएल को मान्यता देने पर विचार करना चाहिए। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद 26 सितंबर को वांगचुक को रासुका के तहत हिरासत में लिया गया था।

अमृत विचार

सोमवार, 15 दिसंबर 2025

जिस प्रकार शरीर में दृष्टि है, उसी प्रकार आत्मा में तर्क है।

अरस्तु, दार्शनिक

चौधरी का चयन

उत्तर प्रदेश भाजपा की कमान पंकज चौधरी को सौंपा जाना एक संगठनात्मक नियुक्ति मात्र नहीं, बल्कि आने वाले पंचायत और विधानसभा चुनावों की दृष्टि से एक सुविचारित राजनीतिक-रणनीति का संकेत है। ऐसे समय में जब 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को अपेक्षा के अनुरूप सफलता नहीं मिली, संगठन के शीर्ष पर यह बदलाव कई स्तरों पर संदेश देता है। सबसे पहले, पंकज चौधरी का निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुना जाना यह दर्शाता है कि भाजपा नेतृत्व फिलहाल किसी गुटीय संघर्ष से बचना चाहता है, हालांकि इसे संगठन के पूरी तरह गुटबाजी-शून्य होने का प्रमाण मानना अतिशयोक्ति होगी।

उत्तर प्रदेश जैसा विशाल और विविध राज्य स्वाभाविक रूप से आंतरिक समीकरणों से भरा रहता है, पर निर्विरोध चयन यह दिखाता है कि शीर्ष नेतृत्व ने संतुलन साधते हुए सर्वमान्य चेहरे पर सहमति बनाई है। मुख्यमंत्री पहले ही पूर्वांचल से हैं और अब प्रदेश अध्यक्ष भी उसी क्षेत्र से चुनना क्षेत्रीय वर्चस्व की बहस को जन्म देता है। प्रश्न यह है कि क्या इससे राजनीतिक असंतुलन पैदा होगा? वस्तुतः भाजपा का संगठनात्मक ढांचा केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि जातीय और सामाजिक संतुलन पर भी आधारित रहता है। पूर्वांचल को अध्यक्ष पद देना दरअसल उस क्षेत्र में पार्टी की पकड़ को और मजबूत करने की कोशिश है, जहां 2024 में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हुआ। पंकज चौधरी के चयन के पीछे कुर्मी समुदाय का समीकरण भी स्पष्ट दिखता है। उत्तर प्रदेश में कुर्मी मतदाता लगभग 8 प्रतिशत माने जाते हैं, जो कई सीटों पर निर्णायक भूमिका में रहते हैं। समाजवादी पार्टी लंबे समय से पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पीडीए) समीकरण के जरिए इन्हें साधने की कोशिश कर रही है। ऐसे में कुर्मी समुदाय से प्रदेश अध्यक्ष बनाकर भाजपा ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह पिछड़े वर्गों में अपनी पैठ और गहरी करना चाहती है। यह रणनीति सपा के सामाजिक गठजोड़ की काट के रूप में देखी जा सकती है। इससे पहले भी कुर्मी समुदाय से भाजपा अध्यक्ष रह चुके हैं।

पंकज चौधरी का राजनीतिक सफर पार्षद से लेकर विधायक और सांसद तक का रहा है। उन्होंने जीत और हार-दोनों का स्वाद चखा है। यही अनुभव उन्हें जमीन से जुड़ा नेता बनाता है। संगठन और प्रशासन, दोनों का अनुभव होने से सरकार और पार्टी के बीच बेहतर समन्वय की उम्मीद की जा सकती है। संघ नेतृत्व से उनके अच्छे संबंध योगी सरकार को भी संगठनात्मक मजबूती देगा, हालांकि नए प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष चुनौतियां भी कम नहीं हैं, पंचायत चुनावों में जमीनी संगठन को सक्रिय करना, जातीय संतुलन बनाए रखना, आंतरिक असंतोष को नियंत्रित करना और विपक्ष के पीडीए नैरेटिव का प्रभावी जवाब देना। यदि पंकज चौधरी इन मोर्चों पर संतुलित और समावेशी नेतृत्व दिखा पाते हैं, तो उनके नेतृत्व में प्रदेश भाजपा के संगठनात्मक विकास और चुनावी सफलता की कामना असंगत नहीं होगी। अंततः यह नियुक्ति भाजपा की उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें सामाजिक विस्तार और संगठनात्मक मजबूती को साथ-साथ साधने की कोशिश साफ नजर आती है।

प्रसंगवश

टीईटी की अनिवार्यता के साथ बदलाव जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2025 के फैसले में फिर स्पष्ट कर दिया था कि शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य है। इसके बाबजूद नौ दिसंबर 2025 को राज्यसभा में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया गया। शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह की छूट भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ने वाला है। टीईटी को आरटीई एक्ट-2009 के तहत कक्षा एक से आठ तक के शिक्षकों के लिए अनिवार्य बनाया गया था, ताकि बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा का अधिकार मिले, लेकिन पिछले दस साल से देश के लाखों शिक्षक, खासकर 2010-2015 के बीच नियुक्त हुए, जो इस परीक्षा के कारण नौकरी, प्रमोशन और मानसिक शांति खोने की कगार पर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2025 के फैसले में फिर स्पष्ट कर दिया था कि टीईटी अनिवार्य है। इसके बाबजूद नौ दिसंबर 2025 को राज्यसभा में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया गया। शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह की छूट भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ने वाला है।

अंबिका अंबी
लेखिका

सबसे बड़ा फायदा शिक्षकों को होगा। लाखों शिक्षक, जिनमें अधिकांश 45-55 साल के हैं, एक लिखित परीक्षा के दबाव से मुक्त हो जाएंगे। ग्रामीण इलाकों में जहां पहले से शिक्षकों की कमी है, यह कमी पूरी होगी। शिक्षकों में प्रमोशन रुकने का डर खत्म होगा, वेतन विसंगतियां दूर होंगी और शिक्षक संगठनों का आंदोलन शांत हो जाएगा। कई राज्यों में भर्ती प्रक्रियाएं भी तेज होंगी, क्योंकि बीएड करने वाले बिना टीईटी दिए नौकरी पा सकेंगे। वर्तमान टीईटी का स्वरूप ही सबसे बड़ी समस्या है।

यह परीक्षा आज भी 10-12 साल पुराने सिलेबस और रटंत-आधारित प्रश्नों पर टिकी है, जबकि कक्षा में बच्चे डिजिटल टूल्स, प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग और भावनात्मक बुद्धिमत्ता की अपेक्षा करते हैं। कई अनुभवी शिक्षक जो रोज़ कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, वे लिखित परीक्षा में असफल हो रहे हैं, क्योंकि उनका कौशल अब पेपर टेस्ट में नहीं, बल्कि वास्तविक शिक्षण में नजर आता है।

दुनिया के कई विकसित देशों ने शिक्षक प्रमाणीकरण को लचीला और बहु-आयामी बना दिया है। अमेरिका में नेशनल बोर्ड सर्टिफिकेशन, फिनलैंड में पोर्टफोलियो मूल्यांकन और सिंगापुर में परफार्मेंस बेस्ड असेस्मेंट जैसे मॉडल सफलतापूर्वक चल रहे हैं। भारत में भी निष्ठा, दीक्षा और एनसीईआरटी के मौजूदा ढांचे का उपयोग कर एक हाइब्रिड प्रमाणीकरण प्रणाली बनाई जा सकती है, जिसमें लिखित परीक्षा का वेटेज सिर्फ 30-40 प्रतिशत हो और बाकी कक्षा-प्रदर्शन, सहकर्मी समीक्षा तथा छात्र फीडबैक पर आधारित हो, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार होगा और शिक्षकों के साथ भी न्याय होगा।

दूसरी तरफ शिक्षा की गुणवत्ता पर गहरा सवाल खड़ा होता है। टीईटी का मकसद सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि बाल मनोविज्ञान, शिक्षण शास्त्र और विषय की बुनियादी समझ जांचना था। यदि अनुभव के नाम पर इसे पूरी तरह हटा दिया गया तो 15-20 साल पुरानी डिग्री या प्रशिक्षण आज भी प्रासंगिक है, कैसे हो सकती है? खासकर तब जब एनईपी-2020 खुद निरंतर प्रशिक्षण और मूल्यांकन पर जोर दे रही है। एक तरफ हम विकसित शिक्षा नीति एवं विकसित भारत का सपना देख रहे है, दूसरी तरफ समय के साथ गुणवतापूर्ण न्यूनतम मानक को ही ढीला करने को तैयार हैं।

सोचने वाली बात यह है कि समस्या टीईटी से नहीं, बल्कि उसके कठोर एवं एकमात्र मानदंड के रूप में प्रयोग में है। इसका समाधान लिखित टेट में छूट नहीं, बल्कि अनुभवी शिक्षकों के लिए एक अलग 'अनुभवी शिक्षक प्रमाणीकरण कार्यक्रम' शुरू करना हो सकता है।

युद्ध के नए फ्रंट पर टिकी निगाह

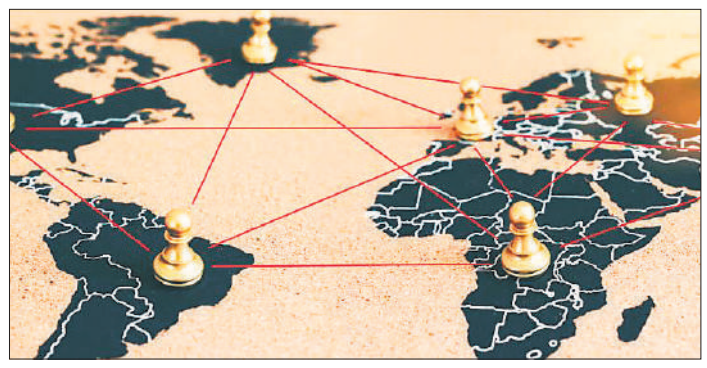

नवीन गुप्ता
बरेली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी, टैरिफ वार की नीति से तंग भारत, रूस और चीन के व्यापार को लेकर त्रिगुट बनाने के साथ ही जियो पॉलिटिक्स में तेजी से बदलाव होने लगा है। युक्रेन से युद्ध में उलझे रूस को लगातार धमकियां दे रहे अमेरिका को भी अब अपनी नीति में बदलाव को मजबूर होना पड़ा है। अप्रत्याशित रूप से अमेरिका ने जहां अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी) में बदलाव करते हुए रूस को खतरे के तौर पर न देखने का निर्णय लिया, वहीं भारत को भरोसेमंद सहयोगी बताने को मजबूर हो गया। रूस और अमेरिका में तनाव तो कम हुआ, लेकिन चीन-जापान, थाईलैंड-कंबोडिया और पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच तनाव से पूरी दुनिया चिंतित है, क्योंकि ये देश युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं। अगर युद्ध के नए फ्रंट खुलते हैं, तो जनहानि तो होगी ही भारत समेत कई देशों की अर्थव्यवस्था पर भी इसका सीधा असर पड़ेगा।

2014 में क्रीमिया को रूस में मिलाने और 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद से ही अमेरिका प्रशासन रूस को खतरा मानता चला आ रहा है। युक्रेन-रूस युद्ध रोकने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार रूसी राष्ट्रपति को बर्बाद करने की धमकियां देते आ रहे हैं। अमेरिका ने रूस पर टैरिफ तो नहीं लगाया था, लेकिन भारत और चीन पर भारी भरकम टैरिफ लगाया। टैरिफ के दम पर ही उसने अपने मित्र राष्ट्र जापान को भी झुकने को मजबूर किया। भारत, ब्राजील और चीन ने अमेरिकी टैरिफ के आगे झुकने से इंकार किया। अब भी ये देश तनकर खड़े हैं।

अमेरिका से व्यापार में आई दिक्कत को ध्यान में रखकर नया बाजार भी तलाश रहे हैं और इस घाटे को पूरा करने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं। इसका सकारात्मक परिणाम भी सामने आया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे के बाद अचानक अमेरिका के रुख में परिवर्तन आया है। रूस-भारत की गहरी होती दोस्ती को देखते हुए अमेरिका के सुर दोनों देशों के प्रति बदल गए हैं और उसके रवैये में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। जल्द ही भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौता भी होने के संकेत मिलने लगे हैं।

एक फ्रंट से आई खुशी की खबर तो राहत देने वाली है, लेकिन पड़ोस में अशांति से चिंतित होना स्वाभाविक है। ताइवान पर चीन के संभावित हमले को ध्यान में रखकर ही जापान की प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों संसद में बयान दिया था और कहा था कि इस युद्ध में वह भी चीन के विरुद्ध खड़ा होगा। इससे चीन चिढ़ा हुआ है और युद्ध की धमकियां भी दे रहा है। जापान के रक्षा मंत्रालय लगातार दावा कर रहा है कि चीन की नौसेना का एयरक्राफ्ट कैरियर लियाओनिंग जापान के पास देखा गया। चीन वहां अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ा रहा है। इससे जापान चिंतित है और उसने भी ओकिनावा के पास प्रशांत महासागर में लड़ाकू विमानों के टेकऑफ और लैंडिंग का अभ्यास करके चीन को बता दिया है कि वह हर खतरे से निपटने को तैयार है।

जापान का आरोप है कि चीनी लड़ाकू विमानों ने उसके सैन्य एयरक्राफ्ट पर फायर कंट्रोल रडार लॉक किया, जो सीधे संभावित मिसाइल अटैक की चेतावनी माना जाता है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने इसे अपनी रक्षात्मक नीति बताया है। दोनों देशों के बीच संभावित युद्ध के खतरे से दुनिया का चिंतित होना स्वाभाविक है। चीन के जापान पर बढ़ते दबाव पर अमेरिका, आस्ट्रेलिया आदि देशों की निगाह है। अगर यह युद्ध छिड़ता है, तो इसका सीधा नकारात्मक असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा, क्योंकि इससे समुद्री मार्ग से व्यापार प्रभावित होगा।

जापान से युद्ध छिड़ने का मतलब है कि ताइवान से भी युद्ध छिड़ जाएगा। उधर, थाइलैंड द्वारा कंबोडिया पर की गई एयरस्ट्राइक से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। कंबोडिया की सेना कभी भी इसका जवाब दे सकती है। पूर्व में छिड़े युद्ध का अमेरिका ने समाधान करा दिया था, लेकिन अब दोनों देश फिर आमने-सामने आ गए हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है। युद्ध की स्थिति में भारतीय उत्पादों का निर्यात प्रभावित होगा, वहां से जिन उत्पादों का आयात होता है, उनके आवागमन में रुकावट आएगी। ऐसी स्थिति में वे महंगे होंगे। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान से तनाव के कारण अपने व्यापारिक रिश्ते खत्म कर दिए हैं।

भारत से अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए कवायद तेज कर दी है। अब पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति पुनः बन रही है। पाकिस्तान अक्सर अफगानिस्तान की सीमा में बमबारी कर देता है। इससे बेगुनाह नागरिकों की मौत होती है। इसका जवाब देने को अफगान तालिबान तैयार है। पाकिस्तान बार-बार तहरीके तालिबान पाकिस्तान के आतंकियों को संरक्षण देने का आरोप तालिबान सरकार पर लगाता है। तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती है। ऐसे में पाकिस्तान एयर स्ट्राइक करके अफगानिस्तान के नागरिकों को मौत की नींद सुला देता है। ऐसे में दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। अगर युद्ध होगा तो इसका असर भारत-अफगानिस्तान के बीच होने वाले कारोबार पर सीधा-सीधा पड़ेगा। साथ ही बेगुनाह नागरिकों की मौत भी होगी।

भारत के जो प्रोजेक्ट अफगानिस्तान में प्रगति पर हैं, उन पर भी सीधा असर पड़ेगा। ऐसे में भारत सरकार की निगाह भी चीन-जापान-ताइवान, पाकिस्तान-अफगानिस्तान और कंबोडिया-थाइलैंड के बीच तनाव पर लगी हुई है। एशियाई देशों में युद्ध जैसे हालात तो हैं ही, अमेरिका और वेनेजुएला के बीच भी युद्ध कभी भी छिड़ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार वेनेजुएला के राष्ट्रपति को धमकी दे चुके हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि युद्ध कभी भी छिड़ सकता है।

> रूस-भारत की गहरी होती दोस्ती को देखते हुए अमेरिका के सुर दोनों देशों के प्रति बदल गए हैं। उसके रवैये में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

आमने सामने

चुनाव आयोग को वोट बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए, जिससे वोट बढ़े। इसके उलट देखा जा रहा है कि यूपी में करीब तीन करोड़ वोट कटने जा रहा है। भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर साजिश कर रहे हैं कि जहां-जहां भाजपा हारी है, वहां-वहां वोट काट दें। यह लोकतंत्र के खिलाफ षड्यंत्र है।

-अखिलेश यादव, सपा मुखिया

अगर अखिलेश सरकार में रहते कुछ काम करते तो जनता उन्हें सत्ता से बाहर नहीं करती। आज यूपी का मॉडल अन्य राज्य अपना रहे हैं, जबकि अखिलेश के राज में राज्य केवल दंगाग्रस्त था। कानून-व्यवस्था भाषणों से नहीं, कार्रवाई से सुधरती है।

-सुरेश खन्ना
मंत्री, उत्तर प्रदेश

दिल्ली की दूषित हवा से अर्थव्यवस्था पर भी संकट

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

दिल्ली की हवा अब केवल सांस लेने का माध्यम नहीं रही, बल्कि यह लोगों की सेहत और देश की अर्थव्यवस्था दोनों के लिए एक बड़ा खतरा बन चुकी है। हर साल अक्टूबर से फरवरी के बीच राजधानी जहरीले धुएं की मोटी चादर में ढक जाती है। कई दिनों तक दिल्ली का AQI 350 से 450 के बीच बना रहता है, जबकि सुरक्षित स्तर 50 से नीचे माना जाता है। कुछ इलाकों में यह 500 के पार भी पहुंच जाता है, जो सीधे 'गंभीर आपात स्थिति' मानी जाती है। इस स्तर की हवा में कुछ घंटे भी रहना फेफड़ों और दिल के लिए खतरनाक हो सकता है। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों पर पड़ता है। हर सर्दी में सांस, दमा, सीओपीडी, दिल के दौरे और स्ट्रोक के मरीजों की संख्या 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। अकेले दिल्ली में हर साल करीब 55 से 60 हजार समय से पहले मौतों का एक बड़ा कारण वायु प्रदूषण बनता जा रहा है। यह एक स्वास्थ्य संकट के साथ-साथ एक बड़ा आर्थिक संकट भी है।

दिल्ली के परिवारों पर इलाज का आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। एक सामान्य सांस के मरीज का सालाना इलाज खर्च 12,000 से 25,000 रुपये तक पहुंच जाता है, जबकि गंभीर मरीजों का खर्च इससे कई गुना अधिक होता है। हर साल दिल्ली में प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों पर करीब 8,000 से 10,000 करोड़ रुपये केवल इलाज पर खर्च हो जाते हैं। इसमें अस्पताल का खर्च, दवाइयां, जांच, ऑक्सीजन सपोर्ट और घरेलू उपचार सब शामिल हैं। मध्यम और गरीब वर्ग के लिए यह खर्च उनकी साल भर की बचत खत्म कर देता है। कई परिवार कर्ज लेकर इलाज करवाने को मजबूर हो रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है, क्योंकि प्रदूषण के कारण केवल एक सीजन में ही औसतन 10 से 15 स्कूल दिवस बर्बाद हो जाते हैं। इससे भविष्य की कार्यशक्ति कमजोर होती है, जिसका आर्थिक नुकसान आने वाले वर्षों में और बढ़ेगा।

खराब हवा का असर काम करने की क्षमता पर भी सीधा पड़ रहा है। जब AQI 300 से ऊपर जाता है, तो दफ्तरों में कर्मचारियों की उत्पादकता 10 से 15 प्रतिशत तक गिर जाती है। लगातार सिर दर्द, थकान, आंखों में जलन और सांस फूलने के कारण लोग पूरे मन से काम नहीं कर पाते। दिल्ली देश का सबसे बड़ा सेवा और कारोबार केंद्र है। केवल IT, बैंकिंग, बीमा, सरकारी दफ्तर और कॉरपोरेट सेक्टर में ही रोजाना करीब 50 लाख से ज्यादा लोग काम करते हैं। अगर इनमें से बड़ी आबादी आधी क्षमता से भी काम करे, तो हर साल हजारों करोड़ रुपये की उत्पादकता का नुकसान होता है। अनुमान है कि खराब हवा के कारण केवल कार्यक्षमता में कमी से ही दिल्ली को सालाना लगभग 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

निर्माण और छोटे उद्योगों पर प्रदूषण की मार और भी सीधी है। जब AQI 400 के पार जाता है, तो GRAP के तहत निर्माण कार्य बंद कर दिए जाते हैं। हर साल औसतन 15 से 25 दिन निर्माण गतिविधियां ठप रहती हैं। दिल्ली-एनसीआर में रोज निर्माण क्षेत्र से करीब 800 से 1,000 करोड़ रुपये का कारोबार जुड़ा होता है। ऐसे में केवल निर्माण पर ही हर साल 15,000 से 20,000 करोड़ रुपये तक का सीधा नुकसान होता है। इसके साथ ही ट्रक प्रतिबंध, डीजल वाहनों पर रोक और फैक्ट्रियों की बंदी से लॉजिस्टिक्स और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को भी भारी क्षति होती है। छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों और ढाबों की बिक्री 30 से 40 प्रतिशत तक गिर जाती है।

पर्यटन और होटल उद्योग भी इस प्रदूषण संकट से बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सर्दियों में दिल्ली का टूरिस्ट सीजन चरम पर होता था, लेकिन अब कई विदेशी और घरेलू पर्यटक अपनी यात्रा टाल देते हैं। खराब दृश्यता के कारण फ्लाइट्स और ट्रेनों की आवाजाही भी प्रभावित होती है। अनुमान है कि स्मॉग सीजन के दौरान होटल और पर्यटन उद्योग का कारोबार औसतन 25 से 30 प्रतिशत तक घट जाता है। इससे होटल, टैक्सी, रेस्टोरेंट, टूर गाइड और स्मारकों से जुड़े हजारों लोगों की आय पर सीधा असर पड़ता है। केवल इस सेक्टर में ही सालाना 3,000 से 5,000 करोड़ रुपये की कमाई प्रभावित हो रही है। बीमा उद्योग पर भी प्रदूषण का दबाव लगातार बढ़ रहा है। सांस और दिल से जुड़ी बीमारियों के बढ़ते मामलों के कारण दिल्ली-एनसीआर में हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पिछले कुछ वर्षों में औसतन 10-15% तक बढ़ चुका है। कंपनियों के लिए क्लेम का जोखिम बढ़ रहा है व लोगों के लिए बीमा लेना महंगा होता जा रहा है।

रियल एस्टेट और निवेश के क्षेत्र में भी हवा की गुणवत्ता अब एक बड़ा फैक्टर बन गई है, जिन इलाकों में AQI तुलनात्मक रूप से कम रहता है और हरियाली ज्यादा है, वहां मकानों की कीमतें 10 से 20 प्रतिशत तक ज्यादा देखी जा रही हैं। बड़ी कंपनियां भी अब अपने निवेश और कार्यालय के लिए ऐसे शहर चुन रही हैं, जहां हवा बेहतर हो। अगर दिल्ली की प्रदूषित छवि बनी रही, तो आने वाले वर्षों में निवेश का बड़ा हिस्सा अन्य शहरों की ओर शिफ्ट होने की आशंका बढ़ती जाएगी, जिससे दिल्ली की आर्थिक रफ्तार पर सीधा असर पड़ेगा।

> खराब हवा के कारण केवल कार्यक्षमता में कमी से ही दिल्ली को सालाना लगभग 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

सोशल फोरम

छवियों की गिरफ्त और नार्सिसस की कहानी

आजकल हरदम फोटो खींचने और सहेज लेने का एक नशा सा हो चला है। लोग कहीं भी जाते हैं, उस पल को जीते नहीं हैं, उसे पकड़ लेना चाहते हैं। यहां तक की पूजा और श्मशान जैसी जगहों पर भी, जिंदगी को महसूस करने की जगह उसे जमा करना चाहते हैं। यह आदत कभी-कभी एक पुरानी ग्रीक कहानी याद दिलाती है, जिसे ओविड ने मेटामोर्फ़ोज़ में दर्ज की थी, कहानी है नार्सिसस की ।

प्रदीप चौधरी
चिकित्सक

वह एक लड़का था, बेहद सुंदर, लोग उसे देखकर ठहर जाते थे, लेकिन उसके भीतर एक अजीब सा खालीपन था, वह किसी पर ध्यान नहीं देता था, किसी की भावना को लौटाता नहीं था। एक दिन वह जंगल में घूमते हुए एक शांत जलाशय तक पहुंचा। पानी बिल्कुल स्थिर था, जैसे समय रुक गया हो। नार्सिसस ने जैसे ही झुककर देखा, उसे अपनी ही छवि दिखाई दी, पर वह समझ नहीं पाया कि सामने उसका प्रतिबिंब है। वह उस सुंदर चेहरे पर मोहित हो गया। वह बार-बार उसे छूने की कोशिश करता, पानी हिल जाता और चेहरा टूट जाता। फिर वह झुकता, फिर वही आकर्षण। धीरे-धीरे उसके भीतर की भूख, प्यास, सब धुंधली हो गईं। वह वहीं बैठा रह गया, क्योंकि उसे लगा कि जीवन का सबसे सुंदर हिस्सा उसी पानी में है। अंत में वह वहीं मर गया और उसकी जगह एक फूल उग आया, जिसे आज भी नार्सिसस कहते हैं।

यह कहानी केवल एक सुंदर लड़के की मृत्यु की कथा नहीं है। यह उस मानसिक पैटर्न की कहानी है, जिसमें मनुष्य अपनी ही छवि की गिरफ्त में आ जाता है। वह अपनी पहचान, अपनी भावनाओं, अपने संबंधों को बाहरी चमक के मुकाबले कम आंकने लगता है।

आज की दुनिया में यह कहानी और भी समझ आती है। हम अपनी छवि को लेकर जितने सतर्क हो गए हैं, उतने शायद किसी युग में नहीं थे। हर मुस्कान फोटो में ढल जाती है, हर जगह हम कैमरे की नजर से गुजरकर ही जीवित रहते हैं। जैसे हमारी उपस्थिति तभी मान्य होती है, जब वह एक स्क्रीन के लिए उपयुक्त हो। नार्सिसस की असली गलती यह थी कि उसने प्रतिबिंब को वास्तविकता समझ लिया। हमारे समय में भी यही खतरा सबसे गहरा है। जब दिखना, होना बन जाता है, जब चमक, सत्य को पीछे छोड़ देती है, जब हम अपने ही बनाए फ्रेम का हिस्सा बन जाते हैं, तब मन धीरे धीरे अपने भीतर की आवाज खो देता हैं।

सामयिकी

ड्रग तस्करों के खिलाफ राज्यों की साझा पहल

देश के लगभग हर राज्य में नशीले पदार्थों का बढ़ता घातक कारोबार गंभीर संकट की आहट सुना रहा है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना, इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने को अपराध की गलियों से गुजरने में गुरेज नहीं करते। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे के लिए पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है।

बीते दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। इस रणनीतिक महत्व के सेमिनार का आयोजन हरियाणा के खाद्य और औषधि प्रशासन ने किया था, जिसका मकसद सीमावर्ती राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, सूचना साझेदारी और तेज प्रवर्तन तंत्र विकसित करना था।

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। उल्लेखनीय है कि इस पहल में सीमावर्ती राज्यों पंजाब, राजस्थान, हिमाचल, उत्तराखंड व दिल्ली, महाराष्ट्र तथा हरियाणा के औषधि नियंत्रकों व वरिष्ठ अधिकारियों समेत 70 अधिकारियों ने भाग लिया। इन अधिकारियों ने अनुभव साझा करके भविष्य के लिए कारगर रणनीति को अंजाम देने पर गंभीर मंथन किया। बैठक में स्वीकार किया गया कि नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं।

यह जहरीला कारोबार सिर्फ स्थानीय मुद्दा नहीं है, बल्कि विभिन्न राज्यों के बीच साझा चुनौती बना हुआ है, जिसका मुकाबला डेटा साझेदारी और पारदर्शी समन्वय से ही संभव है। खासकर सीमावर्ती राज्यों को तो अंतर्राष्ट्रीय व अंतर्राज्यीय तस्करों से मुकाबले के लिए मिलकर काम करना बेहद जरूरी है। यही वजह है कि चंडीगढ़ में आयोजित सेमिनार के निष्कर्ष राज्य व केंद्र सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया, ताकि साझी रणनीति तय की जा सके। दरअसल, हाल के दिनों में पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने देश की चिंता बढ़ाई है।

सवाल यह भी उठा है कि यदि नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा बरामद हुई है तो चोरी-छिपे कितनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ देश में पहुंच रहा होगा। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये लगातार नशीले पदार्थ व हथियार भेजने के मामले प्रकाश में आए हैं। संकट का एक पहलू यह भी है कि सीमावर्ती जिलों में किशोरों को नशे की आपूर्ति के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। पंजाब सरकार के विशेष अभियान के दौरान भी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई है। अनेक तस्कर व दोहरी भूमिका निभाने वाले पुलिस कर्मियों तक भी कानून के हाथ पहुंचे हैं, लेकिन अभी भी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है। उम्मीद है कि सात राज्यों के सामूहिक प्रयास से नशे और नकली दवाइयों के कारोबार पर अंकुश लगेगा और प्रभावी कार्रवाई हो पाएगी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

बरेली में थार प्रेमियों ने शहर में एक अनोखा क्लब 'थारिएंस क्लब बरेली' बनाया है। यह क्लब न केवल थार मालिकों को एक मंच देता है, बल्कि शहर में सामाजिक सरोकारों के लिए अपनी पहचान भी बना रहा है। क्लब में फिलहाल 30 सक्रिय थार संचालक सदस्य जुड़े हुए हैं। इनमें (डाक्टर, सीए और उद्यमी) शामिल हैं।

-महिपाल गंगवार, बरेली

थारिएंस क्लब में महिलाएं भी हैं खूब सक्रिय

क्लब के सचिव सुबोध भारद्वाज बताते हैं कि क्लब में कई महिलाएं सदस्य भी सक्रिय हैं, जो थार खुद चलाती हैं और ऑफ-रोडिंग इवेंट्स में अपना हुनर दिखाती हैं। इससे क्लब का दायरा सिर्फ पुरुषों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह परिवारों के लिए एक सकारात्मक और सुरक्षित मंच बन गया है। वह बताते हैं कि थारिएंस क्लब के सदस्यों का मानना है कि थार ने उन्हें एक नए समुदाय से जोड़ा है। पहले वे सिर्फ गाड़ी तक सीमित थे, लेकिन क्लब से जुड़ने के बाद उन्हें समाजसेवा, नई जगहें देखने और समान विचारधारा वाले लोगों से मिलने का मौका मिला।

थार के शौक को सिर्फ घूमने-फिरने तक सीमित न रखें

थार क्लब के संस्थापक अध्यक्ष राजीव खुराना बताते हैं कि यह क्लब केवल शौक के लिए नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश देने के लिए बनाया गया है। उनके अनुसार हम चाहते थे कि थार के शौक को सिर्फ घूमने-फिरने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे एक जिम्मेदारी से भी जोड़ा जाए। थारिएंस क्लब उतराखंड में नदी वाले स्थानों पर राइडिंग के साथ हर 15 अगस्त को तिरंगा यात्रा निकालने के साथ-साथ समय पर जलसंरक्षण आदि को लेकर सामाजिक अभियान चलाता है, जिसमें सभी 30 थारें एक साथ निकलती हैं।

बरेलियंस का नया टशन
थारिएंस क्लब

बरेली शहर में अब तक 450 से अधिक बिक चुकी हैं थार

स्थानीय डीलरों के अनुसार बरेली में महिंद्रा थार की ऑन-रोड कीमतें वेरिएंट के हिसाब से 15.5 लाख रुपये से 21 लाख रुपये तक जाती हैं, जबकि टॉप मॉडल की कीमत 22 लाख रुपये के करीब पड़ती है। शहर में थार के लॉन्च होने के बाद से अब तक लगभग 450 से अधिक थारें बिक चुकी हैं, जो युवाओं की पसंद का मजबूत संकेत देती हैं। मजेदार बात यह भी है कि थार खरीदने वाले कई युवा पहले से एसयूवी चला रहे थे, लेकिन जब से थार गाड़ी लांच हुई लोग इसे सिर्फ गाड़ी नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल मान रहे हैं। खासकर वीकेंड पर यह गाड़ी बरेली के आसपास के हिल स्पॉट्स या नदी किनारे ऑफ-रोडिंग के लिए खूब दिखाई देती है। शहर में शादी-ब्याह के अवसर हों या किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी, थार का प्रवेश ही माहौल को अलग बना देता है।

इसलिए बढ़ी थार की लोकप्रियता

थार की लोकप्रियता के पीछे इसके मजबूती और विशेषताएं सबसे बड़ा कारण हैं। मूसाराम इंटरप्राइजेज के प्रबंध निदेशक दिनेश अग्रवाल बताते हैं कि थार में वह सब कुछ है, जो भारतीय सड़क और कठिन रास्तों के लिए जरूरी है। इसका पेट्रोल और डीजल इंजन न केवल दमदार पावर देते हैं, बल्कि हर तरह के रास्ते पर कमाल का परफॉर्मेंस दिखाते हैं। थार को खास इसलिए माना जाता है, क्योंकि यह सिर्फ शहर की गाड़ी नहीं है, बल्कि पहाड़, रेगिस्तान, कीचड़-हर जगह अपनी पकड़ बनाए रखती है। यही नहीं थार का ग्राउंड क्लीयरेंस, चार बाई चार ड्राइव, वॉटर वेडिंग क्षमता और टॉर्क इसे अपनी श्रेणी की अन्य एसयूवी से आगे रखते हैं। इसलिए थार सिर्फ युवा ही नहीं, परिवारों में भी पसंद की जा रही है।

मॉय फर्स्ट राइड

हॉर्न, ब्रेक और हौसलों के बीच मेरा सफर

मैंने जब पहली बार कार चलाना सीखने का निर्णय लिया, तो मन में उत्साह के साथ-साथ डर भी था। बचपन से ही कार चलाते हुए लोगों को देखकर लगता था कि यह कोई बहुत कठिन काम है, जो शायद मेरे बस का नहीं। घर में अक्सर यही सुनने को मिलता था-"तुमसे नहीं होगा", "यह काम पुरुषों का है" या "ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ही ठीक हैं।" लेकिन कहीं न कहीं मन में यह इच्छा थी कि मैं भी आत्मनिर्भर बनूं और बिना किसी पर निर्भर हुए खुद गाड़ी चला सकूं।

यह इच्छा मैंने डरते-डरते अपने पति को बताई, तो उन्होंने दो मिनट सोचकर कहा ठीक है, कल सुबह से तुम्हारी कार की क्लास शुरू होगी। पहले दिन जब मैं ड्राइविंग स्कूल पहुंची, तो दिल तेज-तेज धड़क रहा था। इंस्ट्रक्टर ने जब कार की सीट पर बैठने को कहा, तो हाथ-पैर जैसे सुन्न हो गए। स्टेयरिंग पकड़ते ही लगा कि मैं किसी बड़ी जिम्मेदारी को थाम रही हूं। क्लच, ब्रेक और एक्सीलेरेटर तीनों को समझना अपने-आप में एक चुनौती था। शुरुआत में कार बार-बार बंद हो जाती थी और पीछे से हॉर्न की आवाजें आत्मविश्वास को और डगमगा देती थीं।

सबसे मुश्किल था सड़क का डर। सामने से आती गाड़ियां, अचानक मोड़ लेते वाहन और पैदल चलते लोग सब कुछ मुझे घबराहट में डाल देता था। कई बार लगा कि शायद मैं यह सीख ही नहीं पाऊंगी। एक दिन तो गलती से ब्रेक की जगह एक्सीलेरेटर दब गया और इंस्ट्रक्टर को तुरंत कंट्रोल संभालना पड़ा। उस दिन घर आकर मैंने खुद से कहा "बस, अब नहीं।" पर अगले ही पल मन ने समझाया कि डर से भागने से कुछ हासिल नहीं होगा। धीरे-धीरे अभ्यास बढ़ता गया। रोज सुबह थोड़ा जल्दी उठकर ड्राइविंग क्लास के लिए जाना अब मेरी दिनचर्या का हिस्सा बन गया। इंस्ट्रक्टर की सीख और खुद पर भरोसा दोनों ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया। अब कार कम बंद होती थी और गियर बदलते समय हाथ नहीं कांपते थे। जब पहली बार मैंने बिना किसी मदद के कार स्टार्ट की और कुछ दूरी तक सही तरीके से चला पाई, तो वह खुशी शब्दों में बयान करना मुश्किल है।

कार सीखने का सबसे बड़ा सबक यह था कि सड़क पर धैर्य सबसे जरूरी है। जल्दीबाजी या घबराहट दोनों ही नुकसानदेह हैं। मैंने सीखा कि दूसरों की गलती पर भी संयम बनाए रखना जरूरी है। कई बार पुरुष ड्राइवर ताने मारते या मजाक उड़ाते, लेकिन मैंने खुद को कमजोर नहीं पड़ने दिया। धीरे-धीरे मैं समझने लगी कि आत्मविश्वास ही सबसे बड़ा हथियार है। जिस दिन मैंने ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट पास किया, उस दिन मेरी आंखों में खुशी के आंसू थे। यह सिर्फ एक लाइसेंस नहीं था, बल्कि मेरी आजादी की चाबी थी। अब मैं बच्चों को स्कूल छोड़ने, बाजार जाने या अचानक किसी काम से बाहर निकलने के लिए किसी पर निर्भर नहीं थी। परिवार वालों का नजरिया भी बदल गया। वही लोग, जो पहले मना करते थे, अब गर्व से कहते हैं- "हमारी बेटी बहुत अच्छी ड्राइवर है।"

आज जब मैं खुद कार चलाकर सड़क पर निकलती हूं, तो महसूस होता है कि यह सिर्फ ड्राइविंग नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का अनुभव है। कार सीखना मेरे लिए एक कौशल ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, साहस और खुद पर भरोसा करने की सीख भी था। हर महिला को यह अनुभव जरूर लेना चाहिए, क्योंकि जब हम डर को पीछे छोड़कर आगे बढ़ते हैं, तभी हमें अपनी असली ताकत का एहसास होता है।

-डॉ. आरती मोहन
कानपुर

सर्दियों में टायर प्रेशर का रखें ध्यान

यदि आप दोपहिया या कार के मालिक हैं और आपको महसूस हो रहा है कि कड़ाके की इस सर्दी में आपकी गाड़ी के टायरों की हवा कुछ कम हो गई है, तो घबराने की कोई जरूरत नहीं है। ऐसा होना तापमान में गिरावट के कारण बिल्कुल सामान्य प्रक्रिया है। ठंड के मौसम में टायर सिकुड़ने लगते हैं, जिसके कारण उनके भीतर का एयर प्रेशर घट सकता है, लेकिन टायर प्रेशर को नजरअंदाज करना सही नहीं है, क्योंकि इसका सीधा प्रभाव कार या दोपहिया वाहन के संतुलन, सुरक्षा और माइलेज पर पड़ता है। सर्दियों में गाड़ी के टायर का प्रेशर कम न हो, इसके पीछे के सामान्य कारणों और उनसे बचने के आसान उपायों की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

टायर प्रेशर घटने का वैज्ञानिक कारण

सर्दी बढ़ने पर टायर अचानक लीक नहीं होने लगते, बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण होता है। कम तापमान में हवा के कणों की गति धीमी हो जाती है और वे कम स्थान घेरते हैं। इसी वजह से जैसे-जैसे तापमान घटता है, टायर के अंदर का प्रेशर भी कम होने लगता है। माना जाता है कि हर 10 डिग्री सेल्सियस तापमान गिरने पर टायर का एयर प्रेशर लगभग 1 पीएसआई (पाउंड प्रति वर्ग इंच) तक घट सकता है।

टायर की रबर का सख्त होना

सर्दियों में टायर की रबर सामान्य से थोड़ा सख्त हो जाती है। इससे टायर की हवा कम नहीं होती, जिससे रबर की लचक घटने से सील वाले हिस्से उतने प्रभावी नहीं रह जाते। यदि टायर में पहले से कहीं मामूली सी लीकेज मौजूद है, तो सर्दियों में हवा का प्रेशर गिरना ज्यादा स्पष्ट रूप से महसूस होने लगता है।

सुरक्षा के लिए उपाय

- **नियमित जांच रखें, सुरक्षा बढ़ाएं-** टायर प्रेशर की नियमित जांच करना बेहद जरूरी है। महीने में कम से कम एक बार और लंबी यात्रा पर निकलने से पहले टायर का प्रेशर अवश्य जांच लें। इसके लिए वाहन में एक पोर्टेबल टायर प्रेशर गेज रखना उपयोगी होता है, जिससे आप स्वयं आसानी से टायर की हवा चेक कर सकते हैं।
- **सही टायर प्रेशर रखें -** टायर में हमेशा वही हवा भरवानी चाहिए, जो वाहन निर्माता कंपनी के मानक हैं। इसकी जानकारी आमतौर पर गाड़ी के ऑनर मैनुअल में या ड्राइवर साइड के दरवाजे के अंदर लगे स्टिकर पर आसानी से मिल जाती है।
- **टेम्परेचर में बदलाव पर नजर रखें :** मौसम में होने वाले तापमान के उतार-चढ़ाव का टायर प्रेशर पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिए मौसम के बदलाव और आवश्यकता के अनुसार टायर की हवा को समय-समय पर जांचकर उसे एडजस्ट करते रहना चाहिए।
- **विंटर-ग्रेड टायर करें प्रयोग :** यदि आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं, जहां सर्दियों में कड़ाके की ठंड पड़ती है, तो विंटर-ग्रेड टायर का उपयोग करना अधिक उपयुक्त होता है। ये टायर ठंडे मौसम में बेहतर पकड़ बनाए रखते हैं और वाहन की परफॉर्मेंस को भी बेहतर बनाते हैं।

योनो एप के उपयोगकर्ताओं को 20 करोड़ करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस सेठी ने कहा कि बैंक सोमवार को योनो एप का नया संस्करण पेश करने के साथ अगले दो वर्षों में इसके उपयोगकर्ता आधार को दोगुना कर 20 करोड़ तक ले जाने का लक्ष्य है। योनो 2.0 एक बड़ा अपग्रेड है, जो ग्राहकों को बेहतर अनुभव देगा और बैंक के लिए एक मजबूत डिजिटल मंच उपलब्ध कराएगा। इसकी सभी विशेषताएं 6–8 महीनों में चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएंगी।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार, 15 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

इफको एमडी ने 10% लाभ वृद्धि का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय किसान उर्वरक सहकारी संस्था लिमिटेड (इफको) के प्रबंध निदेशक केजे पटेल ने 2025-26 में शुद्ध लाभ में 10 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है। यह अनुमान ऐसे समय में सामने आया है, जब इफको को अपने प्रमुख नैनो उर्वरकों को देश में अपेक्षित स्तर तक अपनाए जाने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है और संस्था किसानों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को तेज कर रही है। पटेल ने कहा कि उनकी रणनीति का केंद्र इफको की सबसे बड़ी ताकत 36 हजार सहकारी संस्थाओं और पांच करोड़ से अधिक किसानों के साथ उसका स्थायी संबंध है। हाल ही में उन्होंने 32 वर्षों तक प्रबंध निदेशक रहे यू एस अवस्थी से कार्यभार संभाला है।

गोदरेज ने 2,600 करोड़ से अधिक के घर बेचे

नई दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हैदराबाद में परिचालन के पहले वर्ष में 2,600 करोड़ की आवासीय संपत्तियां बेची हैं। रियल एस्टेट कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने ने बताया कि कंपनी इस शहर में कारोबार का विस्तार करने की योजना बना रही है, जहां विकास के अपार अवसर हैं। इस साल जनवरी में गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कोकापेट में अपनी पहली परियोजना शुरू करके हैदराबाद के आवास बाजार में प्रवेश करने की घोषणा की। गोदरेज प्रॉपर्टीज की कार्यकारी अध्यक्ष पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि कंपनी ने हैदराबाद के बाजार में बेहद अच्छा प्रदर्शन किया है।

मिनी ब्रांड को मजबूत करेगी बीएमडब्ल्यू

नई दिल्ली। जर्मनी की लग्जरी कार विनिर्माता बीएमडब्ल्यू अगले साल भारत में अपने ''मिनी'' पोर्टफोलियो का विस्तार करने की योजना बना रही है, ताकि मेट्रो शहरों से बाहर बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ हरदीप सिंह बरार ने यह जानकारी दी। कंपनी के पोर्टफोलियो में फिलहाल मिनी कूपर, मिनी कंट्रीमैन जेसीडब्ल्यू और मिनी कन्वर्टिबल शामिल हैं। ब्रांड को बड़े शहरों से आगे स्वीकृति मिलने के साथ कंपनी छोटे शहरों और कस्बों में अपने बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने पर भी ध्यान दे रही है।

कच्चे तेल के स्रोतों में विविधता लाना जरूरी

संसदीय समिति ने बढ़ती निर्भरता और भू-राजनीतिक जोखिमों को देश के लिए बड़ी चुनौतियां बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

- **संसद में पेश रिपोर्ट में समिति ने कहा- भारत अपनी जरूरतों का 89% करता है आयात**

संसदीय समिति ने कच्चे तेल के आयात पर भारत की भारी निर्भरता और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों को देश के लिए बड़ी चुनौतियां बताते हुए सरकार से आपूर्ति स्रोतों में विविधता बढ़ाने और जोखिम प्रबंधन तंत्र को मजबूत करने का आग्रह किया है।

पिछले सप्ताह संसद में पेश की गई अपनी रिपोर्ट में लोक उपक्रम समिति ने कहा कि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 89 प्रतिशत आयात करता है। इस वजह से देश संघर्ष, प्रतिबंध, तेल उत्पादक देशों में नागरिक अशांति और स्वेज नहर तथा लाल सागर जैसे प्रमुख पोत परिवहन मार्गों में व्यवधान जैसी वैश्विक घटनाओं के प्रति संवेदनशील हो जाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी हालिया घटनाओं ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति शृंखला की नाजुकता को उजागर किया है।

समिति ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और सरकारी तेल कंपनियों से कच्चे तेल की आपूर्ति के स्रोतों को भौगोलिक और अनुबंधीय दोनों स्तरों पर विविध बनाने की सिफारिश की है। समिति ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को मजबूत करने और वैकल्पिक आयात मार्ग विकसित करने पर भी जोर दिया।

कोयला खनन की मंजूरी प्रक्रिया बनाएं आसान

नई दिल्ली। संसदीय समिति ने भूमिगत कोयला खनन की अनुमति के लिए नीति को सरल बनाने और मानकीकृत प्रोटोकॉल अपनाने का सुझाव दिया है। समिति का कहना है कि बड़ी खुली कोयला खदानों जैसी जटिल मंजूरी प्रक्रिया लागू किए जाने से कम पर्यावरणीय प्रभाव वाली परियोजनाओं में भी देरी होती है। सरकार ने 2030 तक भूमिगत कोयला खदानों से 10 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य तय किया है। कोयला, खान और इस्पात संबंधी स्थायी समिति ने रिपोर्ट में कहा कि भूमिगत कोयला खनन से सतह पर होने वाला व्यवधान न्यूनतम रहता है, जिससे भूमि, वन और बुनियादी ढांचे का संरक्षण होता है। इसके साथ ही भूमि पुनर्वास की लागत और अप्रत्यक्ष ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी कमी आती है। यह पद्धति उच्च गुणवत्ता वाले गहरे कोयला भंडार तक पहुंच की अनुमति देती है और मौसम की परवाह किए बिना पूरे वर्ष संचालन सुनिश्चित करती है। कम पर्यावरणीय प्रभाव के बावजूद, कई भूमिगत परियोजनाओं को बड़ी खुली कोयला खदानों जैसी ही मंजूरी और दस्तावेजी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, जिससे परियोजनाओं में देरी होती है। इसलिए समिति ने भारत में भूमिगत कोयला खनन प्रथाओं के लिए नीति को सरल बनाने और मानकीकृत प्रोटोकॉल की आवश्यकता पर जोर दिया है। समिति ने खुले में खनन के लिए भी एकल-खिड़की मंजूरी प्रणाली के तहत मानक संदर्भ शर्तें (टीओआर) और मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) लागू करने की सिफारिश की है।

बजट 2026-27

निवेश-प्रेरित वृद्धि के लिए सीआईआई ने रखा सुधारों का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

- **केंद्रीय पूंजीगत व्यय में 12 और राज्यों को दी जाने वाली सहायता में 10% की वृद्धि की जाए**
- **सतत निवेश वृद्धि को बढ़ाने और दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था में भारत को बनाए रखना उद्देश्य**

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने आगामी आम बजट 2026-27 के लिए व्यापक सुधारों का प्रस्ताव रखा है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक, निजी और विदेशी निवेशों को शामिल करते हुए सतत निवेश वृद्धि को बढ़ावा देना और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की गति को बनाए रखना है।

सीआईआई ने सुझाव दिया कि वित्त वर्ष 2026-27 में केंद्रीय पूंजीगत व्यय में 12 प्रतिशत और राज्यों को दी जाने वाली पूंजीगत व्यय सहायता में 10 प्रतिशत वृद्धि की जाए, इसके अलावा 2026-32 के लिए 150 लाख करोड़ की राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) 2.0 शुरू की जाए, जिन कंपनियों ने महत्वपूर्ण नए निवेश, उत्पादन या कर योगदान के महत्वपूर्ण लक्ष्य हासिल किए हैं, उन्हें अतिरिक्त कर रियायतें या अनुपालन में ढील दी जाए। इसमें यह भी कहा गया है कि त्वरित मूल्यह्रास लाभ को पुनः लागू किया जाए ताकि नए पूंजीगत व्यय और तकनीकी उन्नयन को और अधिक प्रोत्साहन दिया जा सके, विशेषकर लघु, मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और विनिर्माण उद्योगों के लिए, बशर्ते कि यह उपाय ऐसा हो कि आधुनिकीकरण को बढ़ावा मिले लेकिन न्यूनतम वैकल्पिक कर की देयता उत्पन्न न हो।

एसआईएफसी के गठन की भी सिफारिश

सीआईआई ने राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना निधि (एनआईआईएफ) को मजबूत करने का सुझाव दिया और इसके लिए एक संप्रभु निवेश रणनीति परिषद (एसआईएफसी) के गठन की भी सिफारिश की, ताकि निवेश राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हो सके। सीआईआई ने कहा कि आर्थिक चक्र आधारित सार्वजनिक ऋण ढांचे को अपनाकर वित्तीय स्थिरता को मजबूत किया जा सकता है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि आगामी बजट 2026-27 को स्थिरीकरण और वृद्धि के दोनों भूमिकाओं को निभाना होगा और निवेश को बढ़ावा देना इसके सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक होगा।

सस्ते आयात से चिंतित तांबा उद्योग, 3% सुरक्षा शुल्क मांगा

नई दिल्ली, एजेंसी

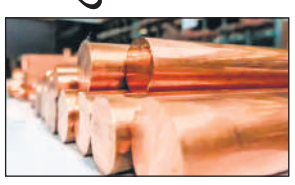

- **आईपीसीपीए ने कहा- एफटीए के तहत तांबे के सस्ते आयात से विनिर्माण को हो रहा नुकसान**

उद्योग निकाय आईपीसीपीए ने कहा कि कई मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत तांबे के सस्ते आयात से भारतीय विनिर्माण को गंभीर रूप से नुकसान पहुंच रहा है। इसके साथ ही उसने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप कर सुरक्षा शुल्क लगाने और विदेशों से आने वाले आयात पर मात्रात्मक प्रतिबंध लागू करने की मांग की है।

इंडियन प्राइमरी कॉपर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईपीसीपीए) के अनुसार, शून्य शुल्क पर तांबे के आयात के चलते देश के घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है, जबकि आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए हाल के वर्षों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। आईपीसीपीए ने कहा कि एफटीए साझेदारों से शून्य शुल्क पर हो रहे आयात भारतीय स्मेल्टिंग और रिफाइनिंग उद्योग को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा रहे हैं। उद्योग निकाय ने कहा कि तांबे की कुछ श्रेणियों के आयात पर तीन प्रतिशत सुरक्षा शुल्क लगाना चाहिए। संगठन ने भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर भी चिंता जताई, जिसके तहत तांबे के वायर रॉड पर सीमा शुल्क 2025-26 में घटकर 1% रह गया है।

ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए व्यवहार में बदलाव आवश्यकः राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि देश के सभी क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता लाने के लिए हर नागरिक में व्यवहारिक परिवर्तन बेहद जरूरी है। राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के कार्यक्रम में कहा कि प्रकृति के साथ संतुलित जीवन शैली अपनाने की चेतना भारत की सांस्कृतिक परंपरा का मूल है। यही विचार लाइफस्टाइल फॉर एन्वायरनमेंट – लाइफ के माध्यम से पूरी दुनिया तक पहुंचाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत के ऊर्जा परिवर्तन की सफलता के लिए हर क्षेत्र और हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। सभी क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता लाने के लिए व्यवहार में बदलाव बेहद जरूरी है। राष्ट्रपति ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण सबसे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा का सबसे विश्वसनीय स्रोत है। ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ऊर्जा का बुद्धिमानी से, जिम्मेदारी से और कुशलता से उपयोग करना है।

उन्होंने कहा कि जब हम अनावश्यक विद्युत उपकरणों के उपयोग से बचते हैं, ऊर्जा-कुशल उपकरण अपनाते हैं, घरों और कार्यस्थलों में प्राकृतिक प्रकाश और वेंटिलेशन का उपयोग करते हैं या सौर और नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प अपनाते हैं, तो हम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कम करते हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि ऊर्जा संरक्षण स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल स्रोत और संतुलित परिवेश बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

ऊर्जा संरक्षण समारोह में उपस्थित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

- **प्रकृति के साथ संतुलित जीवन शैली अपनाने की चेतना भारत की सांस्कृतिक परंपरा का मूल**

पुराने फेरा मामलों को निपटाएगा ईडी

नई दिल्ली। ईडी ने विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (फेरा) के तहत दर्ज मामलों को निपटाने का फैसला किया है। यह कानून 25 साल से अधिक पहले 1998 में खत्म हो गया था। 1973 के प्रावधानों से युक्त फेरा कानून की जगह 2000 में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) ने लिया, जो दीवानी कानून है। जांच एजेंसी ने ऐसे 400-500 मामलों की पहचान की है, जिनमें फेरा के तहत विभिन्न अदालतों में लंबित मामलों को तेजी से निपटाया जा सकता है।

भारत वैश्विक कर पारदर्शिता में अग्रणी : ओईसीडी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **करदाताओं से अघोषित विदेशी संपत्तियों की जानकारी को सरकार ने चलाया है अभियान**
- **अभियान के तहत 29 हजार करोड़ से अधिक की विदेशी संपत्तियों का हुआ खुलासा**

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की शीर्ष अधिकारी ने कहा कि कर चोरी के खिलाफ पारदर्शिता के उपायों को लागू करने में भारत अग्रणी देश के रूप में उभरा है। करदाताओं से उनकी अघोषित विदेशी संपत्तियों की सही जानकारी लेने के लिए हाल ही में चलाए गए अभियान के चलते 29 हजार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की विदेशी संपत्तियों का खुलासा हुआ है।

ओईसीडी सचिवालय की प्रमुख जायदा मनाटा ने बताया कि ये उल्लेखनीय परिणाम वैश्विक कर पारदर्शिता और सूचनाओं के स्वचालित आदान-प्रदान के मानकों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मनाटा हाल ही में दो से चार दिसंबर के बीच नई दिल्ली में आयोजित कर पारदर्शिता और सूचना विनिमय पर वैश्विक मंच की वार्षिक पूर्ण बैठक में भाग लेने आई थीं। इस वैश्विक मंच से 172 देश जुड़े हुए हैं। ओईसीडी अंतर्राष्ट्रीय संस्था है, जो आर्थिक और सामाजिक नीतियों को बढ़ावा देने के लिए कार्य करती है। उन्होंने कहा कि भारत कर पारदर्शिता के क्षेत्र में अग्रणी है और 2009 से वैश्विक मंच के कार्यों का समर्थन करता आ रहा है। 2025 की वैश्विक मंच की पूर्ण बैठक की मेजबानी नई दिल्ली में किया जाना इस बात का प्रमाण है कि भारत लगातार वैश्विक मंच के कार्यों और विदेश स्थित कर चोरी के विरुद्ध संघर्ष का समर्थन कर रहा है।

विदेश स्थित कर चोरी के विरुद्ध लड़ाई के संदर्भ में भारत से ओईसीडी की अपेक्षाओं पर मनाटा ने कहा कि भारत कर पारदर्शिता और सूचना विनिमय के मानकों के अंतर्गत अपनी प्रतिबद्धताओं और आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है। वित्तीय खातों से संबंधित जानकारी के स्वचालित आदान-प्रदान के मामले में भारत के पास आवश्यक कानूनी ढांचा उपलब्ध है और इसे लागू करने के लिए वह सही राह पर है।

डब्ल्यूईएफ में चार सीएम, 100 सीईओ होंगे शामिल

नई दिल्ली। अगले महीने होने वाली विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस और आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू सहित भारत के चार मुख्यमंत्री और 100 से अधिक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शामिल होंगे। यह पांच दिवसीय वार्षिक बैठक 19 से 23 जनवरी, 2026 तक चलेगी और इसमें 130 देशों से 3,000 वैश्विक नेता शामिल होंगे। इनमें 60 राष्ट्राध्यक्ष भी होंगे।

कई केंद्रीय मंत्रियों के भी इस बैठक में शामिल होने की संभावना है। महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के साथ तेलंगाना के ए रेवंत रेड्डी और मध्य प्रदेश के मोहन यादव भी दावोस पहुंचेंगे। इन चार राज्यों के अलावा उत्तर प्रदेश समेत कुछ अन्य राज्यों की भी डब्ल्यूईएफ वार्षिक बैठक 2026 में मजबूत मौजूदगी रहने की उम्मीद है। यह बैठक 'संवाद की भावना' विषय के तहत आयोजित की जाएगी।

ईएलएसएस : म्यूचुअल फंड की लोकप्रिय कर-बचत योजना

इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) म्यूचुअल फंड की एक लोकप्रिय कर-बचत योजना है, जो आयकर अधिनियम की धारा 80C के अंतर्गत टैक्स छूट के साथ-साथ इक्विटी बाजार से जुड़ा बेहतर रिटर्न पाने का अवसर देती है। यह योजना मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करती है, जिससे लंबी अवधि में धन सृजन की संभावना बढ़ती है। ईएलएसएस की सबसे बड़ी विशेषता इसकी केवल तीन वर्ष की लॉक-इन अवधि है, जो अन्य टैक्स सेविंग विकल्पों की तुलना में कम है। टैक्स बचाने के साथ पूंजी वृद्धि चाहने वाले निवेशकों के लिए ईएलएसएस एक संतुलित और प्रभावी निवेश विकल्प माना जाता है।

कर बचत और पूंजी वृद्धि

ईएलएसएस एक ऐसा निवेश साधन है जो कर बचत और पूंजी वृद्धि दोनों उद्देश्यों को एक साथ पूरा करता है। यह म्यूचुअल फंड की वह श्रेणी है, जिसमें फंड का अधिकांश हिस्सा इक्विटी और इक्विटी से जुड़े उपकरणों में निवेश किया जाता है। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80C के अंतर्गत ईएलएसएस में निवेश करने पर प्रति वर्ष स्पेसिफिकेशन (विशेष विवरण) सीमा तक टैक्स में छूट मिलती है, जिससे यह वेतनभोगी और स्व-रोज़गार दोनों प्रकार के निवेशकों के लिए आकर्षक बन जाता है।

तीन वर्ष की लॉक-इन अवधि

ईएलएसएस की एक प्रमुख विशेषता इसकी तीन वर्ष की लॉक-इन अवधि है। यह अवधि पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) या नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी) जैसे अन्य कर-बचत विकल्पों की तुलना में कम है। लॉक-इन अवधि निवेशक को बाजार की अस्थिरता के दौरान धैर्य बनाए रखने में मदद करती है और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न की संभावना को बढ़ाती है।

लंबी अवधि में दिया बेहतर रिटर्न

ईएलएसएस इक्विटी बाजार से जुड़ी है, इसलिए इसमें जोखिम भी है। लंबी अवधि में इक्विटी ने ऐतिहासिक रूप से मुद्रास्फीति से बेहतर रिटर्न दिया है। अनुभवी फंड मैनेजर विभिन्न सेक्टरों और कंपनियों में निवेश करके जोखिम को संतुलित करने का प्रयास करते हैं। निवेशक एकमुश्त या सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से ईएलएसएस में निवेश कर सकते हैं। एसआईपी निवेश का बोझ कम करता है और रुपये की लागत औसत का लाभ देता है।

युवाओं के लिए लाभकारी

ईएलएसएस उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो टैक्स बचाने के साथ-साथ लंबी अवधि में धन सृजन करना चाहते हैं। युवा निवेशकों के लिए यह विशेष रूप से लाभकारी हो सकता है, क्योंकि उनके पास निवेश का लंबा समय होता है और वे बाजार के उतार-चढ़ाव को बेहतर ढंग से झेल सकते हैं। वहीं, जोखिम से पूरी तरह बचने वाले निवेशकों को ईएलएसएस में निवेश से पहले अपनी जोखिम क्षमता का आकलन करना चाहिए।

जीपीएस हस्तक्षेप की बढ़ती घटनाएं चिंता का विषयः आईएटीए

जिनेवा/नई दिल्ली, एजेंसी

- **अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ ने कहा- पायलटों को अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत**

अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) ने कहा कि विमानों में दिशा-निर्देशन प्रणाली से जुड़े जीपीएस संकेतों में छेड़छाड़ और बाधा डालने की घटनाओं में बढ़ोतरी गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे में पायलटों को अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है। आईएटीए विश्व की 360 विमानन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है, जिनके माध्यम से वैश्विक हवाई यातायात का 80% से अधिक हिस्सा संचालित होता है। इस संगठन में एयर इंडिया, इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्पाइसजेट जैसी भारतीय एयरलाइन भी शामिल हैं। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अमृतसर, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई हवाई अड्डों पर भी विमानों के जीपीएस संकेतों में छेड़छाड़ और हस्तक्षेप की घटनाएं सामने आई हैं।

इस सप्ताह जिनेवा में हुई बैठकों में आईएटीए अधिकारियों ने कहा कि जीपीएस संकेतों में हस्तक्षेप की घटनाओं में वृद्धि चिंता का विषय है। आईएटीए के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा कि जीपीएस संकेतों की नकल और बाधा उत्पन्न करने की घटनाओं से विमानों के संचालन के दौरान पायलटों को अधिक सतर्क रहना आवश्यक हो गया है। वैश्विक स्थिति निर्धारण प्रणाली (जीपीएस) अथवा वैश्विक नौवहन उपग्रह प्रणाली से संबंधित संकेतों में छेड़छाड़ का अर्थ है उपयोगकर्ता की दिशा-निर्देशन प्रणाली को गलत संकेत देकर भ्रमित करना। अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन ने वैश्विक नौवहन उपग्रह प्रणाली में छेड़छाड़ को अंतर्राष्ट्रीय रेडियो आवृत्ति हस्तक्षेप का रूप माना है। आईएटीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निक केयरन ने कहा कि ऐसी घटनाएं पश्चिम एशिया में सामने आई थीं और बाद में रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान पूर्वी यूरोप में भी देखने को मिलीं।

आरबीआई ने दी सलाह बैंक एमएसएमई ऋण को बाहरी मानक से जोड़े

नई दिल्ली। मौद्रिक नीति के संचरण में सुधार लाने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को एमएसएमई को दिए जाने वाले ऋणों को एक बाहरी मानक से जोड़ने की सलाह दी है। सरकार ने संसद को यह जानकारी दी है।

बाहरी मानक प्रणाली के तहत ऋणों के पुनःनिर्धारण की अवधि को तीन महीने कर दिया गया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने लोकसभा में लिखित उत्तर में बताया कि मौजूदा उधारकर्ताओं को बाहरी मानक आधारित ब्याज दर का लाभ उपलब्ध कराने के लिए, बैंकों को परस्पर सहमति से परिवर्तन का विकल्प प्रदान करने की सलाह दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत सरकार, भारतीय मानक ब्यूरो और उपभोक्ता मामले के विभाग के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू करती है, जिसमें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए छूट और राहत शामिल होती है, ताकि इन आदेशों से घरेलू उत्पादन बाधित न हो।

विश्लेषण

डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी निवेशकों पर रखेंगे नजर

वैश्विक रुझान और महंगाई के आंकड़े बाजार को करेंगे प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई के आंकड़े, विदेशी निवेशकों के रुख और वैश्विक संकेतों से तय होगी। इसके अलावा, निवेशकों की नजर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी।

बाजारों में पिछले सप्ताह उतार-चढ़ाव रहा और वे नकारात्मक दायरे में बंद हुए। बीते सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 444.71 अंक यानी 0.51 प्रतिशत गिरा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह घरेलू स्तर पर कई आंकड़े आने हैं, जिसमें थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई और व्यापार संतुलन के आंकड़े प्रमुख हैं। भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं से जुड़े घटनाक्रम पर भी नजर रहेगी। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी बाजारों का प्रदर्शन और वहां से आने वाले व्यापक आर्थिक संकेत निकट अवधि में निवेशकों की भावना को प्रभावित करेंगे। इस महीने के पहले दो हफ्तों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 17,955 करोड़ रुपये निकाले हैं, जिससे 2025 में अब तक कुल निकासी बढ़कर 1.6 लाख करोड़ रुपये हो गई है। विदेशी कोषों की निकासी और रुपये में तेज गिरावट ने निवेशकों के भरोसे पर भारी दबाव डाला है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में संपत्ति प्रबंधन के शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि उम्मीद है कि बाजार सीमित दायरे में रहेंगे, हालांकि व्यापक सूचकांकों में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। अगर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर कोई ठोस प्रगति होती है तो इससे बाजार में एक सार्थक तेजी आ सकती है।

शीर्ष आठ कंपनियों की पूंजी 79,129 करोड़ रुपये घटी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले सप्ताह जारी कमजोरी के बीच शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 79,129 .21 करोड़ रुपये घट गया। इस दौरान बजाज फाइनेंस और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे बड़ा झटका लगा। शीर्ष 10 कंपनियों में केवल रिलायंस इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार मूल्य में बढ़त हुई, जबकि एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में गिरावट आई।

एफपीआई ने इक्विटी से निकाले 17,955 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों ने दिसंबर के पहले दो हफ्तों में भारतीय शेयर बाजार से 17,955 करोड़ रुपये निकाले हैं, जिससे 2025 में अब तक कुल निकासी बढ़कर 1.6 लाख करोड़ रुपये हो गई है। यह भारी निकासी नवंबर में 3,765 करोड़ की निकासी के बाद हुई है, जिससे शेयर बाजारों पर दबाव बना है। अक्टूबर में थोड़े समय के लिए यह थमा था, जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 14,610 करोड़ का निवेश किया और तीन महीनों से जारी भारी बिकवाली का क्रम टूटा था। इससे पहले एफपीआई ने सितंबर में 23,885 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ के शेयर बेचे थे।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारतीय राजदूत ने अमेरिकी सांसदों से की कई मुद्दों पर वार्ता

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के प्रयासों के तहत डेमोक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठ सांसदों के साथ बैठकें कर उभरती प्रौद्योगिकियों, रक्षा और व्यापार में सहयोग पर चर्चा की। क्वात्रा ने हाउस डेमोक्रेट्स कॉकस के उपाध्यक्ष, सांसद टेड ल्यू के साथ सार्थक वार्ता की। इस दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में हो रहे नए विकास, रक्षा और सुरक्षा सहयोग, व्यापार और निवेश, तथा लोगों से लोगों के संपर्क जैसे साझा प्राथमिकता वाले मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। क्वात्रा ने हाउस ब्लैक कॉकस की अध्यक्ष सांसद इवेट क्लार्क से भी मुलाकात की।

उस्ताद जाकिर हुसैन की याद में आयोजन

बीजिंग। प्रसिद्ध तबला वादक दिवंगत उस्ताद जाकिर हुसैन की याद में बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास में एक संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दूतावास ने शनिवार को जारी एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के एक प्रतिष्ठित कलाकार और तबला शिक्षक बिवाकर चौधरी ने स्मरण कार्यक्रम का संचालन किया, जिसमें केंद्र के युवा और प्रतिभाशाली कलाकारों एवं छात्रों ने शानदार संगीत प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में बजाई गई प्रत्येक धुन उस्ताद जाकिर हुसैन को एक विनम्र श्रद्धांजलि थी, जिन्होंने दुनियाभर में अपनी कला का लोहा मनवाया था।

नेपाल के मनांग जिले में भूकंप के झटके

काठमांडू। नेपाल के गंडकी प्रांत के मनांग जिले में रविवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप प्रभावित क्षेत्र से किसी प्रकार के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली। भूकंप विज्ञान विभाग के अनुसार अपराह्न 12 बजकर 54 मिनट पर आए 4.7 तीव्रता वाले भूकंप का केंद्र मनांग जिले के थोचे में दर्ज किया गया। भूकंप के झटके आसपास के कास्की, लमजुंग और मुस्तांग जिलों में भी महसूस किए गए।

आज से एच1बी, एच4 वीज़ा आवेदकों जांच

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिका का ट्रंप प्रशासन सोमवार से एच1बी और एच4 वीजा आवेदकों की कड़ी जांच और सत्यापन शुरू करेगा, जिसमें उनके सोशल मीडिया प्रोफाइल की जांच भी शामिल होगी। अमेरिका के विदेश विभाग ने एक नए आदेश में कहा कि 15 दिसंबर से सभी एच-1बी आवेदकों और उनके आश्रितों की ऑनलाइन मौजूदगी की समीक्षा की जाएगी।

एआई प्रतिस्पर्धा क्षमता में भारत तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

● अमेरिका पहले और चीन दूसरे स्थान पर रहा

भारत एआई प्रतिस्पर्धा क्षमता में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है। स्टैनफोर्ड यूनीवर्सिटी की वैश्विक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस रिपोर्ट में भारत को 21.59 अंक दिए गए हैं। अमेरिका 78.6 अंक के साथ पहले स्थान पर है। वहीं, चीन 36.95 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। दक्षिण कोरिया (17.24) और ब्रिटेन (16.64 अंक) भारत के बाद क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

रिपोर्ट में अनुसंधान एवं विकास में भारत को अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर रखा गया है। जिम्मेदार एआई और अर्थव्यवस्था के पैमानों पर भारत को शीर्ष तीन में जगह नहीं दी गयी है। प्रतिभा के मामले में भारत को सिंगापुर के बाद दूसरे स्थान पर रखा गया है। बुनियादी ढांचा और नीति एवं प्रशासन के मामले में भी भारत को पहले तीन में स्थान नहीं मिला है। लोगों की सोच के मामले में भारत दक्षिण कोरिया के बाद दूसरे स्थान पर है।

मेमोरी चिप

मेमोरी चिप एक इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट है जो डेटा को स्टोर और एक्सेस (पुनः उपयोग) करने का काम करता है। यह एक तरह की सेमीकंडक्टर चिप होती है, जो सिलिकॉन जैसे पदार्थ से बनी होती है। मेमोरी चिप बिना बिजली के स्थायी रूप से डेटा रख सकती है (जैसे फ़ोन की स्टोरेज), या केवल बिजली चालू होने पर डेटा रख सकती है (जैसे कंप्यूटर की रैम)। रैम अस्थायी मेमोरी होती है। जब कंप्यूटर या मोबाइल बंद होता है, तो डेटा मिट जाता है जबकि स्टोरेज स्थायी होता है जैसे फोन का स्टोरेज। यह चिप्स डाटा को स्टोर करने के साथ-साथ सिस्टम को तेज़ी से काम करने में भी मदद करती हैं। देश को वर्तमान में मेमोरी चिप संकट का सामना करना पड़ रहा है। एआई सर्वरों के लिए हाई-बैंडविड्थ मेमोरी की भारी मांग के कारण वैश्विक स्तर पर भी गंभीर कमी हो गई है, जिससे मेमोरी चिप की कीमतें आसमान छू रही हैं।

सूचना का इलेक्ट्रॉनिक भंडारण

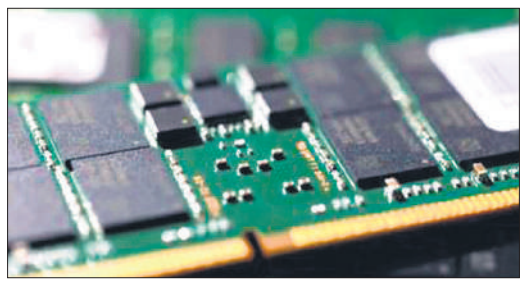

कितने प्रकार की होते हैं मेमोरी चिप्स

● **रैम** : यह अस्थायी मेमोरी होती है। यह प्रोग्राम चलाते समय डेटा को तेज़ी से उपलब्ध कराता है लेकिन बिजली गुल होते ही डेटा मिट जाता है। ● **डीरैम**: यह मोबाइल/कंप्यूटर की मुख्य रैम होती है। यह सस्ती होने के साथ ही ज्यादा क्षमता की होती है। डेटा बनाए रखने के लिए बार-बार इसे रिफ्रेश करना जरूरी होता है। ● **स्टेटिक रैम** : यह बहुत तेज होने के साथ महंगी भी है। सीपीयू के कैच मेमोरी में इसका उपयोग किया जाता है। इसे रिफ्रेश करने की जरूरत नहीं होती है। ● **रोम** : यह स्थायी मेमोरी होती है। डिवाइस को स्टार्ट करने के निर्देश देती है। बिजली बंद होने पर भी डेटा सुरक्षित रहता है। अन्य प्रकार के मेमोरी चिप्स भी आते हैं।

विश्व की प्रमुख मेमोरी चिप निर्माता

● मेमोरी चिप का निर्माण करने वाली दुनिया की प्रमुख कंपनियां चीन, अमेरिका, ताइवान और दक्षिण कोरिया में स्थित हैं। जहां बड़े पैमाने पर इनका उत्पादन कर दुनिया के अन्य देशों में निर्यात किया जाता है। इनमें दक्षिण कोरिया की सैमसंग, एसके हिनीक्स मेमोरी चिप मार्केट में बड़े खिलाड़ी हैं। इसी प्रकार ताइवान की कंपनी टीएसएमसी सेमीकंडक्टर और मेमोरी टेक्नोलॉजी में अग्रणी है। चीन और अमेरिका की कुछ कंपनियां भी मेमोरी चिप्स बनाती हैं और सप्लाई चेन के हिस्से के रूप में भी चिप्स भारत में भेजती हैं। भारत अपनी जरूरत की अधिकतर मेमोरी चिप इन देशों से आयात करता है क्योंकि घरेलू उत्पादन अभी बहुत कम है।

मेमोरी चिप का उपयोग कहां होता है?

मेमोरी चिप्स लगभग हर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में उपयोग होती हैं। जिसमें मोबाइल फोन, टैबलेट, लैपटॉप, डेस्कटॉप कंप्यूटर, स्मार्ट टीवी, सेट-टॉप बॉक्स, कारों के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, डिफेंस व एयरोस्पेस उपकरण, डेटा सेंटर और सर्वर, गेमिंग कंसोल एवं स्मार्ट वॉच आदि इलेक्ट्रानिक गैजेट्स शामिल हैं।

भारत में निर्माण की स्थिति

● भारत में मेमोरी चिप्स का निर्माण अभी बहुत सीमित स्तर पर है और देश के पास बड़े-पैमाने पर उत्पादन क्षमता नहीं है, इसलिए भारत इन चिप्स को मुख्य रूप से आयात करता है। कुछ भारतीय कंपनियों ने मेमोरी चिप निर्माण करना शुरू किया है। बड़े निवेश और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर प्रोजेक्ट्स के तहत गुजरात आदि में मेमोरी चिप उत्पादन की योजनाएं चल रही हैं। इसके बावजूद भारत अभी भी मुख्यतः आयात पर निर्भर है।

बांग्लादेश में फिर अशांति, निर्वाचन आयोग ने मांगी अतिरिक्त सुरक्षा

आईजीपी से आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों को सुरक्षा देने की अपील की

● चुनाव की घोषणा के बाद आयोग के दो कार्यालयों पर हुए हमले

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में बंदूकधारियों द्वारा आगामी संसदीय चुनाव के एक उम्मीदवार और पिछले साल हुए हिंसक प्रदर्शनों के अग्रणी नेता को गोली मारे जाने के बाद निर्वाचन आयोग (ईसी) ने अपने प्रमुख, अन्य आयुक्तों और अधिकारियों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है। इस हमले के बाद बांग्लादेश में फिर से अशांति फैल गई है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने शनिवार देर रात कहा कि निर्वाचन आयोग ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) को पत्र लिखकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी), निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) और निर्वाचन आयोग सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था करने का आग्रह किया है।

निर्वाचन आयोग ने 13वें राष्ट्रीय चुनाव से पहले अपने जमीनी स्तर के कार्यालयों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है क्योंकि गुरुवार को आगामी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद दक्षिण-पूर्वी लक्ष्मीपुर और दक्षिण-पश्चिमी पिरोजपुर में स्थित दो कार्यालयों पर अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया था। आयोग ने मुख्य आयुक्त के लिए एक अतिरिक्त सुरक्षा वाहन की मांग की है, जबकि वर्तमान में उनके लिए एक पुलिस सुरक्षा वाहन की व्यवस्था पहले से ही मौजूद थी।

आयोग ने चारों आयुक्तों और वरिष्ठ सचिव के लिए 24 घंटे पुलिस सुरक्षा की मांग की। पत्र में कहा गया है कि सुरक्षा बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने कहा कि उनके 10 क्षेत्रीय कार्यालय, 64 जिला चुनाव कार्यालय और 522 उप-जिला स्तरीय कार्यालय में महत्वपूर्ण दस्तावेजों और चुनाव सामग्री को सुरक्षित रखना होगा।

निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को घोषणा की कि आगामी संसदीय चुनाव अगले साल 12 फरवरी को होंगे। इसके एक दिन बाद राजधानी के एक निर्वाचन क्षेत्र से अपना चुनाव अभियान शुरू करते समय शरीफ उस्मान हादी को सिर में करीब से गोली मार दी गई थी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने को ऑपरेशन डेविल हंट का दूसरा चरण शुरू किया गया है।

यूनुस ने की हादी के परिवार से मुलाकात

अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने हादी के परिवार से मुलाकात कर उनके इलाज में हर संभव सहायता का आश्वासन दिया और संदिग्धों की तलाश के आदेश दिए। यूनुस ने कहा कि पूरा देश उनके लिए प्रार्थना कर रहा है और हर कोई यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि उन्हें सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल मिले। हादी पिछले साल के छात्र-नेतृत्व वाले प्रदर्शन के एक प्रमुख नेता थे। इन प्रदर्शनों के बाद पांच अगस्त को शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार सत्ता से बेदखल हो गई। गंभीर रूप से बीमार पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी, साथ ही जमात-ए-इस्लामी और छात्र-नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने हादी पर हुए हमले की कड़ी आलोचना की।

बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया

ढाका। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब कर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर से दिए गए भड़काऊ बयानों पर गंभीर चिंता जताई। हसीना इस समय भारत में हैं। हसीना (78) पिछले साल अगस्त में छात्रों के हिंसक प्रदर्शन के बाद भारत चली गई थीं। देश के एक विशेष न्यायाधिकरण ने उन्हें मौत की सजा सुनाई है। बांग्लादेश भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। बांग्लादेश के विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि विदेश मंत्रालय ने आज भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया और भारत सरकार को बांग्लादेश सरकार की इस गंभीर चिंता से अवगत कराया कि शेख हसीना को ऐसे भड़काऊ बयान जारी करने की अनुमति दी जा रही है, जिसमें वह अपने समर्थकों को बांग्लादेश में आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए उकसा रही हैं।

बांग्लादेश के छह शांति सैनिकों की मौत

ढाका। बांग्लादेश की सेना के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस ने शनिवार रात एक बयान में बताया कि सूडान के अबेई में हमलावरों ने संयुक्त राष्ट्र की शिविर को निशाना बनाया, जिसमें बांग्लादेश की सेना के छह शांति सैनिक मारे गए और आठ अन्य घायल हो गए। बयान में कहा गया कि युद्ध जारी है।

विदेशी समकक्षों से मिले जयशंकर

● यूएई शिखर सम्मेलन में भाग लेने अबू धाबी में हैं विदेशमंत्री

दुबई, एजेंसी

यूएई के अबू धाबी में सर बानी यस फोरम के दौरान लातविया, लक्ज़मबर्ग और पोलैंड के समकक्षों के साथ विदेशमंत्री जयशंकर।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में उच्च-स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन से इतर यूरोप, ब्रिटेन और मिस्र के अपने समकक्षों से मुलाकात की। कई महत्वपूर्ण भूराजनीतिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों पर चर्चा के लिए विश्व के नेता और नीति निर्माता यूएई में एकजुट हुए हैं।

जयशंकर ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि लक्जमबर्ग के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल, पोलैंड के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की और लातविया की विदेश मंत्री बैबा ब्रेज के साथ मिलकर बहुत अच्छा लगा। मंत्री संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में तीन दिवसीय सर बानी यास फोरम 2025 में भाग लेने पहुंचे थे। जयशंकर ने शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री ने एक अन्य बैठक को लेकर कहा कि मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बदर अब्देलट्टी से मुलाकात करके अच्छा लगा।

अमेरिकी विवि में गोलीबारी में दो की मौत, 9 लोग घायल

प्रोविडेंस। अमेरिका में रोड आइलैंड राज्य के प्रोविडेंस शहर स्थित ब्राउन विश्वविद्यालय की अंतिम परीक्षाओं के दौरान गोलीबारी की घटना में दो लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। प्रोविडेंस पुलिस प्रमुख कर्नल ऑस्कर पेरेज़ ने रविवार को बताया की कि गिरफ्तार व्यक्ति की उम्र 30 वर्ष के आसपास है। पुलिस के मुताबिक, हमलावर ने 40 से अधिक गोलियां चलाईं।

क्रिप्टोकरेंसी मामले में कांगड़ा और मंडी में ईडी की छापेमारी

शिमला, एजेंसी

● राज्यभर में अब तक 80 से अधिक लोग जांच के घेरे में

हिमाचल प्रदेश में ईडी कांगड़ा और मंडी में कई स्थानों पर एक क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी के सिलसिले में सर्च ऑपरेशन जारी रखे हुए है, जिससे निवेशकों के साथ बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी के मामले में धन-शोधन की जांच में तेजी आई है।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की मदद से ईडी की टीमों ने शनिवार को मंडी जिले के सुंदरनगर और कांगड़ा जिले के नगरोटा बगवां में देर रात तक छापेमारी की। अधिकारियों ने तलाशी के दौरान वित्तीय दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच की। उसने पांच लोगों से उनके वित्तीय दस्तावेज और क्रिप्टोकरेंसी निवेश से संबंधित पूछताछ की। राज्य में लगभग 80 लोग एजेंसी की जांच के घेरे में आ चुके हैं। जांच के नतीजों के आधार पर कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

इजराइल ने हमास कमांडर को किया ढेर

यरुशलम/गाजा, एजेंसी

● अक्टूबर में इजराइल पर हुए हमलों का था योजनाकार

इजराइली सेना ने कहा है कि उसने शनिवार को गाजा पट्टी में एक हमले में हमास के एक वरिष्ठ कमांडर को मार गिराया है। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) और शिन बेट सुरक्षा एजेंसी ने एक संयुक्त बयान में कहा कि हमास की सैन्य शाखा में हथियार निर्माण मुख्यालय के प्रमुख राद साद को मार दिया गया है।

इजराइली सेना के अनुसार, साद सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमास द्वारा किए गए योजनाकारों में से एक था और अंतिम बचे हुए शीर्ष सरगनाओं में एक था। आईडीएफ ने यह भी दावा किया कि साद हाल के महीनों में हमास द्वारा संघर्ष विराम समझौते के उल्लंघनों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार था। सेना ने यह भी आरोप लगाया कि वह संघर्ष विराम के दौरान हथियारों का निर्माण जारी रखने के लिए भी जिम्मेदार था।

इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कहा कि उन्होंने और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने शनिवार को गाजा में इजरायली बलों को घायल करने वाले हमास के एक विस्फोटक उपकरण के विस्फोट के जवाब में साद की हत्या का व्यक्तिगत रूप से आदेश दिया था। इससे पहले शनिवार को इजराइली सेना ने बताया था कि दक्षिणी गाजा में आतंकवाद विरोधी एक अभियान के दौरान एक बम फट जाने से दो सैनिक मामूली रूप से घायल हो गए थे।

इजराइल के एक पूर्व वरिष्ठ खुफिया अधिकारी माइकल मिल्स्टीन ने द न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया, साद को मारना हमास के लिए व्यावहारिक और प्रतीकात्मक दोनों रूप से एक झटका है। लेकिन उन्होंने आगाह किया कि यह अभी भी समूह को उखाड़ फेंकने से बहुत दूर है, क्योंकि समूह सक्षम है।

हांगकांग की सबसे बड़ी लोकतंत्र की समर्थक पार्टी भंग

हांगकांग। हांगकांग की सबसे बड़ी लोकतंत्र समर्थक पार्टी ने 30 से अधिक वर्षों की सक्रियता के बाद रविवार को भंग होने के लिए मतदान किया, जो चीनी अर्ध-स्वायत्त शहर के कभी विविध राजनीतिक परिदृश्य के एक युग के अंत का प्रतीक है। डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष लो किन-हई ने कहा कि पार्टी को भंग करने के पक्ष में करीब 97 प्रतिशत सदस्यों ने मतदान किया और यही पार्टी सदस्यों के लिए आगे बढ़ने का सबसे बेहतर रास्ता है। उन्होंने कहा कि हमें गहरे अफसोस के साथ इसको समाप्त करना पड़ रहा है।

सीबीआई ने साइबर अपराध मामले में चीन के 4 नागरिकों के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली, एजेंसी

● एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का है मामला

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की रकम हड़पने में संलिप्त एक अंतर्राष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क में शामिल होने के आरोप में चीन के चार नागरिकों समेत 17 लोगों और 58 कंपनियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

अक्टूबर में गिरोह का पर्दाफाश करने के बाद जांचकर्ताओं ने पाया कि यह एक सुनियोजित और संगठित सिंडिकेट था, जो जटिल डिजिटल और वित्तीय प्रणाली के जरिए कई तरह की धोखाधड़ियां कर रहा था। धोखाधड़ी के इन तरीकों में भ्रामक ऋण आवेदन, फर्जी निवेश योजनाएं, पोंजी और मल्टी-लेवल मार्केटिंग मॉडल, फर्जी पार्ट-टाइम नौकरी के ऑफर और फर्जी ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म शामिल थे। जांच एजेंसी की अंतिम रिपोर्ट के अनुसार, इस समूह ने 111 मुखौड़ा कंपनियों के जरिये अवैध धन के लेन-देन को छिपाया और म्यूल खातों के माध्यम से लगभग 1,000 करोड़ रुपये की हेराफेरी की। रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से एक खाते में कम समय में 152 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा हुई थी। सीबीआई ने कहा कि ये मुखौटा कंपनियां डमी निदेशकों, जाली या भ्रामक दस्तावेजों, फर्जी पतों और व्यावसायिक उद्देश्यों के बारे में झूठे हलफनामों के जरिए बनाई गई थीं। जांचकर्ताओं के अनुसार यह घोटाला 2020 में शुरू हुआ था।

जर्मनी में हमले की साजिश रचने में पांच लोग गिरफ्तार

बर्लिन। दक्षिणी जर्मनी में एक क्रिसमस मार्केट पर हमले की साज़िश रचने के शक में पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि संदिग्धों में एक मिस्र का, एक सीरिया का और तीन मोरक्को के नागरिक शामिल हैं। चार लोगों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं, जबकि पांचवें को निवारक हिरासत में रखा गया है। अभियोजक को शक है कि यह हमला इस्लामिक चरमपंथ से संबंधित है, जिसे कथित तौर पर एक वाहन का इस्तेमाल करके अंजाम दिया जाना था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 15 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 21.19 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

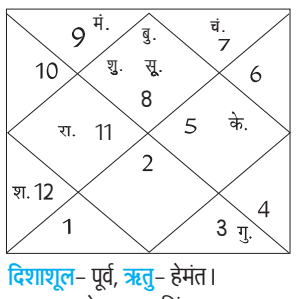

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-चित्रा 11.08 तक तत्पश्चात स्वाती।

मेष — आज आप दूसरों की सहायता अवश्य करेंगे। प्रशासन से जुड़े लोगों के सम्मान मिल सकता है। अपनी कार्यशैली में संरचनात्मक सुधार कर सकते हैं। मित्रों के माध्यम से आपको शुभ समाचार मिल सकते हैं। जीवनसाथी के प्रति प्रेम भाव बढ़ेगा।

वृष — आज राजनीतिक विषयों पर चर्चा में समय बीतेगा। गुप्त शत्रुओं को लेकर परेशान हो सकते हैं। विदेश में नौकरी की इच्छा रखने वाले लोगों को नई नौकरी मिल सकती है। अपनी प्रतिभा को और विकसित करने के लिए दिन अच्छा है।

मिथुन — आज रियल एस्टेट से जुड़े प्रकल्पों को पूरा करने में कठिनाई होगी। आपको अनावश्यक विवादों से बचना चाहिए। करियर को लेकर मन में दुविधा उत्पन्न हो सकती है। घर के सदस्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठकों में सम्मिलित होना पड़ सकता है।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में आपको वाणी पर संयम रखना चाहिए। व्यवसाय में आपको अचानक निर्णय लेने से बचना चाहिए। अपने ही निर्णयों को लेकर आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के लोग आपसे असंतुष्ट हो सकते हैं। विवाह को लेकर जल्दबाजी न करें।

सिंह — आज व्यापार में आर्थिक लाभ होने से कर्ज चुकाने में आसानी होगी। अधूरे कार्यों को पूरे करने में लगे रहेंगे। छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बच्चों की उपलब्धियों पर आपको गर्व की अनुभूति होगी।

कन्या — आज समाज कल्याण के कार्यों में आपका मन लगेगा। परिजनों के व्यवहार से रुष्ट हो सकते हैं। पुराने मित्रों से काफी दिनों बाद मिलना हो सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई में लापरवाही कर सकते हैं। खरीदारी करते समय अपने बजट का ध्यान अवश्य रखें।

तुला — आज नई परियोजनाओं के प्रति आपके मन में रुचि बढ़ेगी। लोगों की समस्याओं को सुलझाने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। विद्वान लोगों के साथ आपका संपर्क मजबूत होगा। आपकी आय में बढ़ोत्तरी होने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक — आज नशे और अनैतिक कार्यों की ओर आप आकर्षित हो सकते हैं। बच्चों को गलत संगत से दूर रखें। अपनी क्षमता और योग्यता का सार्थक उपयोग नहीं कर पाएंगे। गुप्त शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिए।

धनु — आज दांपत्य जीवन में आ रही गलतफहमियों को दूर करने के लिये काफी अच्छा दिन है। भविष्य को लेकर योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। नौकरी और व्यापार दोनों में ही आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा। चतुराई से आप परेशानियों का समाधान ढूंढ लेंगे।

मकर — आज नई नौकरी मिलने की संभावना बन रही है। युवा जातक अपने प्रेमीजन को प्रपोज कर सकते हैं। अपनी जिम्मेदारियों से पीछे न हटें। अपनी कार्यशैली में आप परिवर्तन ला सकते हैं। अपनी महत्वपूर्ण वस्तुओं को संभालकर रखें।

कुंभ — आज उच्च अधिकारियों के साथ अपने संबंध खराब न करें। किसी परिजन के साथ अनबन हो सकती है। आवारा जानवरों से सावधान रहें। वैवाहिक जीवन को समय नहीं दे पाएंगे। घर के किसी बुजुर्ग सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

मीन — आज किसी नई मूवी या वेबसीरीज में अत्यधिक रूचि ले सकते हैं। परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में लोग आपको पर्याप्त महत्व नहीं देंगे। बच्चों के क्रियाकलापों पर नजर बनाकर रखें। स्त्रियों को स्वास्थ्य की समस्या हो सकती है।

सुडोकू - 2

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	6		7	1			4	
9		4				1		8
	3	5			6			2
	2		1	6				3
4				3	5		9	
3			9			8	5	
8		1				7		4
	5			8	4		1	

सुडोकू - 1 का हल

6	1	4	9	8	2	3	5	7
9	3	7	4	5	1	6	2	8
2	8	5	7	6	3	9	4	1
5	6	1	2	7	8	4	3	9
7	4	9	3	1	6	5	8	2
8	2	3	5	4	9	7	1	6
3	9	6	1	2	5	8	7	4
1	7	8	6	3	4	2	9	5
4	5	2	8	9	7	1	6	3

उत्तर प्रदेश में खिलाड़ियों को दिए जा रहा प्रोत्साहन, रोजगार और सुविधाएं उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है और भविष्य की सुरक्षा का भरोसा भी देता है। खेल से मिले अनुशासन, समर्पण और फिटनेस अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं।

-दीप्ति शर्मा

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, सोमवार, 15 दिसंबर 2025

हाईलाइट

आईपीएल में गेंदबाजी के लिए तैयार कैमरन

एडिलेड : ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने रविवार को साफ किया कि वह इंडियन प्रीमियर लीग में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने साफ किया कि उनके मैनेजर की गड़बड़ी की वजह से उन्हें अगले हफ्ते होने वाली छोटी नीलामी में गलती से बल्लेबाज के तौर पर पंजीकृत कर दिया गया। पीठ की सर्जरी से उबरने के कारण 2025 सत्र से बाहर रहे 26 साल के ग्रीन जून में एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे थे। हालांकि इसके बाद उन्हें गेंदबाजी करने की इजाजत मिल गई है और वह ऑस्ट्रेलिया तथा इंग्लैंड के बीच चल रही एशेज सीरीज में गेंदबाजी कर रहे हैं।

बार्सीलोना ने 2-0 से ओसासुना को हराया

बार्सीलोना : राफिन्हा के दो गोल से बार्सीलोना ने शनिवार को यहां ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में ओसासुना को 2-0 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली। ब्राजील के फारवर्ड राफिन्हा ने 70वें मिनट में बार्सीलोना को बढ़त दिलाई और फिर 84वें मिनट में एक और गोल दागकर टीम की 2-0 से जीत सुनिश्चित की। लीग में लगातार सातवीं जीत के साथ गत चैंपियन बार्सीलोना ने दूसरे स्थान पर मौजूद रीयाल मैड्रिड पर सात अंक की बढ़त बना ली है।

लिवरपूल ने ब्राइटन को हराया

लिवरपूल : लिवरपूल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में ब्राइटन को 2-0 से हरा दिया। इस जीत से लिवरपूल ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने अजेय क्रम को पांच मैच तक पहुंचाया। टीम अब अंक तालिका में छठे स्थान पर है। इस मैच के साथ लिवरपूल के मोहम्मद सालाह ने रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में वापसी भी की।

दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराकर टीम इंडिया ने सीरीज में बनाई बढ़त

एडेन मार्करम के अर्धशतक के बावजूद तीसरे टी-20 में मेहमान टीम 117 रनों पर सिमटी

हर्षित राणा।

धर्मशाला, एजेंसी

अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद अभिषेक शर्मा (18 गेंद में 35 रन) की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से भारत ने पांच मैचों की सीरीज के तीसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय में दक्षिण अफ्रीका को 25 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर 2-1 से बढ़त कायम कर ली। कप्तान एडेन मार्करम की 46 गेंद में 61 रन की पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम 117 रन पर आउट हो गई।

भारत ने 15.5 ओवर में ही तीन विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। अभिषेक शर्मा ने तीन छक्के और इतने ही चौके लगाने के अलावा और शुभमन गिल (28 गेंद में 28 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 32 गेंद में 60 रन की साझेदारी कर टीम को तेज शुरुआती दिलाकर जीत की राह आसान कर दी। गिल ने पारी की शुरुआत में कुछ अच्छे शॉट लगाए लेकिन तेजी से रन बनाने के लिए जूझते दिखे। वह हालांकि क्रीज पर कुछ समय बिताने में सफल रहे। तिलक वर्मा (34 गेंद में नाबाद 26) भी तेजी से रन नहीं बना पाए तो वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव (11 गेंद में 12 रन) एक बार फिर निराश किया। दक्षिण अफ्रीका के लिए लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन और कोर्बिन बोश ने एक-एक विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका के लिए मार्करम ने छह चौके और दो छक्के जड़े। उनके अलावा डोनोवन फरेरा (20) और एनरिक नोर्किया (12) ने ही दहाई के आंकड़े में रन बनाए। अर्शदीप ने चार ओवर में 13 रन देकर दो जबकि चक्रवर्ती ने इतने ही ओवर में 11 रन देकर दो सफलता हासिल की। राणा ने 34 रन पर दो जबकि कुलदीप ने दो ओवर में 12 रन पर दो विकेट लिए। हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे भी एक-एक सफलता हासिल की। लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक ने पहली गेंद पर ही लुंगी एनगिडी के खिलाफ छक्का जड़ अपने तेवर दिखाए। गिल ने भी एनगिडी और यान्सेन के खिलाफ चौके लगाने के बाद ओटनील बार्टमैन के ओवर में दो चौके के साथ आत्मविश्वास हासिल किया। अभिषेक ने इस गेंदबाज के अगले ओवर में छक्का और चौका जड़ा जिससे भारत ने पांच ओवर में 60 रन बना लिये। कोर्बिन बोश की गेंद पर मार्करम ने कैच के साथ अभिषेक की आक्रामक पारी का अंत किया।

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडेन मार्करम व भारतीय पारी के दौरान अभिषेक शर्मा व शुभमन गिल। एजेंसी

लय में हूं लेकिन रन नहीं बना पा रहा हूं : सूर्यकुमार यादव

धर्मशाला : पिछले काफी समय से बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में सात विकेट की जीत के बाद रविवार को कहा कि वह रन नहीं बना पा रहे है लेकिन ऐसा नहीं है कि वह लय में नहीं है। सूर्यकुमार ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा मैंने नेट में शानदार बल्लेबाजी की है। जब रन बनाने की जरूरत होगी, तब बनेंगे। सूर्यकुमार ने इस श्रृंखला के तीन मैचों में 12, पांच और 12 रन की पारियां खेली है। उन्होंने कहा ऐसा नहीं है कि मैं फॉर्म में नहीं हूं, लेकिन रन बनाने में नाकाम रहा हूं। भारतीय कप्तान ने कहा कि टीम ने पिछले मैच में मिली हार से सबक लेकर अच्छी वापसी की। उन्होंने कहा खेल आपको बहुत कुछ सिखाता है। इस तरह से वापसी करना शानदार रहा। पिछले मैच के बाद हमने बहुत कुछ सीखा। हमने आज और कटक में जो किया वह कमाल का था। भारतीय कप्तान ने कहा हम जीत का लुत्फ उठायेंगे और कल लखनऊ पहुंचने के बाद बैठकर अगले मैच की योजना के बारे में चर्चा करेंगे।

दक्षिण अफ्रीका

117/10 (20 ओवर)

क्विंटन डिकॉक पगबाधा राणा	01
रीजा हेंड्रिक्स पगबाधा अर्शदीप	00
मार्करम का जितेश बो अर्शदीप	61
डेवाल्ड ब्रेविश बो राणा	02
ट्रिस्टन स्टब्स का जितेश बो पंड्या	09
कोर्बिन बोश बो दुबे	04
डोनोवन फरेरा बो चक्रवर्ती	20
मार्को यान्सेन बो चक्रवर्ती	02
नॉर्किया स्टं जितेश बो कुलदीप	12
लुंगी एनगिडी नाबाद	02
बार्टमैन का सूर्यकुमार बो कुलदीप	01

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-13-2, राणा 4-0-34-2, हार्दिक 3-0-23-1, चक्रवर्ती 4-0-11-2, दुबे 3-0-21-1, कुलदीप 2-0-12-2

भारत

120/3 (15.5 ओवर)

अभिषेक शर्मा का मारक्रम बो बोश	35
शुभमन गिल बो यानसन	28
तिलक वर्मा नाबाद	26
सूर्यकुमार का बार्टमैन बो एनगिडी	12
शिवम दुबे नाबाद	10

गेंदबाजी : एनगिडी 3-0-23-1, यानसन 3-0-24-1, बार्टमैन 3.5-0-34-0, बोश 3-0-18-1, नोर्किया 3-0-14-0

50 विकेट पूरे किए वरुण चक्रवर्ती ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में

35 रनों की पारी में अभिषेक शर्मा ने 3 छक्के और 3 चौके लगाए उन्होंने गिल के साथ पहले विकेट के लिए 60 रनों की साझेदारी की

मेसी व सचिन की जुगलबंदी ने जीता दिल

मुंबई, एजेंसी

प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में रविवार को आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी और क्रिकेट जगत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के एक साथ मंच साझा करने से भारतीय खेल इतिहास में एक और गौरवशाली अध्याय जुड़ गया।

मेसी ने चार शहरों के अपने 'जीओएटी' भारत दौरे के तीसरे पड़ाव पर वानखेड़े में एक घंटा बिताया। उन्होंने युवा फुटबॉल खिलाड़ियों, महान क्रिकेटर तेंदुलकर, भारतीय फुटबॉल के दिग्गज सुनील छेत्री और मनोरंजन जगत की हस्तियों से बातचीत की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मौके पर 'प्रोजेक्ट महादेवा' की भी घोषणा की, जिसका उद्देश्य राज्य भर में युवा फुटबॉल खिलाड़ियों की पहचान करना और उन्हें विकसित करना है। पूरे कार्यक्रम के दौरान स्टेडियम में मौजूद दर्शकों की भीड़ 'मेस्सी... मेस्सी' के नारे लगाती रही। यह स्टेडियम भारत की 2011 क्रिकेट विश्व कप जीत का भी गवाह रहा था। तेंदुलकर के शाम 5:45 बजे पहुंचने के कुछ ही देर बाद अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी मेस्सी अपने इंटर मियामी टीम के साथियों लुइस सुआरेज और रोड्रिगो डि पॉल के साथ मैदान पर उतरे। शायद पहली बार ऐसा हुआ जब वानखेड़े पर 'सचिन...सचिन' के बजाय 'मेस्सी...मेस्सी' के नारों की आवाज तेज थी। अनगिनत दफा वानखेड़े पर 'सचिन... सचिन' के नारे गूंजे हैं और यहां तक कि उस समय भी जब यह क्रिकेट आइकन स्टेडियम मौजूद भी नहीं होता।

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के साथ अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी। एजेंसी

- चार शहरों के 'जीओएटी इंडिया टूर 2025' का दूसरा दिन

प्रधानमंत्री मोदी से आज मिलेंगे लियोनेल

नई दिल्ली : अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी सोमवार को भारत दौरे के दिल्ली चरण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आधिकारिक आवास पर जाने के बाद एक सांसद के आवास पर भारत के मुख्य न्यायाधीश और सेना प्रमुख से मुलाकात करेंगे। जीओएटी भारत दौरे के अंतिम दिन मेसी फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में भारतीय क्रिकेट टीम के दो सदस्यों से भी मिलेंगे। मेसी सुबह 10:45 बजे दिल्ली पहुंचेंगे।

मैंने यहां कुछ अविश्वसनीय पल बिताए हैं। इस जगह पर कई सपने पूरे हुए हैं। और आपके समर्थन के बिना हम 2011 (क्रिकेट विश्व कप) में इस मैदान पर वे सुनहरे पल कभी नहीं देख पाते। और आज, इन तीनों का यहां होना वास्तव में मुंबई, मुंबईवासियों और भारत के लिए एक सुनहरा पल है।

-सचिन तेंदुलकर

अनाहत सिंह ने स्क्वाश वर्ल्ड कप में रचा इतिहास

चेन्नई : भारत ने स्क्वाश विश्व कप के फाइनल में रविवार को हांगकांग को 3-0 से हराकर पहली बार इस खिताब को जीत इतिहास रच दिया। भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला एशियाई देश बन गया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में कांस्य पदक जीतना था।

यह खिताबी जीत भारतीय स्क्वाश के लिए निश्चित रूप से अच्छी खबर है क्योंकि यह खेल लॉस एंजिल्स 2028 में ओलंपिक में अपना पदार्पण करने जा रहा है। मिश्रित टीम स्पर्धा में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता प्राप्त भारत ने बिना कोई मैच हारे खिताब अपने नाम किया। ग्रुप चरण में स्विट्जरलैंड और ब्राजील को समान 4-0 के अंतर से हराने के बाद भारत ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में क्रमशः दक्षिण अफ्रीका और दो बार के चैंपियन मिस्र को 3-0 से हराया। जोशना चिनप्पा ने ली का यी को 3-1 से हराया।

भारत ने पाकिस्तान को हराया

दुबई, एजेंसी

भारत ने ऑलराउंडर कनिष्क चौहान और तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन की अगुवाई में अनुशासित गेंदबाजी की बदौलत रविवार को यहां अंडर-19 एशिया कप के ग्रुप ए मैच में पाकिस्तान को 90 रनों से करारी शिकस्त दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.1 ओवर में 240 रन का स्कोर खड़ा किया जिसमें आरोन जॉर्ज ने 85 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान आयुष म्हात्रे (38) और चौहान (46) ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके बाद 241 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम शुरुआती झटकों से नहीं उबर पाई और 41.2 ओवर में 150 रन पर ऑल आउट हो गई।

भारत ने तेज शुरुआत की जिसमें कप्तान म्हात्रे ने 25 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाए। लेकिन मोहम्मद सैयाम ने पहले 10 ओवर के अंदर दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर दिया। इसके बाद जॉर्ज ने पारी को संभाला। वह लगातार गैप ढूंढकर रन जुटाते रहे जिससे बीच के ओवरों में उन्होंने स्थिरता बनाए रखी। चौहान ने आखिरी ओवरों में तेज बल्लेबाजी जिसमें तीन छक्के शामिल थे और भारत को नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के बावजूद 230 रन के पार पहुंचाने में मदद की। पाकिस्तान के लिए सैयाम ने 67 रन देकर और अब्दुल सुभान ने 42 रन देकर तीन तीन विकेट झटके जबकि निकाब शफीक ने दो विकेट लिए। पाकिस्तान की पारी की शुरुआत खराब रही। उसके 30 रन के स्कोर पर चार विकेट गिर गए जिसमें देवेंद्रन ने शुरुआती स्पैल में तीन विकेट लिए।

कप्तान फरहान यूसुफ (23) और हुजैफा अहसान ने पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन चौहान की धारदार ऑफ-स्पिन ने इस साझेदारी को तोड़ दिया। अहसान पाकिस्तान के लिए 83 गेंद में 70 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे लेकिन दूसरे छोर से उन्हें कोई साथ नहीं मिला। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने टॉस के समय और मैच के बाद एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया।

अंडर-19 एशिया कप

- दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने टॉस के समय और मैच के बाद एक-दूसरे से नहीं मिलाया हाथ

नीदरलैंड्स ने तीसरी बार जीता खिताब

सैंटियागो (चिली), एजेंसी

नीदरलैंड्स ने फाइनल मुकाबले में एक बार फिर से ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर लगातार तीसरी बार एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। डच टीम ने रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप का खिताब जीता और 2022, 2023 और अब 2025 में जीत के साथ लगातार तीसरा खिताब अपने नाम किया।

मैच की शुरुआत में नीदरलैंड्स ने पहले हाफ में एक पेनल्टी कॉर्नर और एक ओपन प्ले से गोल करके मैच अपने नाम कर लिया और फिर निर्णायक चरणों में एक बहुत ही मजबूत रक्षात्मक संरचना के माध्यम से अपनी मामूली बढ़त को बनाए रखा।इस दौरान अर्जेंटीना लगातार दबाव दिखी। नीदरलैंड्स को दूसरे क्वार्टर में सफलता उसम समय मिली जब आइवी टेलियर ने 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके डच टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। गूसजे मोएस ने 27वें मिनट में गोल करके बढ़त को दोगुना कर दिया। अर्जेंटीना ने रक्षात्मक अनुशासन के साथ जवाब दिया, दबाव के सबसे कठिन चरणों को सहा और पेनल्टी कॉर्नर से अपने पहले स्कोरिंग मौके बनाए, दूसरे क्वार्टर में दो प्रयास किए लेकिन सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में अर्जेंटीना ने लारा कैसास ने 37वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया और अर्जेंटीना की खिताबी मुकाबले में वापसी कराई।

इसके बाद नीदरलैंड्स ने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाये और रखा और अर्जेंटीना को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। ब्राजील ने चीन को 5-1 से हराकर कांस्य पदक जीता।

एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप ट्रॉफी के साथ नीदरलैंड्स की टीम।

- हॉकी महिला जूनियर विश्व कप के फाइनल में अर्जेंटीना को 2-1 से हराया

उन्नति और किरण ने एकल खिताब अपने नाम किया

कटक : शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा और किरण जॉर्ज ने रविवार को ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब जीतकर शानदार प्रदर्शन किया।

उन्नति ने संयम का परिचय देते हुए हमवतन खिलाड़ी इशारानी बरुआ को महज आधे घंटे में 21-17, 21-10 से हराया। इस 18 साल की खिलाड़ी ने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा और इशारानी को लय हासिल करने का मौका नहीं दिया। इस हार के बावजूद इशारानी ने रजत पदक हासिल कर इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया।

दूसरे वरीयता प्राप्त जॉर्ज ने पुरुष एकल फाइनल में इंडोनेशिया के मुहम्मद यूसुफ को 65 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 21-14, 13-21, 21-16 से हराया।

साक्षात्कार जमैका की दिग्गज फर्राटा धाविका बोलीं-हाई स्कूल में मुझे अपने दौड़ने के तरीके को बदलना पड़ा

खराब फिनिशर के ठप्पे से थी दुखी : शेली एन

पुणे, एजेंसी

जमैका की दिग्गज फर्राटा धाविका शेली एन फ्रेजर प्राइस का कहना है कि उन्हें यह ठप्पा पसंद नहीं था कि वह अच्छी शुरुआत करती थी, लेकिन अच्छी फिनिशर नहीं थी। उन्होंने कहा कि एलीट स्तर तक पहुंचने के लिए उन्हें अपने शुरुआती वर्षों में अपनी दौड़ने की शैली को बदलना पड़ा।

ओलंपिक की आठ बार की और विश्व चैंपियनशिप की 17 बार की पदक विजेता शेली एन ने कहा कि उन्होंने 100 मीटर फर्राटा दौड़ में बेहतर होने के लिए 200 मीटर दौड़ में बहुत मेहनत की। शेली एन के नाम 100 मीटर में 10.60 सेकेंड का इतिहास का तीसरा सबसे तेज समय दर्ज है। शेली एन ने पीटीआई को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा एक एलीट फर्राटा धाविका बनने के लिए हाई स्कूल में मुझे अपने दौड़ने के तरीके को पूरी तरह से बदलना पड़ा क्योंकि मेरा दौड़ने का तरीका सही नहीं था, इससे मैं रेस नहीं जीत पाती। उन्होंने कहा लोग कहते थे वह अच्छी शुरुआत करती है लेकिन अच्छी फिनिशर नहीं है' और मुझे ये बातें सुनकर निराशा होती थी क्योंकि मुझे लगता था कि मैं अच्छी तरह से रेस को खत्म कर सकती हूं।

शेली एन ने कहा मुझे जिम में अधिक मजबूत होना पड़ा। अगर मुझे अपनी 100 मीटर दौड़ को बेहतर करना था तो मुझे 200 मीटर में अधिक दौड़ना पड़ा। मुझे खुद को अधिक चुनौती देनी पड़ी।

लक्ष्य पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करने का मिला लाभ

तीन ओलंपिक और 10 विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक जीतने वाली शेली एन ने कहा कि जमैका के किंग्सटन के वाटरहाउस जिले में बड़े होते समय उनके बड़े लक्ष्य नहीं थे। उन्होंने कहा जब मैं छोटी थी तो मुझे विश्वास नहीं था कि मैं आज जैसी इंसान बन पाऊंगी। मुझे कभी अधिक प्रेरणा नहीं मिली और मेरे आदर्श भी अधिक नहीं थे इसलिए मैं यह सोचते हुए बड़ी हुई कि मेरे लिए चीजें मुमकिन नहीं हैं। शेली एन ने कहा (लेकिन) एक बार जब आप अपना मकसद जान लेते हैं तो आप उन चीजों को करने पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करते हो। मेरे लिए यह विश्वास और निरंतरता है जिसने फर्क पैदा किया है।